धनबाद
सोमवार 30.03.2026
मूल्य-₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-37 पृष्ठ- 12
चैत्र शुक्ल पक्ष-12
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

भ्रष्ट पार्टियों को भाजपा से है डर, एनडीए सत्ता में आए तो काले कारनामे उजागर होंगे : पीएम मोदी

एलडीएफ और यूडीएफ पर लगाए भ्रष्टाचार और वोट-बैंक राजनीति के आरोप

तिरुवनंतपुरम (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को केरल में चुनाव प्रचार की शुरुआत की और पलक्कड़ में आयोजित रैली में एलडीएफ और यूडीएफ पर जमकर हमला बोला। मोदी ने कहा कि दशकों से केरल मतलबी राजनीति के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। उन्होंने एलडीएफ को कम्युनिस्ट और यूडीएफ को कांग्रेस का प्रतिनिधि बताते हुए दोनों को भ्रष्ट और वोट-बैंक पॉलिटिक्स का हिस्सा बताया।

यहां आयोजित रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कि एक करप्ट, दूसरा महा-करप्ट। एक कम्युनल, दूसरा महा-कम्युनल। इन दोनों पार्टियों की सारी पॉलिसी केवल वोट-बैंक के लिए हैं। इन्हें भाजपा से डर लगता है। यदि हम सत्ता में आएंगे तो इनके सारे काले कारनामों की पोल खुल जाएगी। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर भी निशाना साधा और महिलाओं के शोषण से जुड़े हालिया मामलों का जिक्र करते हुए चेतावनी दी कि जनता सावधान रहे। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए की सरकार के आने पर केरल में तेजी से विकास होगा और एक डेवलप्ड केरल का सपना साकार होगा।

जनता का मूड और समर्थन

रैली में पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए की लोकप्रियता और बीजेपी पर लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। पलक्कड़ में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी यह दर्शाती है कि केरल के युवा, महिलाएं और किसान बीजेपी और एनडीए को पसंद कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार केरल में चुनावी माहौल बिल्कुल अलग है और राज्य बदलाव का संदेश दे रहा है।

भारत में बनेंगे हर साल एक लाख रोबोट

नोएडा (ईएमएस): देश की राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में रोबोट फैक्ट्री स्थापित की गई है। नोएडा के १५६ सेक्टर के औद्योगिक क्षेत्र में यह फैक्ट्री रोबोट निर्माण का कार्य कर रही है। इस इंडस्ट्री में हर साल एक लाख रोबोट बनाने का लक्ष्य है। इस फैक्ट्री में कई तरह के रोबोट तैयार किए जाएंगे। इस काम में लगभग ७०० से अधिक इंजीनियर रोबोट निर्माण के कार्य में लगे हैं। इस कंपनी का नाम एडबर्ड है। इसकी दो फैक्ट्री हैं एक फैक्ट्री का नाम बांट वेली है। जो लगभग ढाई एकड़ में फैली है। यहां पर रिसर्च और डेवलपमेंट का का काम होता है। इस केंद्र से ४० किलोमीटर दूर १५ एकड़ में बांट वर्स वर्ष नाम की फैक्ट्री बनी हुई है। जिसकी क्षमता १ लाख रोबोट प्रतिवर्ष बनाने की है। जब यह कंपनी पूरी क्षमता के साथ काम शुरू करेगी।

असम में हेमंत का चुनावी शंखनाद : आदिवासी एकजुटता पर जोर, कहा- चाय बागान श्रमिकों के हक पर हो रहा हमला

डिब्रूगढ़/तिनखोंग/सोनारी/रांची: असम में चुनावी सरगर्मी के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने प्रचार अभियान को तेज करते हुए डिब्रूगढ़ जिले के तिनखोंग और सोनारी विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पार्टी प्रत्याशी महावीर बासके और बलदेव तेली के समर्थन में जनता से सोनारी की अपील की और कई अहम मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

अपने संबोधन में हेमंत सोरेन ने असम के चाय बागान श्रमिकों की बदहाल स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लगभग २०० वर्षों से राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहे ये श्रमिक आज भी न्यूनतम सुविधाओं और अधिकारों से वंचित हैं। उन्होंने मजदूरी में भारी असमानता का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जहां असम में श्रमिकों को लगभग २५० रुपये प्रतिदिन मिलते हैं, वहीं अन्य राज्यों में यह कहीं अधिक है। सोरेन ने यह भी कहा कि चाय बागान श्रमिकों को आज तक भूमि ▶▶ 8

1 अप्रैल नेशनल हाईवे का सफर होगा महंगा, टोल टैक्स दो से चार फीसदी बढ़ा

टूंडला (ईएमएस): एक अप्रैल से वाहन स्वामियों पर अतिरिक्त टोल टैक्स का बोझ बढ़ जाएगा। नई रेट लिस्ट भी जारी हो गई है। टैक्स में दो से चार प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है।

नई दरें ३१ मार्च २०२७ तक प्रभावी रहेंगी। मार्च महा खत्म होने वाला है। एक अप्रैल से टोल की नई दरें लागू हो जाएंगी। जिले में नेशनल हाईवे पर दो टोल प्लाजा हैं। इनमें एक टूंडला के गांव मदावली में और दूसरा सिरसागंज में कठफोरी के पास गुराऊ में है।

मदावली टोल प्लाजा के प्रबंधक ने बताया कि कार, बस, ट्रक के साथ अन्य भारी वाहनों का टैक्स बढ़ेगा। कृषि कार्य करने वाले ट्रैक्टरों पर टैक्स नहीं लगेगा। पहले स्थानीय कार मालिकों के लिए मासिक पास ३५० रुपए में बनता था जो अब ३६० रुपये में बनेगा। मदावली टोल प्लाजा से प्रतिदिन औसतन ३० हजार वाहन गुजरते हैं।

झारखंड में गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों पर सख्ती रजिस्ट्रेशन के लिए अंतिम तिथि 8 अप्रैल तय

रांची (एजेंसी): झारखंड में गैर मान्यता प्राप्त निजी और गैर सरकारी विद्यालयों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निर्देश के तहत ऐसे सभी विद्यालयों को ०८ अप्रैल २०२६ तक अनिवार्य रूप से मान्यता के लिए आवेदन करना होगा। यह आदेश उन सभी स्कूलों पर लागू होगा, जहां कक्षा १ से ८ तक की पढ़ाई संचालित की जा रही है।

झारखंड निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियमावली २०११ (संशोधित २०१९ और २०२५) के प्रावधानों के अनुसार अब बिना मान्यता के स्कूल चलाना संभव नहीं होगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि तय समय-सीमा के भीतर आवेदन नहीं करने वाले विद्यालयों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रांची के उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार सभी विद्यालय प्रबंधन, प्राचार्य और संचालकों को विभागीय पोर्टल https://rte.jharkhand.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन जमा करना अनिवार्य किया गया है। विद्यालयों की सुविधा के लिए पोर्टल पर यूजर मैनुअल और मान्यता प्रमाण-पत्र का प्रारूप भी उपलब्ध कराया गया है, जिसे डाउनलोड कर प्रक्रिया को आसानी से पूरा किया जा सकता है।

आवेदन के दौरान विद्यालयों को अपनी सभी जरूरी जानकारियां सही और अद्यतन रूप में अपलोड करनी होंगी। इसमें आधारभूत संरचना, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता, छात्र नामांकन, सुरक्षा व्यवस्था, शौचालय और पेयजल ▶▶ 8

बंगाल में अगर बीजेपी आई तो लोग मछली मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे : ममता बनर्जी

कोलकाता (ईएमएस): तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, कि यदि बीजेपी राज्य में सत्ता में आती है, तो वह बंगाल की पारंपरिक खान-पान संस्कृति पर रोक लगा सकती है। बीजेपी के आने पर लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे।

रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ऐसे विचारों को बढ़ावा देती है, जिनमें मछली, मांस और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध की बात कही जाती है। उन्होंने दावा किया कि यह बंगाल की सांस्कृतिक पहचान पर सीधा हमला होगा। उन्होंने भाजपा पर धार्मिक और जातीय विभाजन करने के साथ ही दंगे भड़काने के आरोप भी लगाए।

टीएमसी सुप्रीमो ममता ने बीजेपी शासित राज्यों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां आदिवासियों का शोषण होता है और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। अपने भाषण में ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा टीएमसी के खिलाफ जारी की गई 'चार्जशीट' निराधार है और असल में भाजपा को अपने पिछले रिकॉर्ड का जवाब देना चाहिए। उन्होंने गुजरात के दंगों का जिक्र करते हुए बीजेपी की आलोचना की।

इसके साथ ही ममता बनर्जी ने राज्य सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे महिलाओं को आर्थिक ▶▶ 8

तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिर की छत गिरी, महिला श्रद्धालु की मौत, दो घायल

चेन्नई (ईएमएस): तमिलनाडु के त्रिची में प्रसिद्ध सामयापुरम मरियम्मन मंदिर के मंडपम में सो रही एक महिला श्रद्धालु की छत का हिस्सा गिरने से मौत हो गई। सामयापुरम मरियम्मन मंदिर तमिलनाडु के सबसे बड़े शक्ति मंदिरों में से एक है। दूर-दूर से श्रद्धालु पैदल चलकर यहां आते हैं, रात को मंडपम में रुकते हैं और सुबह माता मरियम्मन के दर्शन करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थंजावुर जिले से अपने परिजनों के साथ आई नथिया (३२) अन्य श्रद्धालुओं के साथ मंडपम में सो रही थी। रात को अचानक छत का एक बड़ा हिस्सा टूटकर तीन महिलाओं पर आ गिरा। गंभीर चोटें आईं उसकी मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दो अन्य महिलाओं को वहां मौजूद दूसरे श्रद्धालुओं ने बचाया और अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है।

अमेरिका-इजराइल ने किया होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी शहर पर हमला, पांच की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस): मिडिल ईस्ट में जारी तनाव अब विनाशकारी मोड़ में पहुंच गया है। रविवार सुबह अमेरिका और इजराइल ने होर्मुज स्ट्रेट के पास स्थित एक ईरानी शहर पर हमला किया है। इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा तेहरान में ईरानी सैन्य ठिकानों पर भी हमला हुआ है। मीडिया के मुताबिक रविवार को अमेरिका और इजराइल के हमलों में रणनीतिक होर्मुज स्ट्रेट के पास स्थित ईरानी शहर बंदर खमीर के घाट पर हमला किया गया, जिसमें पांच आम नागरिकों की मौत हो गई और चार घायल हुए हैं।

मीडिया रिपोर्ट में इजराइली सेना के मुताबिक पूरे ईरान में हमलों की एक और लहर पूरी हो गई है, राजधानी तेहरान में भारी विस्फोटों की आवाजें सुनाई देने के कुछ ही घंटों बाद यह घटना हुई। एक्स पर जारी बयान में आईडीएफ ने दावा किया कि हमलों में हथियार भंडारण और उत्पादन स्थलों के साथ-साथ हवाई रक्षा प्रणालियों को भी निशाना बनाया गया। बता दें मिडिल ईस्ट में युद्ध शुरू होने के एक महीने बीत जाने के बावजूद कोई पीछे हटने को तैयार नहीं है। ईरान जहां लगातार खाड़ी देशों पर हमले कर रहा है, वहीं अमेरिका ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य हमले की तैयारी कर रहा है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी नौसेना का युद्धपोत यूएसएस विंसेन्स ३५०० अतिरिक्त सैनिकों और घातक लड़ाकू विमानों के साथ ▶▶ 8

भारत का जग वसंत 47,000 टन एलपीजी लेकर गुजरात बंदरगाह पहुंचा

ईरान ने मित्र देशों दी है होर्मुज से निकलने की इजाजत, अमेरिका-इजराइल को नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस): ईरान युद्ध के बीच दुनियाभर में ऊर्जा का बड़ा संकट है। होर्मुज जलडमरूमध्य से कई देशों के जहाज निकल ही नहीं पा रहे हैं। ऐसे में दुनियाभर के तमाम देश तेल संकट से जूझ रहे हैं। पाकिस्तान समेत कई देशों ने जनता के लिए नए-नए नियम निकाल दिए हैं। कई जगहों पर कार्य सप्ताह चार दिनों का कर दिया गया है। इसी बीच बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करते हुए भारतीय ध्वज वाला पोत जग वसंत ४७,००० टन एलपीजी लेकर गुजरात के जामनगर स्थित वडीनार बंदरगाह पर पहुंचा। ईरान ने साफ कहा है कि उसके मित्र देशों के लिए होर्मुज स्ट्रेट में कोई प्रतिबंध नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच युद्ध अब दूसरे महीने में प्रवेश कर गया है। जहां युद्ध से पहले होर्मुज स्ट्रेट से रोज १०० जहाज निकल जाते थे, अब ३ से ४ जहाज ही निकल पा रहे हैं। इनमें में भारत के भी व्यापारिक जहाज हैं। ईरान ने अपने कुछ मित्र देशों के नाम भी लिए है और इससे भारत को बड़ी राहत मिली है। ईरान ने कहा है कि भारत के झंडे वाले जहाजों को यहां नहीं रोका जाएगा। शनिवार को भी दो भारतीय ध्वज वाले एलपीजी के जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे। पिछले महीने होर्मुज स्ट्रेट से होकर कम से कम पांच जहाज भारत पहुंचे हैं। इनमें पान गैस, जग वसंद, शिवालिक और नंदा देवी शिप शामिल हैं। इनमें एलपीजी और कच्चा तेल था। ईरान ने चीन, रूस, ईराक और पाकिस्तान ▶▶ 8

आधार के जरिये मनरेगा मजदूरी के भुगतान को वैकल्पिक बनाया जाए

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद की एक स्थायी समिति ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत मजदूरी के भुगतान के लिए आधार-आधारित पेमेंट सिस्टम को अनिवार्य के बजाय वैकल्पिक बनाया जाए। समिति ने सरकार से आग्रह किया है कि मजदूरों के लिए भुगतान के अन्य आसान विकल्प भी उपलब्ध कराए जाने चाहिए ताकि किसी भी पात्र लाभार्थी को उसकी मेहनत की कमाई से वंचित न होना पड़े।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीण विकास मंत्रालय ने जनवरी २०२४ से मनरेगा के तहत इस प्रणाली को अनिवार्य कर दिया था। सरकार का तर्क रहा है कि आधार-आधारित भुगतान से लीकेज रोकने और सीधे लाभार्थी के खाते में फंड ट्रांसफर सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। इससे पहले मजदूरी का भुगतान नेशनल ऑटोमेटेड क्लियरिंग हाउस के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप में किया जाता था।

ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने अपनी ताजा रिपोर्ट में सिफारिश की है कि सरकार को वापस एएसईच या अन्य सरल विकल्पों पर जाने की प्रक्रिया को सुगम बनाना चाहिए। समिति ने विशेष रूप से उन बुजुर्ग ▶▶ 8

पश्चिम एशिया के हालातों पर रक्षा मंत्री ने की उच्च स्तरीय बैठक, आपूर्ति श्रृंखला पर पैनी नजर

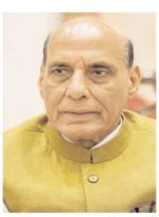

नई दिल्ली (ईएमएस): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-२ में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक पश्चिम एशिया में तेजी से बदलती परिस्थितियों की समीक्षा करने और भारत पर पड़ने वाले इसके संभावित प्रभावों से निपटने के लिए गठित अनौपचारिक मंत्रिस्तरीय समूह (आईजीओएम) की पहली औपचारिक चर्चा थी। इस उच्च स्तरीय बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, और नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू सहित कई कैबिनेट मंत्रियों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य उभरती वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए एक सक्रिय रोडमैप तैयार करना था।

बैठक के दौरान सचिवों के सात अधिकार प्राप्त समूहों ने विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। इसमें तेल आपूर्ति, व्यापार मार्ग और अंतरराष्ट्रीय रसद (लॉजिस्टिक्स) पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण किया गया। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि बदलते परिदृश्य में भारत को केवल प्रतिक्रियात्मक होने के बजाय दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मध्यम से दीर्घकालिक तैयारी रखें और किसी भी स्थिति में त्वरित निर्णय लेने के लिए उच्च-स्तरीय समन्वय बनाए रखें। बैठक के समापन पर रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से देश को आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसी भी अंतरराष्ट्रीय संघर्ष के प्रतिकूल प्रभाव से भारतीयों को सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जनता को जागरूक रखने पर जोर

सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण फैलने वाली ▶▶ 8

सीमा की सुरक्षा के लिए भारत ने तैयार किए हाईटेक ड्रोन, अब पाकिस्तान की निकलेगी हेकड़ी

नई दिल्ली (ईएमएस): पश्चिमी सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियों और बदलते वैश्विक युद्ध परिदृश्य को देखते हुए भारतीय सेना ने अपनी रक्षा तैयारियों को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। पाकिस्तान से लगती कश्मीर से गुजरात तक की ३३२३ किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सेना ने अपनी विशेष ड्रोन यूनिट अग्नि प्लाटून की तैनाती शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, अगले तीन महीनों के भीतर पूरी सीमा पर यह तैनाती मुकम्मल कर ली जाएगी।

अग्नि प्लाटून भारतीय सेना द्वारा हाल ही में गठित एक विशेष इकाई है, जिसे आधुनिक युद्ध की जरूरतों के हिसाब से तैयार किया गया है। इस रणनीति के तहत पैदल सेना (इन्फैंट्री) की प्रत्येक बटालियन में एक समर्पित ड्रोन यूनिट बनाई जा रही है। इस यूनिट में २५ से ३० प्रशिक्षित जवान शामिल होते हैं, जो अत्याधुनिक ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक से लैस हैं। ये जवान न केवल सीमा पार की गतिविधियों पर चौबीसों घंटे नजर रखने और जासूसी करने में सक्षम हैं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर सटीक हमले करने की क्षमता भी रखते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही सेना अपनी तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने में जुटी थी, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी हालिया संघर्षों ने इस प्रक्रिया में और तेजी ला दी है। अग्नि प्लाटून को केवल निगरानी तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इन्हें ड्रोन जैमर और एंटी-ड्रोन गन जैसे उपकरणों से भी लैस किया जा रहा है ▶▶ 8

संपादकीय

होर्मुज पर नरमी से खुली उम्मीद की राह

पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने जवाब के तौर पर जो मोर्चे खोले, उसमें होर्मुज जलमार्ग को बाधित करना उसकी एक कारगर रणनीति साबित हुई है। इसी वजह से आज हालत यह है कि दुनिया के कई देश ईरान के सख्त रुख की वजह से कच्चे तेल और गैस के संकट का सामना कर रहे हैं।

इनमें वैसे देश भी हैं, जिन्होंने ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले में कोई प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं की है, वे किसी भी पक्ष में मैदान में नहीं हैं और मतभेद के मुद्दों का हल संवाद के जरिए करने के समर्थक हैं। भारत ने भी पश्चिम एशिया में उभरे संकट का समाधान बातचीत से निकालने के लिए आवाज उठाई है।

शायद यही वजह है कि अब ईरान ने होर्मुज जलमार्ग से चीन और रूस सहित जिन पांच देशों को अपने जहाज निकालने की छूट दी है, उनमें भारत भी शामिल है। यों भारत आने वाले चार जहाज पहले ही होर्मुज जलमार्ग को पार कर चुके हैं, लेकिन अठारह जहाज उसी इलाके में फंसे हुए थे। ईरान के ताजा रुख के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि भारत के बाकी जहाज वहां से निकल कर आ सकेंगे और इससे देश में तेल और गैस के गहराते संकट को कम करने में मदद मिलेगी।

हालांकि अमेरिका और इजरायल को लेकर ईरान अब भी सख्त है और शांति प्रस्तावों को लेकर भी उसने कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। मगर होर्मुज जलमार्ग पर उसके रुख में आई नरमी से दुनिया के कुछ देशों को राहत मिल सकती है।

बाकी ईरान जिन्हें शत्रु देश मानता है, उनके जलपोतों को लेकर वह अब भी सख्त है। जहां

तक भारत का सवाल है, तो ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि हमने कुछ ऐसे देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत दी है, जिन्हें हम मित्र मानते हैं। इसमें चीन, रूस, भारत, इराक तथा पाकिस्तान शामिल हैं। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से भारत ईरान के साथ लगातार कूटनीतिक संवाद के जरिए पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म कराने के साथ-साथ होर्मुज जलमार्ग से अपने लिए भी एक रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा था। कुछ उतार-चढ़ाव को छोड़ दें, तो भारत और ईरान के संबंध दोस्ताना रहे हैं। ऐसे में अगर ईरान ने अगर होर्मुज जलमार्ग के रास्ते आवागमन के लिए भारत को भी सुविधा दी है, तो कूटनीतिक संवाद के एक सकारात्मक हासिल के साथ-साथ इसे उन्हीं संबंधों की एक कड़ी के तौर पर देखा जा सकता है।

गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा रास्ता है, जिससे होकर दुनिया के कई देशों के जलपोत आवाजाही करते हैं। दुनिया के करीब बीस फीसद तेल और तरल प्राकृतिक गैस का परिवहन इसी रास्ते से होता है।

यही वजह है कि ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, उसके बाद से विश्व भर में तेल और गैस की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल आया है। भारत की भी ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्रोत पश्चिम एशिया रहा है। मौजूदा संकट के बीच सरकार ने तेल और गैस का पर्याप्त भंडार होने की बात कही है, लेकिन सच यह है कि आम लोग रसोई गैस, तेल और उर्वरकों की कमी से उपजी मुश्किल का सामना कर रहे हैं। अब होर्मुज जलमार्ग पर ईरान की नरमी से भले ही फौरी राहत मिल सके, लेकिन जरूरत इस बात की है कि संयुक्त राष्ट्र सहित सभी पक्षों की ओर से पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को खत्म कराने के लिए ठोस पहल हो।

टॉयलेट की कमी से छूट रही पढ़ाई, 'स्वच्छ भारत' के दावे और लड़कियों की शिक्षा

भारत में विकास की चमकती तस्वीर के बरक्स शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में लड़कियों की पढ़ाई छूट जाना चिंता का विषय है। यह स्वच्छ भारत और स्वच्छ विद्यालय अभियान के लक्ष्य पर भी सवालिया निशान है। गौरतलब है कि हाल ही में सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी एक रपट में बताया गया है कि पिछले वर्षों के मुकाबले वर्ष 2022-23 में लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की सुविधा में गिरावट दर्ज की गई। विद्यालयों में लैंगिक समानता बनाए रखने और लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है। मगर जमीनी सच्चाई यही है कि कई सरकारी विद्यालयों में शौचालय बदतर स्थिति में हैं। न तो उनकी सफाई होती है और न ही वहां पानी की व्यवस्था होती है। गौरतलब है कि इस साल जनवरी में शीर्ष न्यायालय ने भी केंद्र और सभी राज्यों को स्कूलों में लड़के-लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था करने का निर्देश देते हुए उनमें पानी और साबुन की व्यवस्था करने की भी हिदायत दी थी। तस्वीर कितनी बदली है, अभी कहा नहीं जा सकता, लेकिन स्थिति की गंभीरता समझी जा सकती है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रपट से यह भी साबित हुआ है कि विद्यालयों में शौचालय की खराब हालत के लिए प्रशासन की सुस्ती कम जिम्मेदार नहीं है। हैरत की बात है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान विद्यालयों में महज 0.3 फीसद सुविधा ही बढ़ पाई। अगर शौचालयों की कमी के कारण लड़कियों की पढ़ाई छूट रही है, तो समूचे शिक्षा के परिदृश्य में इससे अफसोसनाक स्थिति और क्या होगी? इसके लिए स्कूलों की देखरेख से संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। इसमें दोराय नहीं कि गंदा शौचालय और वहां पानी का अभाव लड़कियों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। कई विद्यालयों में शौचालय न होने के कारण लड़कियां विद्यालय नहीं जातीं, जिससे उनकी पढ़ाई पर असर पड़ता है। सवाल है कि स्वच्छ शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव की समस्या की हकीकत के समांतर स्वच्छ विद्यालय अभियान के लक्ष्य को कितना सार्थक कहा जा सकता है!

आज का कार्टून

अर्जुन रामपाल के भारत माता की जय के नारे पर उठ रहे हैं सवाल

तो पाकिस्तान जिंदाबाद चलेगा? इतना भी सेकूलर होना ठीक नहीं है!

युद्ध आते ही खामोश हो जाता है पर्यावरण बचाने का विमर्श

प्रीति अज्ञात

> संभवतः मानव सभ्यता इतिहास के उस मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना होगा कि वह पृथ्वी को बचाना चाहती है या अपने अहंकार को, क्योंकि युद्ध उसी अहंकार की अभिव्यक्ति है, जो यह मानता है कि शक्ति ही सबसे बड़ा सत्य है। आज जलवायु परिवर्तन, असामान्य मौसम और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती संख्या हमें यही संकेत दे रही है कि पृथ्वी की सहनशीलता की भी एक सीमा है। यदि मानव सभ्यता सचमुच पृथ्वी को बचाना चाहती है, तो उसे केवल पर्यावरणीय नीतियों पर ही नहीं, बल्कि युद्ध की मानसिकता पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। जब तक राष्ट्र अपनी शक्ति का प्रदर्शन युद्ध के मैदानों में करते रहेंगे, तब तक पर्यावरण संरक्षण की सारी घोषणाएं शब्दों के जंगल से अधिक कुछ नहीं होंगी। युद्ध पृथ्वी के उस संतुलन को नष्ट करते हैं, जिसे बनाने में प्रकृति को लाखों वर्ष लगे हैं। इसलिए पृथ्वी को बचाने की सबसे पहली शर्त ही यही है कि उसे युद्धभूमि बनने से रोका जाए।

युद्ध के धुएं में गुम पर्यावरण के प्रश्न प्रीति अज्ञात आज के दौर में पर्यावरण की चर्चा इतनी व्यापक हो गई है कि इससे जुड़े शब्दों का एक अंतहीन जंगल बन गया है, जिसमें हर रास्ता पृथ्वी की चिंता तक ले जाता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलवायु परिवर्तन, कार्बन उत्सर्जन, जैव विविधता और सतत विकास जैसे शब्द बार-बार गूंजते हैं। सम्मेलनों में पृथ्वी को बचाने के संकल्प लिए जाते हैं, भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित ग्रह की कल्पना की जाती है और यह घोषणा की जाती है कि पर्यावरण संकट मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ा खतरा है। मगर जैसे ही कहीं युद्ध का नगाड़ा बजता है, यह पूरा विमर्श मानो अचानक मौन हो जाता है। धरती और इसके वातावरण की रक्षा की वह नैतिकता, जो शांति के दिनों में इतनी मुखर दिखाई देती है, युद्ध की आहट पाते ही धुएं में विलीन हो जाती है। तब पर्यावरण की चिंता पीछे छूट जाती है और सामने आ खड़ी होती है शक्ति, प्रभुत्व और भू-राजनीति की कठोर भाषा। यह आधुनिक सभ्यता की सबसे गहरी विडंबनाओं में से एक है।

पूरी दुनिया में प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुकी है। ऐसे में एक ओर वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को बचाने का आह्वान किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ विध्वंस देह धरती के वातावरण को बारूद से भर देने वाले युद्धों में उलझे हुए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका बड़ा उदाहरण है। लंबे समय से चल रहा यह संघर्ष केवल सैनिकों और शहरों के लिए त्रासदी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी एक गहरी चोट है। जब मिसाइलें तेल भंडारों, ऊर्जा संयंत्रों और रासायनिक कारखानों पर गिरती हैं, तो केवल इमारतें नहीं टूटतीं, हवा में विषैला धुआं फैलता है, नदियों में जहरीले पदार्थ घुलते हैं और मिट्टी की संरचना तक बदल जाती है। विडंबना यह है कि इस युद्ध में दुनिया की बड़ी ताकतें भी किसी न किसी रूप में इसके पीछे खड़ी दिखाई देती हैं। सैन्य सहायता, हथियारों की आपूर्ति और रणनीतिक समर्थन ने इस संघर्ष को लंबा और जटिल बना दिया है। यही वे देश हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पर्यावरण संरक्षण के सबसे मुखर प्रवक्ता भी हैं।

इसी तरह अब इजरायल-अमेरिका तथा ईरान ने भी युद्ध का मोर्चा खोल दिया है। इसने मध्य-पूर्व की धरती को एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ा कर दिया है। इस संघर्ष में गाजा पट्टी से लेकर ईरान, इजरायल और खाड़ी क्षेत्र के अन्य देशों में हो रही बमबारी केवल मानवीय त्रासदी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के विनाश का कारण की भी बन रही है। गाजा की सीमित भूमि पर हजारों बमों की बरसात ने वहां मिट्टी को विषैला बना दिया है। बारूदी हमलों से जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं, समुद्री तट प्रदूषित हो रहे हैं और हवा में बारूद का जहर घुल रहा है। युद्ध का यह पर्यावरणीय पक्ष अक्सर मानवीय त्रासदी की विशालता के पीछे छिप जाता है, लेकिन उसका प्रभाव कहीं अधिक दीर्घकालिक होता है। इतिहास ऐसी घटनाओं की सच्चाई को उजागर करता है, लेकिन उससे कोई सबक नहीं लिया जाता। वर्ष 1991 के खाड़ी युद्ध के दौरान कुवैत के तेल कुओं में लगी आग ने महीनों तक आसमान को काले धुएं से ढक दिया था, जो केवल युद्ध नहीं, बल्कि पर्यावरण पर भी हमला था। इसी तरह वियतनाम युद्ध में जंगलों को नष्ट करने के लिए 'एजेंट ऑरेंज' जैसे रसायनों का प्रयोग किया गया, जिसने लाखों हेक्टेयर जंगल नष्ट कर दिए और वहां की धरती तथा हवा को जहरीला बना दिया।

युद्ध का हर विस्फोट केवल सैनिकों को नहीं मारता, वह धरती की छाती में भी एक घाव बनाता है। एक बम जब गिरता है, तो उसके साथ हजारों टन कार्बन वातावरण में फैल जाता है। टैंक और लड़ाकू विमान ईंधन की ऐसी खपत करते हैं, जिसकी कल्पना भी सामान्य जीवन में नहीं की जा सकती। यदि युद्ध के दौरान होने वाले कार्बन उत्सर्जन की सही गणना की जाए, तो शायद वह कई छोटे देशों के कुल वार्षिक उत्सर्जन से भी अधिक होगा। फिर भी अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलनों में इस विषय पर बहुत कम चर्चा होती है, क्योंकि युद्ध के समय नैतिक प्रश्नों को अक्सर राष्ट्रवाद की चादर से ढक दिया जाता है। पर्यावरण की बात करने वाले कई वैश्विक मंच भी इस विषय पर मौन साध लेते हैं। युद्ध और पर्यावरण के बीच का संबंध केवल प्रदूषण तक सीमित नहीं है। युद्ध प्राकृतिक संसाधनों के विनाश का भी कारण बनते हैं। जंगलों को काटकर सैन्य अड्डे बनाए जाते हैं और खनिज संपदाओं पर नियंत्रण के लिए संघर्ष छेड़े जाते हैं। इस दृष्टि से देखें, तो युद्ध और पर्यावरण संकट एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि पर्यावरण के नाम पर नैतिकता का पाठ वही देश पढ़ाते हैं, जिनकी सैन्य शक्ति सबसे अधिक है। वे विकासशील देशों को कार्बन उत्सर्जन कम करने की सलाह देते हैं, लेकिन अपने सैन्य उद्योगों के उत्सर्जन पर शायद ही कभी चर्चा करते हैं। यहां सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या पर्यावरण की चिंता केवल एक राजनीतिक औजार है? क्या यह गंभीरता तभी जागृत होती है, जब किसी विकासशील देश के उद्योगों पर सवाल उठाने हों? मगर पृथ्वी की वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक है। धरती किसी एक राष्ट्र की नहीं है। हवा, पानी, मिट्टी और जंगल पूरी मानवता की साझा धरोहर हैं।

जब किसी युद्ध में तेल के भंडार जलते हैं, तो उनका धुआं पूरी दुनिया के वातावरण में फैलता है। जब रासायनिक कारखाने नष्ट होते हैं, तो उनके विषैले अवशेष नदियों और समुद्रों तक पहुंच जाते हैं। इसलिए युद्ध को केवल राजनीतिक या सामरिक घटना के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह केवल मानवता का ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संकट का भी एक बड़ा कारण है। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि आज की दुनिया में युद्ध और पर्यावरण पर विमर्श एक साथ चल रहे हैं, मगर दोनों के बीच कोई वास्तविक संवाद नहीं है। एक तरफ जलवायु सम्मेलन हो रहे हैं, दूसरी तरफ हथियारों की दौड़ तेज होती जा रही है।

संभवतः मानव सभ्यता इतिहास के उस मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना होगा कि वह पृथ्वी को बचाना चाहती है या अपने अहंकार को, क्योंकि युद्ध उसी अहंकार की अभिव्यक्ति है, जो यह मानता है कि शक्ति ही सबसे बड़ा सत्य है। आज जलवायु परिवर्तन, असामान्य मौसम और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती संख्या हमें यही संकेत दे रही है कि पृथ्वी की सहनशीलता की भी एक सीमा है। यदि मानव सभ्यता सचमुच पृथ्वी को बचाना चाहती है, तो उसे केवल पर्यावरणीय नीतियों पर ही नहीं, बल्कि युद्ध की मानसिकता पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। जब तक राष्ट्र अपनी शक्ति का प्रदर्शन युद्ध के मैदानों में करते रहेंगे, तब तक पर्यावरण संरक्षण की सारी घोषणाएं शब्दों के जंगल से अधिक कुछ नहीं होंगी।

युद्ध पृथ्वी के उस संतुलन को नष्ट करते हैं, जिसे बनाने में प्रकृति को लाखों वर्ष लगे हैं। इसलिए पृथ्वी को बचाने की सबसे पहली शर्त ही यही है कि उसे युद्धभूमि बनने से रोका जाए। अन्यथा इतिहास यह लिखेगा कि मनुष्य ने पृथ्वी को बचाने के लिए असंख्य भाषण दिए, अनगिनत संकल्प लिए, लेकिन जब निर्णायक क्षण आया, तो उसने अपने ही हाथों से उस धरती की कोख में बारूद भर दिया, जिस पर मानव और मानवता का पूरा भविष्य टिका हुआ है।

क्या होर्मुज विवाद डॉलर-युआन युद्ध में तबदील हो सकता है?

> डॉलर में तेल का व्यापार लंबे समय से डॉलर की वैश्विक तरलता को स्थिर रखने में सहायक रहा है, यहां तक कि अमरीका द्वारा सोने के बदले डॉलर का भुगतान बंद करने के बाद भी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से, कच्चे तेल, गैस और अन्य आयातकों के लिए कीमतें बढ़ने के कारण डॉलर की मांग में उछाल आया है, जिससे डॉलर की कीमत में टैरिफ के कारण आई गिरावट से उबरने में मदद मिली है। व्यापार भुगतानों पर इसका प्रभुत्व आरक्षित मुद्रा के वैश्विक निर्धारक के रूप में अमरीका की भूमिका को मजबूत करता है। इससे शायद अमरीकी औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए डॉलर की मजबूती कम हुई हो लेकिन यह अमरीका को एक विशेषाधिकार भी प्रदान करता है।

पिछले हफ्ते ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के बारे में रिपोर्टें सामने आईं, जिनमें भारत जाने वाले एल.पी.जी. वाहक भी शामिल थे। इनमें से एक समूह, कोई आश्चर्य की बात नहीं, ईरानी कच्चे तेल का निर्यात करने वाले जहाजों का था। डाटा एनालिटिक्स फर्म केप्लर के अनुमान के अनुसार, अमरीका और इस्राइल के साथ शत्रुता के बावजूद मार्च में ईरान के तेल शिपमैंट ने औसतन 1.3-1.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन की गति बनाए रखी। रिपोर्ट के अनुसार, इसका अधिकांश हिस्सा चीन के लिए था, जिसे छोटे रिफाइनर चीनी युआन में भुगतान करके खरीद रहे थे। इसके विपरीत, खाड़ी देशों, जो दुनिया की सबसे मूल्यवान व्यापारिक वस्तु को डॉलर में बेचते हैं, ने अपने तेल को फंसा हुआ पाया है।

दशकों से, 'मुद्रा युद्ध' का अर्थ व्यापारिक लाभ के लिए निर्यात को सस्ता करने के लिए पारस्परिक अवमूल्यन का खेल रहा है। क्या होर्मुज एक ऐसा केंद्र बिंदु है, जो एक नए प्रकार के पेट्रो-मुद्रा युद्ध को जन्म दे सकता है? दुनिया के प्रमुख निर्यातक के रूप में, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ ईरान ने अपने लगभग आधे व्यापार को युआन में परिवर्तित किया है। दुनिया के सबसे सस्ते तरीके से निकाले जाने वाले तेल के संरक्षक के रूप में, इस्लामी गणराज्य ने पिछले सप्ताह खाड़ी क्षेत्र में तेल और गैस सुविधाओं पर

हुए हमलों के बाद क्षेत्रीय राजतंत्रों के साथ अमरीकी गठबंधन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

डॉलर में तेल का व्यापार लंबे समय से डॉलर की वैश्विक तरलता को स्थिर रखने में सहायक रहा है, यहां तक कि अमरीका द्वारा सोने के बदले डॉलर का भुगतान बंद करने के बाद भी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से, कच्चे तेल, गैस और अन्य आयातकों के लिए कीमतें बढ़ने के कारण डॉलर की मांग में उछाल आया है, जिससे डॉलर की कीमत में टैरिफ के कारण आई गिरावट से उबरने में मदद मिली है। व्यापार भुगतानों पर इसका प्रभुत्व आरक्षित मुद्रा के वैश्विक निर्धारक के रूप में अमरीका की भूमिका को मजबूत करता है। इससे शायद अमरीकी औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए डॉलर की मजबूती कम हुई हो लेकिन यह अमरीका को एक विशेषाधिकार भी प्रदान करता है। यह अपने राजकोषीय घाटे को बढ़ा सकता है और आसानी से ऋण का ढेर लगा सकता है, क्योंकि इसे अन्य देशों से सस्ते में उधार लेने की सुविधा मिलती है। जो देश इसके बांड खरीदते हैं या अन्य तरीकों से इसमें पूंजी का निर्यात करते हैं। इससे एक महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ मिलता है-पूंजी की कम लागत। फिर भी, इस्राईल के साथ ईरान पर इसके संयुक्त हमले ने मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिम के कारण इसके बांड यील्ड को बढ़ा दिया है। टैरिफ लगाने वाले व्हाइट हाऊस ने अपनी डॉलर नीति पर मिले-जुले संकेत दिए हैं लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए ईरान को दिया गया इसका अल्टीमेटम तेल संबंधी रणनीति का हिस्सा है, जैसे ईरान के खार्ग निर्यात टर्मिनल पर इसकी नजर। यदि चीन चुपचाप होर्मुज के लिए लंबी लड़ाई के परिणाम में हिस्सेदारी चाहता है, तो संभवतः इसके बदले में कच्चे तेल के बिल को युआन के पक्ष में स्थानांतरित करना शामिल है। निश्चित रूप से, अभी तक मुद्रा युद्ध छिड़ा नहीं है लेकिन इसका खतरा अब मामूली नहीं है।

इस युद्ध का भारतीय रुपए पर क्या प्रभाव पड़ेगा? दुर्भाग्य से, अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। पूंजी प्रवाह में कमी के कारण व्यापार घाटा बढ़ने की आशंका है, ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) की संकटमोचक भूमिका पर ध्यान केंद्रित हो रहा है। डॉलर की बिक्री से रुपए की तरलता भी कम हो रही है, इसलिए इस कमी को दूर करने के लिए आर.बी.आई. को खुले बाजार में बॉन्ड की खरीद बढ़ानी होगी। हालांकि, इस प्रक्रिया की भी एक सीमा है, जिसका अर्थ है कि ब्याज दरों को बढ़ने से रोकने के लिए रुपए को और कमजोर होना पड़ सकता है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, रुपए में गिरावट से निर्यात को बढ़ावा देने की तुलना में मुद्रास्फीति बढ़ने की संभावना अधिक है, इसलिए आर.बी.आई. को अपने कार्यों को विवेकपूर्ण ढंग से समायोजित करना चाहिए।

चूंकि विनिमय दरों और उधार देने के बीच आर.बी.आई. का एक अन्य प्रमुख संतुलन रुपए की आंशिक परिवर्तनीयता से उत्पन्न होता है, इसलिए कुछ पूंजी बहिर्वाह पर कड़े प्रतिबंध लगाने से उसका काम आसान हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक संकट का संकेत मिलेगा और इसे उचित ठहराने के लिए पूंजी प्रवाह में भारी कमी की आवश्यकता होगी। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक इष्टतम मुद्रा नीति के लिए, मौजूदा स्थिति का शांत होना आवश्यक है। मौजूदा रुझानों को देखते हुए, डॉलर-युआन के बीच टकराव की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। केंद्रीय बैंकों को तदनुसार अपने परिदृश्य विश्लेषण में विविधता लाने की आवश्यकता हो सकती है। भू-राजनीतिक उथल-पुथल ने 'ब्लैक स्वान' जैसी घटनाओं को भी धूसर बना दिया होगा।

दुर्गा मंदिर से लाखों के जेवरात व नकदी की चोरी

कतरास (ससे) : कतरास थाना क्षेत्र के श्यामडीह के दुर्गा कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर में देर रात चोरों ने ताला तोड़कर

लाखों के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। चोरों ने मां दुर्गा की सोने की नथनी, सोने का मांगटीका, चांदी का पायल और तीन दान पेटियों से नकदी चुराकर चलते बने। नगदी सहित जेवरात की कीमत डेढ़ से दो लाख रुपये आंकी गई है। रात सवा एक बजे स्थानीय एक व्यक्ति की नजर मन्दिर की ओर पड़ी। ताला टूटा देखने के बाद अन्य लोगों को घटना की जानकारी हुई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सुबह होते ही यह खबर पूरे क्षेत्र में फैल गई और मंदिर परिसर में सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई। कतरास पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांचपड़ताल की। घटना की जानकारी मिलते ही बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मंदिर में चोरी हिंदुओं की आस्था पर सीधा प्रहार है। उन्होंने प्रशासन से अविलंब कार्रवाई कर चोरों को गिरफ्तार करने की मांग की। विधायक ने कहा कि रामनवमी के ठीक अगले दिन मंदिर में चोरी होना पुलिस के लिए सीधी चुनौती है।

स्थानीय भाजपा नेत्री जानकी देवी ने कहा कि मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कॉलोनी कैम्पस और मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की ताकि चोरी और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों द्वारा नियुक्त पहरेदार रात १२ बजे के बाद ही छूट्टी पर आता है, इसलिए चोरी की घटना इससे पहले ही घटित हुई होगी। ग्रामीणों ने पुलिस गश्त की कमी पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि गश्त होती तो चोरी की घटना नहीं घटती। उन्होंने बताया कि कॉलोनी में इससे पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं।

वैदिक रीतिरिवाज से ग्रामीण पूजा का आयोजन

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना क्षेत्र के पासी धौड़ा गोपालीचक एक नंबर में एक दिवसीय वार्षिक ग्रामीण पूजा का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। इस पूजा के मुख्य यजमान राजेश भारती एवं पत्नी वंदना देवी उपस्थित थे। सुबह से ही वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजाअर्चना एवं हवन संपन्न कराया गया। पूजा के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने मिलकर प्रसाद तैयार किया और सामूहिक रूप से प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में वार्ड नंबर नौ के पार्षद सुनैना पासवान विशेष रूप से उपस्थित थी। इसके अलावा नरेश भारती, ईश्वर भारती, रामदेव चौहान, रवि पासी, आशा देवी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

खजूर इतवार पर्व श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया

धनबाद (कासं) : ईसाई समुदाय द्वारा खजूर इतवार (पाम संडे) का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर धनबाद के हिल कॉलोनी स्थित संत एंथोनी चर्च में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए। सभी लोग अपने साथ खजूर के पत्ते लेकर पहुंचे और विशेष प्रार्थना में शामिल हुए।

चर्च परिसर में प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जहां ईश्वर से शांति, प्रेम और सुखसमृद्धि की कामना की गई। इस दौरान वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा और श्रद्धालुओं ने पूरे विश्वास के साथ ईसा मसीह को याद किया।

संत एंथोनी चर्च के पादरी अमातुश कुजूर ने बताया कि खजूर इतवार ईसा मसीह के यरूशलम (जेरूसलम) में प्रवेश की स्मृति में मनाया जाता है। उस दिन लोग उनका स्वागत खजूर की डालियों के साथ जय-जयकार करते हुए कर रहे थे। हालांकि, ईसा मसीह यह जानते थे कि आगे चलकर वही लोग उनके खिलाफ हो जाएंगे, फिर भी उन्होंने प्रेम और मानवता का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि ईश्वर ने अपने जीवन से यह सिखाया कि प्रेम सबसे बड़ा धर्म है। अगर हम आपस में प्रेम और भाईचारे के साथ रहें, तो ईश्वर हमेशा हमारे साथ रहते हैं। इस अवसर पर चर्च में मौजूद श्रद्धालुओं ने एकदूसरे को शुभकामनाएं दीं और समाज में शांति व सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

झारखण्ड रेरा ने किया कार्यशाला का आयोजन

धनबाद (कासं) : बिल्डर, जमीन मालिक, क्रेता, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, बैंकर्स, एजेंट्स एवं झारखण्ड राज्य के सभी स्थानीय निकाय के पदाधिकारी के बीच समन्वय स्थापित करते हुए भू-संपदा प्रक्षेत्र में पारदर्शिता एवं जागरूकता लाने के उद्देश्य से रविवार को झारखंड रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (झारखंड रेरा) ने धनबाद क्लब में कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर झारखंड रेरा के अध्यक्ष बिरेंद्र भूषण ने कहा कि किसी भी प्रोजेक्ट में निवेशकों को रेरा का रजिस्ट्रेशन नंबर देखकर ही निवेश करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि बिना रेरा में रजिस्टर्ड संपत्ति की खरीदी नहीं करें।

साथ ही बताया कि झारखंड रेरा के पोर्टल पर सभी रजिस्टर्ड प्रोजेक्ट्स का विवरण उपलब्ध है। पोर्टल पर प्रोजेक्ट के संबंधित सारा विवरण देख सकते हैं। अध्यक्ष ने कहा कि ५ सौ

वर्ग मीटर से बड़ा क्षेत्र एवं ८ से ज्यादा यूनिट वाले प्रोजेक्ट को झारखंड रेरा में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि अब केंद्र सरकार भी रेरा की निगरानी करेगी।

उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि यदि झारखंड रेरा में बिना रजिस्ट्रेशन कोई प्रोजेक्ट शुरू होता है तो शिकायत करें। संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रोजेक्ट पर रोक लगाई जाएगी।

कार्यशाला में रेरा के पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान में कानूनी सलाहकार रंजीत कुमार चौधरी ने कहा कि झारखंड रेरा में बिल्डर, जमीन मालिक, क्रेता, बैंकर्स इत्यादि के हित को ध्यान में रखकर नियम बनाए गए हैं। रेरा में रजिस्टर्ड प्रोजेक्ट्स को समय पर क्रेता को यूनिट हैंड ओवर करने की बाध्यता है। इसमें बिल्डर व जमीन मालिक, दोनों के लिए नियम लागू है। शिकायत दर्ज होने पर जिसकी गलती होती है उसके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाती है। बिल्डर द्वारा विवरणिका (ब्रोशर) में दर्शाई गई सभी सुविधा एग्रीमेंट में लिखनी है और क्रेता को देनी है।

कार्यशाला में त्रैमासिक विवरण अपलोड करने, बिल्डिंग बायलॉज का पालन करने, यूडीआईएन नंबर सही भरने, स्क्रो अकाउंट, फाइल ट्रैकिंग सिस्टम, रेरा में रजिस्ट्रेशन करने की प्रक्रिया, एक ही बिल्डर के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के लिए अलग-अलग बुक्स ऑफ अकाउंट्स रखने सहित अन्य विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में नगर निकाय, बिल्डर, आर्किटेक्ट, जमीन मालिक, क्रेता सहित अन्य हित धारकों के विचार सुन गए एवं उसका निराकरण किया गया। कार्यशाला में झारखंड रेरा के अध्यक्ष बिरेंद्र भूषण, कानूनी सलाहकार रंजीत कुमार चौधरी, विशेष कार्य पदाधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, प्रशासनिक पदाधिकारी सुरजीत मुखर्जी, कंसल्टेंट ट्रेनर सुमित मित्तल, सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार, क्रेडाई के अध्यक्ष अमरेश सिंह, गिरिडीह एवं देवघर के टाउन प्लानर, मनोज मोदी, अनिल मुकीम, प्रमोद अग्रवाल, अनीश डोकानिया, अमित सुल्तानिया, सुमन सिंह, हितेश ठक्कर के अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक व अन्य बैंक के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

शक्ति मन्दिर में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

धनबाद (कासं) : श्री श्री भगवती जागरण कमिटी, शक्ति मन्दिर में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का विधिवत मातारानी के जयकारे के साथ दीप प्रज्वलित कर शुरूआत की गई स लायंस खड़किया हॉस्पिटल रघुनाथपुर चिरकुंडा के अनुभवी डाक्टर सूर्यकांत एवं उनकी टीम द्वारा श्री श्री भगवती जागरण कमिटी के सहयोग से प्रातः शक्ति मन्दिर प्रांगण मे नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में ५१ मरीजों के नेत्रों की जांच की गई। ५ मरीज में मोतियाबिंद पाया गया ये एक शुभ संकेत है कि लोग आंखों के प्रति सचेत हुए जिसका परिणाम सुखद है कि ५१ मरीजों में पांच मरीज मोतियाबिंद का पाया गया। मरीजों का नि:शुल्क ऑपरेशन कर लेंस लायन्स खड़किया हॉस्पिटल रघुनाथपुर चिरकुंडा में लगाया जायेगा।

आए हुए मरीजों की जांच के साथ जिनमे मोतियाबिंद पाया गया उन मरीजों को चिरकुंडा जाने एवं आने की नि:शुल्क व्यवस्था शक्ति मन्दिर कमिटी द्वारा की गई है स कैंप को सफल बनाने में अध्यक्ष एस पी सौंधी, सचिव अरूण भण्डारी, उपाध्यक्ष राजीव सचदेवा, संयुक्त सचिव सुरेन्द्र अरोड़ा, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र ठक्कर, सह कोषाध्यक्ष दिनेश पुरी, संजय शर्मा, अशोक अरोड़ा, रवि गंडोत्रा, रूपकिशोर टंडन, राहुल भण्डारी, प्रबंधक ब्रजेश मिश्र, गौरव अरोड़ा, सोमनाथ पूर्ती, राकेश आनन्द सेवादार एस मजूमदार, रविन्द्र तिवारी, राहुल मण्डल, बलिराम तिवारी, नीरज पाण्डेय, सन्तोष पाण्डे, जमुना पाण्डे, जितेन्द्र मालाकार, धर्मेन्द्र कुमार मन्दिर के सभी कर्मचारियों का योगदान रहा।

अफवाहों से दूर रहें व शांति बनाए रखें : विधायक चंद्रदेव

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो बलियापुर बाजार पहुंचे। उन्होंने चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों के साथ बलियापुर बाजार के विभिन्न सड़कों का भ्रमण किया। रामनवमी के दिन घटित घटना को लेकर लोगों को अफवाहों से दूर रहने तथा शांति बनाए रखने की अपील की। विधायक ने कहा कि उपद्रव की घटना शरारती तत्वों का काम है। उन्होंने असामाजिक

तत्वों को पहचानने तथा किसी भी हालत में उनका साथ नहीं देने का आग्रह किया। विधायक ने कहा की बलियापुर हमेशा शांतिप्रिय रहा है। उपद्रवी तत्वों को यहां के लोग कभी बर्दाश्त नहीं किया है। विधायक के साथ चेंबर के अध्यक्ष व भाजपा नेता घनश्याम प्रोवर, मिट्ठु सरिया, अनवर अली खान, देवाशीष पांडे, मुखिया गणेश महतो आदि मौजूद थे।

बैंक ऑफ इंडिया ने आयोजित किया खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रम

धनबाद (कासं) : बैंक ऑफ इंडिया, धनबाद जोन ने रेलवे स्टेडियम, धनबाद में कर्मचारी संघ एवं अधिकारी संघ के परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे जोन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम में क्रिकेट, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, टग ऑफ वॉर सहित अनेक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न आयु वर्गों के कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने इन खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिताएँ पूरे जोशोखरोश के साथ सम्पन्न हुईं, जिसमें विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका सम्मान किया गया।

इस अवसर पर जोनल मैनेजर दिनेश प्रसाद, डिप्टी जोनल मैनेजर अव्रतनु चंद, अधिकारी संघ से पविकाय पवन, शशिशेखर, रजत एवं कर्मचारी संघ से एन के महाराज, तारक बनर्जी, राकेश कुमार उपस्थित रहे। इन वरिष्ठ अधिकारियों ने न केवल कार्यक्रम का उद्घाटन किया, बल्कि लगभग सभी खेलों में स्वयं भाग लेकर कर्मचारियों के उत्साह को और बढ़ाया।

सहयोग से एक भव्य खेल एवं

धनबाद में रामनवमी विवाद, पुलिस कार्रवाई पर बटी सियासत

धनबाद (कासं) : धनबाद में रामनवमी के दौरान बलियापुर में हुए पथराव की घटना के बाद अब सियासत तेज हो गई है। एक ओर जहाँ स्थानीय जनता उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए धनबाद पुलिस की सराहना कर रही है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने इस कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में धनबाद कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष ब्रजेंद्र सिंह ने पुलिस की कार्यप्रणाली को गैरजिम्मेदाराना बताया। उन्होंने कहा कि रामनवमी के दिन जुलूस पर पथराव और उसके बाद हुआ टकराव निश्चित रूप से निंदनीय है और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन घटना के बाद पुलिस द्वारा आरोपियों को पकड़कर उनके कमर में रस्सी बांधकर सड़कों पर घुमाना कानून के प्रावधानों के खिलाफ है।

ब्रजेंद्र सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि इस तरह की कार्रवाई न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि इससे राज्य सरकार की छवि भी खराब होती है। उन्होंने कहा कि पुलिस को कानून के दायरे में रहकर ही कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि न्याय व्यवस्था पर लोगों का भरोसा बना रहे।

इसके साथ ही उन्होंने धनबाद जिला प्रशासन से अपील करते हुए कहा कि ऐसे कदम उठाने से बचें, जिससे राज्य की हेमंत सोरेन सरकार की छवि धूमिल हो। उन्होंने प्रशासन से जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की मांग की। इस पूरे मामले में अब राजनीतिक बयानबाजी तेज होती दिख रही है, जिससे साफ है कि आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गरमाने वाला है।

ओबीसी कर्मचारियों का महाधरना 7 को

जोड़ापोखर (ससे) : बैकवर्ड क्लास कोल एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को डिगवाडीह स्थित मदन राम के आवासीय कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ओबीसी जिला अध्यक्ष मदन राम ने की और संचालन धरिक्षन साव ने किया। इस दौरान केंद्रीय मीडिया प्रभारी रामनारायण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा ओबीसी कर्मचारियों की लगातार की जा रही उपेक्षा पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी ७ को धनबाद स्थित बीसीसीएल मुख्यालय (कोयला भवन) के मुख्य द्वार पर एक दिवसीय विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से मदन राम, रामनारायण राय, राम प्रसाद, वीरेंद्र कुशवाहा, दिलीप कुमार साव, धरिक्षन साव, अशोक कुमार, अनवर अंसारी, जसीम अंसारी, इरफान अंसारी सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

शिल्पे अनन्या बांग्ला त्रैमासिक पत्रिका का विमोचन

धनबाद (कासं) : शिल्पे अनन्या बांग्ला त्रैमासिक पत्रिका के ७४वें अंक का विमोचन पत्रिका के कार्यालय में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पत्रिका के संपादक प्रोफेसर डॉ. दीपक कुमार सेन के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर दो अन्य पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।एक सत्य घटना पर आधारित डॉ. काशी नाथ चटर्जी की पुस्तक शांतिर संधाने तथा कवि जगबंधु आचार्जी की काव्यपुस्तक।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर डॉ. दीपक कुमार सेन ने कहा कि उनका जीवन ७६ वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और उन्हें अत्यंत प्रसन्नता है कि आज वे पत्रिका का ७४ वां अंक प्रकाशित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक इस पत्रिका में हजारों बांग्ला लेखकों की रचनाएं प्रकाशित हो चुकी हैं तथा अनेक महान विभूतियों पर विशेषांक भी निकाले गए हैं। धनबाद में इस पत्रिका के बैनर तले लघु पत्रिकाओं का संवाद और कई साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि वे आजीवन इस पत्रिका का प्रकाशन जारी रखेंगे और प्रयास करेंगे कि युवा पीढ़ी भी इसे आगे बढ़ाती रहे।

भारत ज्ञानविज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. काशी नाथ चटर्जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि उन्हें इस ७४वें अंक के विमोचन समारोह में उपस्थित होकर अत्यंत हर्ष हो रहा है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि प्रोफेसर डॉ. दीपक कुमार सेन अकेले ही मोबाइल पर पत्रिका का संपादन करते हैं, शांत भाव से प्रिंटिंग प्रेस तक पहुँचते हैं और फिर उसे पाठकों तक पहुँचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल वही कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रोफेसर सेन एक प्रतिष्ठित गणितज्ञ रहे हैं और उनका पीएचडी अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर हुआ है, शायद उनकी प्रतिभा ही उन्हें इतनी सहजता से यह कार्य करने में सक्षम बनाती है। डॉ. काशी नाथ चटर्जी ने अपनी पुस्तक शांति संधाने के बारे में बताया कि इसे लिखने में उन्हें दो वर्ष का समय लगा। यह पुस्तक मथुरा जिले के गोवर्धन के समीप स्थित राधा कुंड में रहने वाले बंगाली संन्यासियों और वहाँ के बंगाली परिवारों के जीवन पर आधारित है। उन्होंने बताया कि यह इसका पहला भाग है और दूसरे भाग की रचना भी जारी है। पाठकों से इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, इसलिए वे आगे भी लेखन जारी रखेंगे। कवि जगबंधु आचार्जी ने अपनी काव्यपुस्तक के बारे में बताया कि उन्होंने कोयलांचल में नौकरी के दौरान हिंदी और बांग्ला दोनों भाषाओं में कविता लिखना शुरू किया। उनकी कविताएँ आम जनजीवन से जुड़ी हुई हैं।

पत्रिका से जुड़े विश्वजीत गुप्ता ने प्रोफेसर दीपक कुमार सेन को शुभकामनाएं दिए। बरनाली गुप्ता ने कहा कि वे लंबे समय से शिल्पे अनन्या बांग्ला त्रैमासिक पत्रिका से जुड़ी हुई हैं और दीपक कुमार सेन के कार्यों की गूंज पूरे देश के बंगाली समाज में सुनाई देती है।

उन्होंने यह भी बताया कि बांग्लादेश में भी इस पत्रिका को काफी सराहना मिल रही है। विमोचन कार्यक्रम में विश्वजीत गुप्ता, परेश नाथ बनर्जी, बैसाखी चंद्रा, गौतम आचार्जी, बरनाली गुप्ता, सुमन चक्रवर्ती, उसनी चक्रवर्ती, शुभ्रा कोनार, सुमन चक्रवर्ती, वंदना सिन्हा, सांत्वना सिन्हा, अविनाश सिन्हा व विनय राय, भोला राम आदि उपस्थित थे।

मुस्लिम बस्ती में स्वास्थ्य सुधार का निरीक्षण

कतरास (ससे) : वार्ड नंबर ५ स्थित मुस्लिम बस्ती में स्वास्थ्य सेवाओं और जनस्वास्थ्य स्थिति का आकलन करने के लिए एक विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। यह निरीक्षण टीम द्वारा सात वर्ष पूर्व भी किया गया था और इस बार टीम का उद्देश्य यह जानना था कि बीते वर्षों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कितना सुधार हुआ है।

निरीक्षण के दौरान टीम ने बस्ती के लिस्टेड घर का दौरा कर साफसफाई, पेयजल, शौचालय व्यवस्था और लोगों की स्वास्थ्य जागरूकता का जायजा लिया। इस दौरान स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना गया।

वार्ड नंबर ५ की पार्षद निरुपमा देवी भी इस निरीक्षण में टीम के साथ मौजूद रहीं। उन्होंने स्वयं घरघर जाकर निरीक्षण में भाग लिया और लोगों को स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। टीम द्वारा एकत्रित आंकड़ों के आधार पर आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने की योजना तैयार की जाएगी।

फिटनेस और स्वास्थ्य के लिए बीएसएल ने किया साइक्लोथॉन

बोकारो (सप्रे): देशव्यापी फिट इंडिया मूवमेंट के आलोक में बोकारो स्टील प्लांट द्वारा २९ मार्च को सेल- बोकारो साइक्लोथॉन २०२६ का आयोजन किया गया ।

फिटनेस, एक्टिव मोबिलिटी और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बोकारो सहित अन्य शहरों से आए ६०० से अधिक साइकिलिस्ट ने भाग लिया ।साइक्लोथॉन को फ्लैग-ऑफ बीएसएल निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन ने किया। इस मौके पर अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री चित्त रंजन मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) श्री अनीष सेनगुप्ता, अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त,

अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. बिभूति भूषण कण्डनामय तथा अधिशासी निदेशक (खान) श्री विकास मनवटी सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे.

१४ किलोमीटर की यह प्रतियोगिता प्रातः ६:३० बजे सेक्टर-४ स्थित आर्चरी ट्रेनिंग सेंटर के निकट से प्रारंभ हुई । प्रतिभागियों को निर्धारित मार्ग पर दो राउंड पूरे करने थे जिसमें पथरकट्टा चौक, राम मंदिरचौक, राजेंद्र चौक और गांधी चौक शामिल थे, और अंत में वे पुनः प्रारंभिक स्थल पर लौटे। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों की सुरक्षा, पेयजल और चिकित्सीय सुविधा के इंतेजाम किए गए थे. पुरुष और महिला प्रतिभागियों के लिए कुल ग्रेणियों में आयोजित साइक्लोथॉन के समापन पर विजेताओं को मुख्य अतिथि निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन तथा अन्य वरीय अधिकारियों ने पुरस्कृत किया।

यह साइक्लोथॉन लोगों को साइकिलिंग को एक स्वस्थ और पर्यावरण अनुकूल परिवहन के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करेगा, साथ ही सामुदायिक भागीदारी और स्वस्थ जीवनशैली की संस्कृति को भी प्रोत्साहित करेगा।

टीवीके ने की उम्मीदवारों की घोषणा

चेन्नई,(ईएमएस): तमिलनाडु में २०२६ के विधानसभा चुनाव से पहले अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने रविवार को अपनी पार्टी के उम्मीदवारों की सूची का ऐलान किया। २३४ विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए है। सबसे बड़ी खबर यह रही कि विजय खुद दो सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। वे त्रिची ईस्ट और चेन्नई के परम्बूर से मैदान में उतरेंगे। दोनों सीटों पर उनका नाम सी जोसेफ विजय के रूप में दर्ज है। यह पहली बार है जब विजय सीधे चुनावी मैदान में उतर रहे है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीवीके के महासचिव एन आनंद टी नगर से, कोषाध्यक्ष वेंकट रमनन मायलापुर से और आधव अर्जुन विछिवाक्कम से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा गोबीचेट्टीपालयम से के सेंगोट्टयान, तिरुचेंगोडे से केजी अरुणराज, तिरुपरनकुंडम से सीटीआर निर्मल कुमार, थाउजेंड लाइट्स से जेसीडी प्रभाकर, कोलापुर से वीएस बाबू और आरके नगर से डॉ मारिया विल्सन को टिकट दिया गया है।

हिमाचल में अचानक बदला मौसम, मनाली-लाहौल घाटी में बर्फबारी शुरु, लौटी ठंड

मनाली,(ईएमएस): हिमाचल प्रदेश के मनाली और लाहौल घाटी में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है, जिससे अटल टनल रोहतांग के साउथ पोर्टल समेत लाहौल के कई ऊपरी इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई। शनिवार देर रात से मनाली के ऊपरी क्षेत्रों और लाहौल घाटी में बारिश हो रही थी, जो सुबह होते-होते ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी में तब्दील हो गई। लाहौल के कोकसर, जिस्पा, दारचा, शिंकुला और बारालाचा -ला सहित रोहतांग टॉप के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी हुई, जिसके चलते घाटी पूरी तरह बर्फ की सफेद चादर से ढकी नजर आई और नज़ारा मनमोहक नजर आने लगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक काफी दिनों तक मौसम साफ रहने के बाद आए इस अचानक बदलाव ने घाटी में एक बार फिर ठंड लौट आई है जहां ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है, वहीं मनाली समेत कुल्लू जिले के निचले इलाकों में लगातार बारिश जारी है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज आई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक हिमाचल प्रदेश में २९ मार्च से ३ अप्रैल तक मौसम खराब रह सकता है। इस दौरान २९ से ३१ मार्च और २-३ अप्रैल को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है, जबकि १ अप्रैल को ऊंचाई वाले कुछ क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी के आसार हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक २९-३० मार्च और २-३ अप्रैल को ४० से ५० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं बर्फबारी और खराब मौसम को देखते हुए प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों की सुरक्षा के मद्देनज़र सख्त कदम उठाए हैं। दोपहिया वाहनों को सोलंग बैरियर से आगे जाने की अनुमति फिलहाल नहीं दी जा रही है। केवल ४ वाई ४ वाहनों को ही अत्यंत जरुरी स्थिति में आगे जाने की अनुमति दी जा रही है। प्रशासन ने सभी पर्यटकों और आम जनता से अपील की है कि बिना आवश्यकता ऊंचाई वाले क्षेत्रों की ओर यात्रा न करें। यदि यात्रा करना जरूरी हो, तो पूरी सावधानी बरतें और मौसम विभाग व प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और ब्लैकमेलिंग मामले का आरोपी गिरफ्तार

नूंह,(ईएमएस): हरियाणा के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, २८ मार्च को सिटी थाना फिरोजपुर झिरका में मामला दर्ज किया गया। यह केस हरियाणा धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम २०२२ और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। इस संबंध में शिकायतकर्ता महिला, जो पंजाबी समुदाय से बताई जा रही है, ने आरोप लगाया है, कि आरोपी जाहिर पुत्र यूनुस ने पहले उससे ऑनलाइन दोस्ती की। बाद में शादी का झांसा देकर उसे मेवात क्षेत्र में बुलाया, जहां एक होटल में उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने घटना के दौरान अश्लील वीडियो बना लिया और बाद में उसी के जरिए उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि आरोपी लगातार धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालता रहा और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई।

शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपी ने महिला को धमकाकर वहां से भगा दिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से संपर्क कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और न्याय की मांग की।

पुलिस ने आरोपी की पहचान जाहिर पुत्र यूनुस, निवासी फिरोजपुर झिरका के रूप में की है और उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी अजायब सिंह ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा सके। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जिप सदस्य ने एसडीएम को पत्र देकर कार्रवाई की मांग

डुमरी (सप्रे): जिप सदस्य बैजनाथ महतो ने डुमरी एसडीएम को पत्र देकर डुमरी सीओ के खिलाफ सीआईडी जांच कराने की मांग की है।साथ ही कहा है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा।दिए गए पत्र में जिप सदस्य ने सीओ की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाया है और आरोप लगाया है कि अंचल न्यायालय में जमीन संबंधी मामलों का पारदर्शी तरीके से समाधान नहीं कर मामलों को और अधिक विवादित बनाया जा रहा है।अंचल कार्यालय की कार्यप्रणाली के कारण क्षेत्र में भूमि विवाद लगातार बढ़ रहे हैं।जिप सदस्य ने पत्र में पूर्व जिप अध्यक्ष राकेश महतो की जमीन विवाद में हुई हत्या की तरह आशंका जताई कि अंचल कार्यालय द्वारा उनके एक भूखंड को भी विवादित बनाकर निर्णय दिया जा रहा है,जिससे उनकी जान को भी खतरा हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंचल कार्यालय में छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम १९०८ की अनदेखी की जा रही है और गैरमजरूआ भूमि समेत अन्य कार्यों में व्यावसायिक तरीके से निपटाया जा रहा है। इससे क्षेत्र में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है।जिप सदस्य ने अंचलाधिकारी के कार्यों की दो माह के भीतर सीआईडी जांच कराने की मांग की है।साथ ही स्पष्ट किया है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो वे अनिश्चितकालीन धरना पर बैठने को बाध्य होंगे।

इस संबंध में पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री,मुख्य सचिव, गिरिडीह सांसद,डुमरी विधायक,गिरिडीह उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक एवं जिला परिषद अध्यक्ष को भी भेजी गई है।सीओ ने आरोप को निराधार बताया है।

कौन हैं नेपाल की नई स्वास्थ्य मंत्री निशा मेहता? भारत से खास कनेक्शन ने दिलाई अलग पहचान

नई दिल्ली,(ईएमएस): नेपाल में नई सरकार के गठन के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय की जिम्मेदारी मेडिकल प्रोफेशनल निशा मेहता को सौंपी गई है। प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार में उन्हें स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्री बनाया गया है। खास बात यह है कि उनका भारत से गहरा शैक्षणिक संबंध रहा है, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। एम्स दिल्ली ने अपनी पूर्व छात्रा निशान मेहता को इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है।

नई दिल्ली स्थित एम्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग ने अपनी पूर्व छात्रा के मंत्री बनने पर खुशी जताई है। संस्थान ने बताया कि निशा मेहता ने यहां से वर्ष २००६ से २०१० के बीच बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई पूरी की। संस्थान ने इसे पूरे नर्सिंग समुदाय के लिए गर्व का क्षण बताया और कहा कि उनका सफर मरीजों की सेवा से लेकर नीति-निर्माण तक प्रेरणादायक है।

ग्रेजुएशन के बाद निशा मेहता ने ग्वालियर विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश से नर्सिंग में पोस्ट ग्रेजुएशन किया। उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद वे नेपाल लौट गईं और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने लगीं।

रेमंड ग्रुप के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का निधनः एक युग का अंत

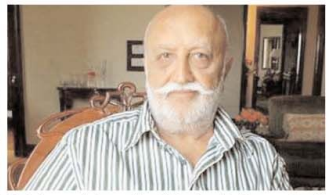

मुंबई(ईएमएस): रेमंड ग्रुप के पूर्व चेयरमैन और दिग्गज उद्योगपति विजयपत सिंघानिया का ८७ वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनके पुत्र गौतम सिंघानिया ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस दुखद समाचार की पुष्टि की। उन्होंने अपने संदेश में पिता को एक दूरदर्शी उद्योगपति और महान समाजसेवी बताते हुए कहा कि उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी। विजयपत सिंघानिया का अंतिम संस्कार आज दोपहर ३ बजे मुंबई के चंदनवाड़ी श्मशान घाट में किया जाएगा।

विजयपत सिंघानिया केवल कॉर्पोरेट जगत के ही दिग्गज नहीं थे, बल्कि वे अपने साहसिक कारनामों के लिए भी दुनिया भर में विख्यात थे। वे एक कुशल पायलट थे और एडवेंचर के प्रति उनका जुनून जगजाहिर था। वर्ष १९८८ में उन्होंने लंदन से नई दिल्ली तक अकेले माइक्रोलाइट विमान उड़ाकर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया था। इतना ही नहीं, २००५ में ६७ वर्ष की आयु में उन्होंने हॉट एयर बैलून के जरिए लगभग ६९,००० फीट की ऊंचाई तक पहुंचकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। उनके इन साहसिक योगदानों के लिए उन्हें पद्म भूषण और तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। बिजनेस और एडवेंचर के साथ-साथ वे सामाजिक और प्रशासनिक पदों पर भी सक्रिय रहे। भारतीय वायुसेना ने उनके अनुभव को देखते हुए उन्हें मानद एयर कमोडोर की उपाधि दी थी और २००६ में वे मुंबई के शेरिफ भी नियुक्त किए गए थे। हालांकि, जीवन के अंतिम वर्षों में वे अपने पुत्र के साथ संपत्ति और पारिवारिक विवादों को लेकर भी चर्चा में रहे। उनकी आत्मकथा एन एंजल इन ए कॉकपिट उनके जीवन के संघर्षों और सफलताओं का दस्तावेज है।

अनियंत्रित होकर कार पलटने से लगी भीषण आग, तीन की जलकर मौत

बालाघाट,(ईएमएस): मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में बैहर-मलाजखंड मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। पलटते ही कार में आग लग गई। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के तीन लोग जिंदा जल गए। मृतकों में एक ३ साल का बच्चा भी है। पुलिस के मुताबिक आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

जानकारी के मुताबिक कार चालक प्रीतम केलकर की पवनी में वेल्डिंग की दुकान है। वह तीन दिन पहले अपनी पत्नी और बच्चे के साथ पोंडी आया था। वह शनिवार देर रात अपने माता पिता को लेकर पवनी लौट रहा था। कार में ८ साल की बच्ची पूर्वी भी थी। शनिवार रात केवलारी चौराहे के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इसके बाद कार में आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि उसमें सवार लोगों को कार से बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला। राह चलते लोगों ने किसी तरह कांच तोड़कर पहले पूर्वी को निकाला, उसके बाद वाहन चला रहे प्रीतम केलकर (३०) और उसकी मां नानाबाई केलकर (६०) को गंभीर अवस्था में निकाला। हादसे की सूचना राह चलते लोगों ने पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पंहुची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

बैहर थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने बताया कि डायल ११२ पर सूचना मिली कि केवलारी चौराहे के पास एक वाहन में आग लग गई है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। राहगीरों ने किसी तरह तीन लोगों को बाहर निकाला। आग के कारण कार चालक प्रीतम के पिता नगारची केलकर (६५), पत्नि सविता केलकर (२८), पुत्र अमि केलकर (३) कार के अंदर ही जिंदा जल गए। हादसे की जांच की जा रही है। दुर्घटना संभवतः नींद आने के कारण हुई प्रतीत होती है क्योंकि एक मोड़ के बाद कार सीधे सड़क से नीचे उतर गई और हादसे का शिकार हो गई।

पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में हो सुधार : गंगाधर महतो

डुमरी (सप्रे): ग्रामीणों से मिल रही शिकायत के आलोक में रविवार को पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल गिरिडीह -२ इटेकवेल निरक्षण करने पहुंचे झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो।लोगों ने बताया कि लक्ष्मणटुंडा में पांच से छह महीने तक पानी सप्लाई नहीं किया है,रांगामाटी,बरमसिया के ग्रामीणों ने कहा कि पाइप बिछ जाने के बाद भी पानी चार साल से पानी सप्लाई नहीं किया है।खैराटुंडा में पांच से छह महीने तक पानी सप्लाई नहीं किया गया है।रोशनाटुंडा ग्रामीणों ने कहा बहुत दिनों से पानी सप्लाई नहीं कर रहा है किसान मजदूर का पानी नहीं मिलने से बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है।

मौके पर यूनियन केन्द्रीय उपाध्यक्ष भगतु रविदास उर्फ रवि केंद्रीय महासचिव रवींद्र कुमार प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र यादव प्रखंड महासचिव भोला मिस्री,विजय रविदास,अजय कुमार यादव,संजय कुमार ठाकुर आदि उपस्थित थे।केन्द्रीय अध्यक्ष ने कहा कि यदि पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नही हुआ तो लाभुक क्षेत्र के ग्रामीणों के संग जोरदार आंदोलन किया जाएगा।

वैवाहिक अधिकार बहाली की याचिका खारिज, पति को मिला तलाक

जयपुर (ईएमएस): फैमिली कोर्ट जयपुर महानगर प्रथम (क्रम संख्या-४) ने १९ मार्च २०२६ को पति-पत्नी के बीच चल रहे वैवाहिक विवाद में अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा ९ के तहत पत्नी की वैवाहिक अधिकार बहाली की याचिका खारिज कर दी, जबकि धारा १३ के तहत पति की तलाक याचिका मंजूर कर दी। दोनों की शादी २२ फरवरी २०१६ को हुई थी और उनके एक बेटी भी है। पत्नी ने कोर्ट में दावा किया कि शादी के बाद उसे दहेज को लेकर परेशान किया गया। उसने बताया कि कम सामान लाने पर ताने दिए गए, उसे जादू-टोना कहकर अपमानित किया गया और कई बार गाली-गलौज और मारपीट भी हुई। पत्नी का कहना था कि उसे घर से निकाल दिया गया और इसी वजह से उसने पति के साथ रहने का कोर्ट से आदेश मांगा। पति ने इन सभी आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि पत्नी अक्सर झगड़ा करती थी, उन्हें और उनके परिवार को गालियां देती थी और कई बार पुलिस बुला लेती थी। पति ने यह भी कहा कि पत्नी ने दहेज के झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। कोर्ट में पति ने इन घटनाओं को मानसिक और शारीरिक क्रूरता बताया और इसी आधार पर तलाक मांगा। कोर्ट ने दोनों पक्षों के बयान, सबूत, जिरह और महिला आयोग में दी गई शिकायतों को देखा। अदालत ने पाया कि पत्नी के बयान में कई विरोधाभास हैं और वह यह स्पष्ट नहीं कर पाई कि कब और क्यों स्थायी रूप से अलग हुए। अदालत ने नोट किया कि २०१७ में गंभीर आरोप लगाने के बाद भी दोनों कुछ समय तक साथ रहे। कोर्ट ने पत्नी की याचिका खारिज कर दी और पति की तलाक याचिका मंजूर कर दी। अदालत ने माना कि पत्नी अपने आरोप साबित करने में असफल रही, जबकि पति ने क्रूरता का प्रमाण पेश किया।

17 साल पुराने एनडीपीएस केस में पत्नी को सजा, पुलिसकर्मी बरी

जोधपुर (ईएमएस): जोधपुर की विशिष्ट एनडीपीएस कोर्ट ने १७ साल पुराने मादक पदार्थ बरामदगी मामले में फैसला सुनाया। विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने पुलिस कॉन्स्टेबल भजनलाल की पत्नी सरिता को दोषी करार देते हुए २ साल की जेल और ३०,००० रुपये जुर्माना लगाया। कोर्ट ने अन्य आरोपियों भजनलाल, राजूराम, रणजीत सिंह और तारा सिंह को साबूतों की कमी और पुलिस की तकनीकी खामियों के कारण बरी कर दिया। मामला २१ मई २००९ का है। महामंदिर थाना परिसर स्थित सरकारी क्वार्टर में अवैध अफीम और स्मैक का भंडारण होने की सूचना पर पुलिस ने दबिश दी। मौके पर भजनलाल नहीं थे, लेकिन उनकी पत्नी सरिता मौजूद थी। तलाशी में ७० ग्राम अफीम, १० ग्राम स्मैक, १२ ग्राम अफीम दूध और १,५३,९०० रुपये नकद बरामद हुए। सरिता ने तलाशी के दौरान मादक पदार्थ छिपाने की कोशिश की।

मैं अपने रहबर अली हुसैनी खामेनेई को खिराज-ए-अकीदत पेश करने आया हूं

नई दिल्ली,(ईएमएस): अमेरिका और इजराइल युद्ध से तनाव पूर्ण हालात में ईरान को अच्छा सपोर्ट मिल रहा है। भारत में भी कश्मीर से लेकर केरल तक बड़ी संख्या में लोग ईरान का समर्थ कर रहे हैं, इतना ही नहीं लोग ईरानी दूतावास को मदद भी भेज रहे हैं। कोई दान के तौर पर सहयोग कर रहा तो कोई संदेश के जरिए। ऐसा ही नजारा दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के बाहर उस समय नजर आया जब तीसरी कक्षा में पढ़ने वाला सरवर एंबेसी के बाहर पहुंचा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरवर यूपी के मुजफ्फरनगर से कुछ लोगों के साथ शनिवार को दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास पहुंचा। वह अपने साथ एक छोटी सी भेंट लेकर आया था। ये सभी लोग ईरान के मीनाब स्कूल पर अमेरिका-इजराइल के हमले के एक महीने बाद एकजुटता दिखाने के लिए एंबेसी पहुंचे थे। इस हमले में १७० स्कूली बच्चियां और शिक्षक मारे गए थे। जब सरवर से ईरानी दूतावास पर आने का कारण पूछा तो वो पहले थोड़ा झिझकता नजर आया। उसने कुछ भी बोलने से पहले अपने पिता की ओर देखा फिर उसकी जो आवाज आई वो करीब-करीब फुसफुसाहट जैसी थी।

अपने पिता हैदर मेहंदी के साथ दिल्ली स्थित ईरानी एंबेसी पहुंचे सरवर ने उनके प्रोत्साहन से अपनी बात रखी। उस बच्चे ने धीरे से कहा कि मैं अपने रहबर यानी (ईरान के सर्वोच्च नेता अली हुसैनी खामेनेई, जो मौजूदा युद्ध में शहीद हो गए) को खिराज-ए-अकीदत पेश करने आया हूं। मेरे रहबर शहीद हो गए हैं। सरवर के पिता हैदर मेहंदी एक कार मैकेनिक हैं। वो अपने बेटे और कुछ अन्य लोगों के साथ ईरानी दूतावास में अपना सपोर्ट दिखाने के लिए पहुंचे थे।

ये पहला मामला नहीं है जब ईरानी दूतावास पर लोग अपनी उपस्थिति जताने पहुंचे हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से दूतावास में लगातार विजिटर्स का तांता लगा हुआ है। केरल, कश्मीर और यूपी समेत देश भर से लोगदान, हस्तलिखित संदेश और समर्थन के प्रतीक लेकर आ रहे हैं। एंबेसी के अंदर का नजारा भी अलग है। वहां एक मिट्टी का गुलुक दिख रहा, जिसे एक दिन पहले एक अन्य बच्चे ने छोड़ा था। एक मेज पर भारत और ईरान के झंडे और मित्रता के प्रतीक सफेद फूल के साथ रखे थे।

सोशल मीडिया पर शेयर की गई एक पोस्ट में, ईरानी दूतावास ने इस भाव को छोटे लेकिन प्रेम से भरे हाथ बताया है। इसे भारत और ईरान के बीच दया और मित्रता का प्रतीक भी कहा।

दूतावास के अधिकारियों ने कहा कि दान की गई राशि का इस्तेमाल हमले में घायल हुए लोगों के लिए दवाइयां खरीदने में किया जा रहा है। एक अधिकारी ने दवाइयों के डिब्बों से भरे एक कमरे को दिखाते हुए कहा कि हम पहले ही दो खेप भेज चुके हैं और तीसरी करीब ११ टन दवाई मंगलवार को भेजने की तैयारी है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 94317263337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. ✲ पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

बाघमारा ब्रदर्स ने गोविंदपुर जीनियस को किया पराजित

राजगंज (ससे) : शरीर को स्वस्थ रखकर हीं जीवन में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है और इसके लिए खेल बहुत जरूरी है।

झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स एंड एम्प्लॉयज फेडरेशन (झारोटेफ) ने इसी आगाज के साथ अपने सदस्यों के बीच जेपीएल क्रिकेट लीग का शुभारंभ किया।

राजगंज के बीबीएम स्टेडियम बागदाहा में लीग का पहला मैच बाघमारा ब्रदर्स और गोविंदपुर जीनियस के बीच खेला गया। बारह ओवर के इस सीमित मैच में बाघमारा ब्रदर्स ने २८ रनों से जीत हासिल की। सर्वाधिक ४६ रन बटोर कर बाघमारा ब्रदर्स के अभिषेक तिवारी मैन ऑफ द मैच बने। बाघमारा ब्रदर्स के कप्तान ब्रजेश भट्ट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बाघमारा की टीम ने कुल बारह ओवर में ९ विकेट खोकर १२७ रन बनाया। जवाबी पारी खेलते हुए मोहम्मद इकबाल की कप्तानी में गोविंदपुर की टीम १२ ओवर में एक सौ रन पर सिमट गई।

इससे पूर्व लीग मैच का उद्घाटन जिप सदस्य प्रतिनिधि एवं पूर्व विधायक प्रतिनिधि हलधर महतो ने किया। उन्होंने झारोटेफ के इस प्रयास को काफी अनुकरणीय बताया। मैच में उम्दा प्रदर्शन करने वाले झारोटेफ के जिलाध्यक्ष जय होरो ने मौके पर कहा कि खेल हमारे जीवन में सकारात्मकता लाती है। इससे जीवनशैली गतिमान रहती है। झारोटेफ के प्रांतीय उप महासचिव ब्रजेश भट्ट के मुताबिक लीग के अगले मैच जिले के प्रखंड मुख्यालयों के साथ अलग अलग स्थानों में खेले जाएंगे।साथ हीं संगठन द्वारा राज्य स्तर भी लीग के मैच आयोजित होंगे।

आयोजन को लेकर जिला सचिव राकेश कुमार, कोषाध्यक्ष संजय गिरि, मो. इकबाल, रेवती रमण, दिलीप महतो, नरेश कुमार महतो, मनोज कुमार, सुशांत कुमार, राजेश मंडल, श्रीनिवास, सुरेन्द्र कुमार, कामू प्रसाद आदि सक्रिय रहे।

झारखण्ड राज्य पेंशनर समाज की बैठक

गोविन्दपुर (ससे) : झारखंड राज्य पेंशनर समाज प्रखंड शाखामोविन्दपुर के नवनिर्वाचित कार्यसमिति सदस्यों की बैठक अध्यक्ष डॉक्टर यू एल विश्वकर्मा के आवास पर हुई। जिसकी अध्यक्षता डॉक्टर यू एल विश्वकर्मा ने किया।

बैठक में विगत ११ फरवरी को सम्पन्न वनभोज सह अधिवेशन की समीक्षा, विगत २५ को काला दिवस मनाकर उपायुक्त, धनबाद को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाने की समीक्षा, आगामी २९३० अप्रैल को जयपुर (राजस्थान) में आयोजित अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने के लिए दो पेंशनर क्रमशः बासुदेव गोस्वामी व एस एन लाल त्यागी को अधिकृत किया गया। वनभोज सह अधिवेशन के अधूरे हिसाब को १० अप्रैल तक पूरा कर लेने का निर्णय लिया गया। आगामी कार्ययोजना पर विचारविमर्श किए गए। आगामी बैठक १० मई को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से बासुदेव गोस्वामी, मुस्तकिम अंसारी, एस एन लाल त्यागी, शंकर राम महतो, अंजनि कुमार शर्मा, सुधीर चन्द्र दास, कमलदेव मंडल, सुभाष चंद्र झा, मो. रियासत अंसारी, दिनेश कुमार राय, गोलक बिहारी रजवार आदि उपस्थित थे।

राज एलेवन क्रिकेट टीम ने डीएसए स्लेवे की टीम को 14 स्नों से हराया

धनबाद (कासं) : धनबाद रेलवे स्टेडियम में डीसीए के सुपर डिवीजन टीम को मैच में राज एलेवन क्रिकेट कोचिंग कैम्प की टीम ने डीएसए रेलवे की टीम को १४ रनों से हराया। पहले बैटिंग करते हुए राज एलेवन क्रिकेट कोचिंग कैम्प की टीम ने ४६.१ ओवर में १० विकेट के नुकसान में १९७ रन बनाया। जिसमे रणधीर सिंह चौधरी ने ५३ रन, हसनैन कुरैशी ने ३७ और पवन किस्कू ने ३२ रनो की पारी खेली।

वही दूसरी पारी में बैटिंग करते हुए डीएसए रेलवे की टीम ९ विकेट के नुकसान पर १८३ रन ही बना पाई। दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी करते हुए शाकिब ने ३, अमित राय, विश्वास कुमार ने २२ विकेट और उदित चौधरी ने १ विकेट लिया। आज के मैच में महेश सिंह और मणिशंकर झा अम्पायर और अंकित जारिका स्कोरर के रूप में मैदान में उपस्थित थे। टीम की इस जीत पर राज एलेवन क्रिकेट कोचिंग कैम्प टीम के अध्यक्ष विनय सिंह, सचिव दिलशाद खान, उपाध्यक्ष श्वेता किन्नर, मोहसीन खान और इसरारुल हक ने पूरी टीम को बधाई दी।

किज व चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को किया गया पुस्कृत

पुटकी (ससे) : मुनीडीह ओपी क्षेत्र के समशिखरा पंचायत भवन में एक कदम शिक्षा की ओर के तत्वावधान में किज प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। किज प्रतियोगिता कक्षा ५ से १० तक के विद्यार्थियों के लिए तथा चित्रकला प्रतियोगिता कक्षा ४ से नीचे के बच्चों के लिए आयोजित की गई। दोनों प्रतियोगिताओं में क्षेत्र के बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के शंभू महतो, श्रीकांत कुमार, गुलाम, मनोज, दीपक कुमार, सोना कुमार, मोहन कुमार आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राकोमसं का प्लेटिनम जुबली समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक

जोड़ापोखर (ससे) : राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ (राकोमसं) के ७५ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्लेटिनम जुबली समारोह को भव्य रूप से मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी सिलसिले में जेलगोरा स्थित रीजनल कार्यालय में बीसीसीएल रीजनल कमिटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता एल.एन. भट्टाचार्य ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए संघ के महामंत्री ललन चौबे ने संगठन के ७५वें स्थापना वर्ष को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्लेटिनम जुबली समारोह मजदूर एकता, संगठन के संघर्ष और उसकी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का एक सुनहरा अवसर है। इस भव्य आयोजन के जरिए संगठन की मजबूती और विस्तार का संदेश दिया जाएगा।

चर्चा के दौरान सभी पदाधिकारियों ने एकमत से समारोह के प्रस्ताव का समर्थन किया। निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए जल्द ही विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाएगी और विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और मजदूरों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने पर भी जोर दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से आर.एस. तिवारी, तारापदो धीवर, माधव सिंह, संजय सिंह, रामअवतार ठाकुर, मंसूर आलम, अनिल सिंह, दुर्गा रवानी, रामअवतार गोप, कुंदन रवानी, राजीव रंजन चौबे, सुनील कुमार, सुरेश सिन्हा, धर्मेंद्र कुमार सिंह सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

लायंस क्लब कोयलांचल का स्थापना कार्यक्रम आयोजित

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर लायंस क्लब कोयलांचल का प्रथम चार्टर सह स्थापना कार्यक्रम एक होटल में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जिलापाल संजय कुमार ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। डॉ. आरके शर्मा संस्थापक अध्यक्ष, एसएन लाल त्यागी

निदेशक, मोहन गोविंद प्रथम उपाध्यक्ष, नीरज कुमार द्वितीय उपाध्यक्ष, आरसी मिश्रा सचिव, विजेता दास संयुक्त सचिव, मयन चंद्र दसौंधी कोषाध्यक्ष, अमित कुमार डे संयुक्त कोषाध्यक्ष, सुमित कुमार बर्मन लायन केस्ट्र, कृष्णा प्रसाद टेल ट्विस्टर, अनिल कुमार गुप्ता कोआर्डिनेटर, दिनेश मणि लीडरशिप चेयरपर्सन, शाइस्ता आफताब एनवायरमेंट चेयरपर्सन तथा डेगन रविदास एक्टिविटी चेयरपर्सन की शपथ ली। वहीं नुसरत परवीन, चिंता देवी, पंकज कुमार, कल्याण रूज एवं डॉ. सुजाता शर्मा ने नए सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण किया। मुख्य अतिथि श्री कुमार ने कहा कि नवगठित क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं जरूरतमंदों की सहायता जैसे क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाएं। कार्यक्रम को इंडक्शन ऑफिसर डॉ. मुकेश कुमार राय, इंस्टॉलेशन चेयरपर्सन सुभाष कुमार बरनवाल, दिनेश पुरी, सोमनाथ पूर्ति आदि ने नवगठित क्लब को शुभकामनाएं दी। मौके पर शपथ लेने वाले सदस्यों को चार्टर सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। मिथिलेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। नवगठित क्लब को लायंस क्लब बाघमारा द्वारा स्पॉन्सर किया गया। कार्यक्रम में धनबाद जिले के विभिन्न लायंस क्लबों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

निःशुल्क योग शिविर, स्वयं को जानो कार्यक्रम का आयोजन 24 से

धनबाद (कासं) : धनबाद शहर जल्द ही योग और आध्यात्म के रंग में रंगने वाला है। अध्यात्म में प्रवेश स्वयं को जानो कार्यक्रम के तहत आगामी २४ से २६ अप्रैल तक एक भव्य तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन भारत योग यात्रा के अंतर्गत किया जा रहा है। इस संबंध में धनबाद क्लब में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान आयोजकों ने विस्तृत जानकारी साझा की।

आनंद योग धारा, धनबाद द्वारा आयोजित इस विशेष शिविर में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योग गुरु परमाचार्य स्वामी निरंजनानंद सरस्वती मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। उनके सानिध्य में प्रतिभागियों को योग, ध्यान और आध्यात्म के गुढ़ पहलुओं को समझने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने बताया कि यह शिविर केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य व्यक्ति को मानसिक शांति, आंतरिक संतुलन और आत्मबोध की दिशा में प्रेरित करना है। यह कार्यक्रम खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी होगा जो अपने जीवन में तनावमुक्ति और आध्यात्मिक जागरूकता की तलाश में हैं। यह तीन दिवसीय योग शिविर आईआईटीआईएसएम, धनबाद के परिसर में आयोजित किया जाएगा और इसमें भाग लेना पूरी तरह निःशुल्क होगा।

परसबनिया में चढ़क पूजा समिति का गठन

बलियापुर (ससे) : परसबनिया शिव मंदिर प्रांगण में बबलू महतो की अध्यक्षता में चढ़क पूजा कमिटी गठन किया गया। अध्यक्ष राकेश रवानी उपाध्यक्ष निमाई चन्द्र दत्ता, सचिव धनेश्वर महतो, कोषाध्यक्ष विशु बाउरी को बनाया गया। मौके पर सुधीर महतो, गोपाल महतो, नेपाल गोराई, ताराचांद रवानी, महादेव बाउरी, फुलचंद बाउरी, दीपक महतो, कैलाश बाउरी, शंकर महतो, दीपक बाउरी, निताई महतो, किशोर महतो, निमाई कुंभकार, राजेश महतो, मधु दास, ज्योति लाल दास, पदोलोचन महतो, कृष्णा महतो, सुनील कुंभकार, सुनील गोराई, जयलाल दत्ता आदि मौजूद थे।

भाजयुमो ने किया दोषियों पर कार्रवाई की मांग

गोविंदपुर (ससे) : भाजयुमो ग्रामीण जिलाध्यक्ष मनीष साव, भाजपा जिलाध्यक्ष मोहन कुंभकार एवं भाजपा नेत्री तारा

देवी ने हरदेवराम स्मृति भवन में मीडिया से कहा कि बलियापुर में शांतिपूर्ण रामनवमी जुलूस पर पथराव पुलिस की विफलता है। यदि पुलिस पहले से सतर्क रहती तो घटना ही नहीं होती। घटना के बाद उपद्रवियों के साथ भाजयुमो बलियापुर पूर्वी के महामंत्री शत्रुघ्न महतो एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं को कमर में रास्ता बांधकर पुलिस द्वारा जेल भेजना तुष्टिकरण नीति का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि पत्थरबाजी की घटना पूर्व नियोजित थी। इसकी साजिश पहले ही रची जा चुकी थी। पर न तो बलियापुर पुलिस को और न ही खुफिया विभाग को इसकी भनक लगी। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की की इस मामले की जांच कर निर्दोषों को रिहा किया जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि शत्रुघ्न महतो की कुख्यात अपराधियों की तरह गिरफ्तारी के खिलाफ युवा मोर्चा आंदोलन खड़ा करेगा। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह पूर्व ही शत्रुघ्न महतो के बगीचे में प्रतिबंध पशु की हत्या कर फेंक दिया गया था उसे समय यदि प्रशासन कार्रवाई करता तो रामनवमी के दिन यह घटना ही नहीं होती।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने इसको लेकर मानव अधिकार आयोग को लिखा है। मौके पर मोर्चा के जिला महामंत्री जग्गू साव, निताई रजवार अमरदीप सिंह, गोविंद राय, अरविन्द सिंह, निशि महतो, समीर प्रमाणिक, टिंकू राम, राज रंजन झा, अनिल दास, चंदन रवानी आदि मौजूद थे।

राज बिहारी यादव का स्वागत, संगठन मजबूती पर जोर

सिंदरी (ससे) : शहरपुरा स्थित इंटक कार्यालय में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने नव मनोनीत सिंदरी नगर अध्यक्ष राज बिहारी यादव का भव्य स्वागत किया। विगत २४ को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा मनोनयन के बाद कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। इस अवसर पर मोटरसाइकिल जुलूस निकालकर नगर भ्रमण किया गया तथा बाद में कार्यालय में अंगवस्त्र व माला पहनाकर अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सचिव रविंद्र वर्मा, जिला कांग्रेस कमिटी के वरीय उपाध्यक्ष राजेश्वर सिंह यादव, योगेंद्र सिंह योगी, जिला महामंत्री एवं पूर्व नगर अध्यक्ष राहुल राज सहित कई नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि नए नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलेगी। वहीं राज बिहारी यादव ने सभी नेताओं का आभार जताते हुए संगठन विस्तार और जनहित के मुद्दों पर कार्य करने का संकल्प दोहराया तथा एक वर्ष में प्रत्येक बूथ पर कम से कम २० नए कार्यकर्ता जोड़ने का लक्ष्य रखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश्वर सिंह यादव ने की और संचालन विदेशी सिंह ने किया। मौके पर महेंद्र पांडेय, नरेंद्र शर्मा, विदेशी सिंह, किशोर कुमार, शियाकांत दुबे, हरिबंद्र दुबे, प्रशांत दुबे, दिलीप मिश्रा, राहुल राज, पूर्णेंदु सिंह, कौशल सिंह, डी.सी. चौधरी, सुखदेव हांसदा, सिद्धार्थ भट्टाचार्य, मधु फिलिप्स, नारद यादव, नकुल वर्मा, संतोष सिंह, सतेंद्र सिंह, सुबोध पांडे, ऋषि यादव, संजय राय, भास्कर झा, शैलेश पंडित, मुन्ना पांडे, मुन्ना यादव, अश्विनी मंडल, अजीत सिंह, मंजू आलम, रूपा देवी, सोमी प्रसाद, टुकू प्रधान, हीरालाल सोरेन समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यू किड्स गार्डन विद्यालय में पार्षद का किया गया अभिनंदन

जोड़ापोखर (ससे) : वार्ड४२ के नवनिर्वाचित पार्षद मुनीलाल का नागरिक अभिनंदन समारोह न्यू किड्स गार्डन विद्यालय, जेलगोरा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर रवि कुमार और निशा कुमारी को बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर चुना गया और पार्षद ने उन्हें मोमेंटो देकर सम्मानित किया। पार्षद ने कहा कि विद्यालय सीमित साधनों में क्षेत्र की बड़ी सेवा कर रहा है और पास आउट होने वाले छात्रछात्राएं अच्छा है। उन्होंने जल और स्वच्छता संबंधी समस्याओं को जल्द दूर करने का आश्वासन दिया। विद्यालय के अध्यक्ष मोहम्मद मुख्तार आलम ने कहा कि विद्यालय बच्चों को ज्ञान और संस्कारों से सशक्त बनाता है। इस अवसर पर अनुशासन समिति ने भी कक्षाबार सबसे अनुशासित बच्चों का चयन किया और उन्हें सम्मानित किया। प्राचार्य विजय कुमार दुबे ने कहा कि विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है और सिर्फ अंक नहीं, उनके सीखने को महत्व देता है। धन्यवाद ज्ञापन शंभू नाथ गुप्ता ने किया।

डिनोबिली स्कूल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

जोड़ापोखर (कासं) : डिनोबिली स्कूल के प्रांगण में पूर्व छात्र संगठन के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। प्रातः ११ बजे से दोपहर १ बजे तक आयोजित इस शिविर में आसपास के श्रमिक वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर लाभ उठाया।

शिविर में अनुभवी चिकित्सकों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर धनबाद में कार्यरत जनरल फिजिशियन डॉ. इकबाल नासिर तथा पाटलीपुत्र में सेवारत वरिष्ठ सर्जन डॉ. अरुण अग्रवाल ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। विशेष रूप से डॉ. अरुण अग्रवाल का योगदान अत्यंत उल्लेखनीय रहा। उन्होंने

प्रत्येक मरीज की गंभीरता से जांच करते हुए उन्हें उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया। डॉ. अरुण अग्रवाल ने जटिल स्वास्थ्य समस्याओं को सरल भाषा में समझाते हुए मरीजों को आगे के उपचार के लिए भी मार्गदर्शन प्रदान किया।

शिविर के दौरान ईसीजी, रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) जांच, रक्तचाप (बी.पी.) मापन सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए गए।

सभी मरीजों को उनकी आवश्यकता के अनुसार निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई। डॉ. अरुण अग्रवाल ने विशेष रूप से मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं अन्य दीर्घकालिक रोगों से पीड़ित मरीजों को जीवनशैली में सुधार संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जो उनके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगे।

शिविर में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, जोड़ों का दर्द, त्वचा रोग, संक्रमण एवं पेट संबंधी समस्याओं सहित विभिन्न रोगों की जांच कर उचित परामर्श प्रदान किया गया। अनेक मरीजों को पहली बार विशेषज्ञ चिकित्सकीय सलाह प्राप्त हुई, जिससे उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने का अवसर मिला। डॉ. अरुण अग्रवाल द्वारा दिए गए मार्गदर्शन से कई मरीजों को आगे की चिकित्सा प्रक्रिया के लिए स्पष्ट दिशा मिली।

इस अवसर पर पूर्व छात्र संगठन के सदस्य इमाम उल हक, आलोक अग्रवाला, शंतनु दास सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

एसएसपी के निर्देश पर चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले भर में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने प्रमुख चौकचौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान कुल १३४२ वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस द्वारा वाहनों के कागजातों का सत्यापन किया गया तथा वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए और चालान भी काटा गया। इसके साथ ही चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई और उनकी पहचान का सत्यापन किया गया। एसएसपी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य अपराध पर नियंत्रण रखना, असामाजिक तत्वों पर नजर रखना और आम लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

मुफ्त की रेबड़ियां, महिलाओं के खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपये होंगे जमा

नई दिल्ली,(ईएमएस): नेताओं ने वोट खरीदने का एक आसान और सरल रास्ता अपना लिया है। ये बात कोई और नहीं बल्कि आम आदमी कहता सुना जा रहा है। इस बार के चुनावों में राज्यों में होड़ लगी हुई है मुफ्त में रेबड़ियां बांटने की। नतीजा आम आदमी की जेब से निकलकर सीधे साढ़े २४ सौ करोड़ रुपए महिलाओं को बांट दिए जाएंगे। ताकि उन्हें वोट मिले और सत्ता पर काबिज हो जाएं।

५ राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही राजनीतिक दलों ने सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए कैश ट्रांसफर यानी सीधे नकद सहायता को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। एक विश्लेषण के अनुसार, चुनावी राज्यों में चार प्रमुख सरकारें महिलाओं के बैंक खातों में सीधे २४,५०० करोड़ रुपये ट्रांसफर कर रही हैं।

इन दलों का चुनावी वादा भी यही है कि यदि वे दोबारा सत्ता में आते हैं, तो अगले पांच वर्षों तक यह वित्तीय सहायता निर्बाध रूप से जारी रहेगी। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो इन चार राज्यों में कुल १७.८९ करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से ४.१ करोड़ महिलाएं इन नकद योजनाओं की सीधी लाभार्थी हैं। यानी कुल वोटरों का लगभग २३ प्रतिशत हिस्सा सीधे तौर पर इन योजनाओं से जुड़ा है।

विभिन्न राज्यों में इस नकद राजनीति के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ सरकार ने स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खातों में २-२ हजार रुपये डाल दिए हैं। वहीं, असम में बिहू उत्सव के उपलक्ष्य में महिलाओं को ४-४ हजार रुपये की सहायता दी गई है। केरल की वामपंथी सरकार स्त्री सुखम नकद योजना के जरिए करीब १० लाख महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये दे रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अपनी प्रसिद्ध लक्ष्मी भंडार योजना की राशि में ५०० रुपये की बढ़ोतरी की है। दिलचस्प बात यह है कि खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद बंगाल सरकार को इस योजना के लिए अगले साल ५,००० करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ेगा।

पिछले पांच वर्षों के चुनावी रुझान बताते हैं कि महिलाओं को नकद सहायता देने वाले राज्यों की संख्या १ से बढ़कर अब १५ हो गई है। ये राज्य सालाना लगभग २.४६ लाख करोड़ रुपये १३ करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में भेज रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने इस रेवड़ी संस्कृति के दुष्प्रभावों पर भी चिंता जताई है।

आंकड़ों के अनुसार, झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास बजट का ८१ प्रतिशत हिस्सा नकद ट्रांसफर में खर्च कर रहा है। इसके चलते महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को बुनियादी विकास कार्यों और अन्य महत्वपूर्ण खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। कई विकास परियोजनाएं धन के अभाव में अधूरी पड़ी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल नकद योजनाओं के दम पर चुनाव जीतना हमेशा संभव नहीं होता। सीएसडीएस के निदेशक प्रो. संजय कुमार के अनुसार, अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक ही फॉर्मूले पर चल रही हैं, लेकिन यह हमेशा सफल नहीं होता। उदाहरण के तौर पर, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस और राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें भारी-भरकम नकद योजनाओं के बावजूद सत्ता बचाने में विफल रहीं। इसके उलट, मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना और कर्नाटक में गृह लक्ष्मी जैसी योजनाओं को गेमचेंजर माना गया।

वर्तमान में चुनावी राज्यों में मुफ्त राशन, मुफ्त गैस सिलेंडर और बेरोजगारी भत्ते जैसे वादों की झड़ी लगी हुई है, जिसने मतदाताओं को लुभाने की जंग को और तेज कर दिया है।

बीजेपी सांसद और विधायक ने किया कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

नई दिल्ली,(ईएमएस): दक्षिण दिल्ली से बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और विधायक कुलदीप सोलंकी ने शनिवार को १२ करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का औपचारिक शुभारंभ किया। इन योजनाओं के तहत क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं, जैसे सड़कों, गलियों, नालियों और पार्कों को आधुनिक और बेहतर बनाया जाएगा। एक शिलान्यास समारोह के दौरान बिधूड़ी और सोलंकी ने विकास कार्यों की नींव रखी।

इस बजट से पालम गांव में होगी सड़क और ड्रेनेज (जल निकासी) व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, क्षेत्र के पार्कों में दो नए जिम और बच्चों के लिए नए खेल उपकरण लगाए जाएंगे। झूले, राजनगर की गलियों का पुनर्निर्माण, गोकल गार्डन की सड़क, शिक्षा भारती से रामफल चौक तक की सड़क, सेक्टर-७ की मुख्य रोड और वर्धमान माल से दादा देव श्मशान घाट तक की सड़क का निर्माण कार्य शामिल है।

सांसद बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पूरे पालम विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए कुल १८७ करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। उन्होंने पिछले एक साल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि दिल्ली में आरोग्य मंदिर, इलेक्ट्रिक बसें, अटल कैंटीन और स्कूलों में कंप्यूटर जैसी सुविधाओं पर तेजी से काम हुआ है। उन्होंने भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में यमुना की सफाई, सीवर मास्टर प्लान और पानी की पुरानी पाइपलाइनों को बदलने जैसी बड़ी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं।

भारत-ईयू ने एमसी 14 एजेंडा के तहत प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की

नई दिल्ली,(ईएमएस): वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कैमरून में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की १४वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में यूरोपीय संघ के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविच से मुलाकात की और भारत-ईयू एफटीए पर प्रगति की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने एमसी १४ एजेंडा के तहत प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को और गहराने के अवसरों पर भी चर्चा हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोयल ने नाइजीरिया के उद्योग, वाणिज्य और निवेश मंत्री डॉ. जुमोके ओडुबोले से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि एमसी १४ एजेंडा पर चर्चा की गई और दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों का पता लगाया गया। ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा के साथ एक रचनात्मक बातचीत में एमसी १४ एजेंडा, द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने और भारत-मर्कोसुर पीटीए के विस्तार पर विचार साझा किए गए।

डब्ल्यूटीओ बैठक में महात्मा गांधी के सत्य के सिद्धांत से प्रेरणा लेते हुए भारत ने निवेश सुविधा विकास (आईएफडी) समझौते के विवादास्पद मुद्दे पर अकेले खड़े होने का साहस दिखाया और इसे डब्ल्यूटीओ ढांचे में एनेक्स चार समझौते के रूप में शामिल करने के लिए सहमति नहीं दी। गोयल ने कहा कि आईएफडी समझौते का समावेशन डब्ल्यूटीओ की कार्यात्मक सीमाओं को कमजोर करने और इसके मूलभूत सिद्धांतों को बाधित करने का जोखिम पैदा करता है। डब्ल्यूटीओ सुधार चर्चा के हिस्से के रूप में सदस्य किसी भी विशिष्ट बहुपक्षीय परिणाम को एकीकृत करने से पहले बहुपक्षीय समझौतों के लिए सुरक्षा और कानूनी उपायों पर विचार कर रहे हैं। गोयल ने कहा कि कैमरून में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह को संबोधित करके और हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने की अपार संभावनाओं को उजागर करके मैं बहुत खुश हूं।

ट्रेनी आरपीएस दीपेंद्र सैनी पर हमला, आरोपी गिरफ्तार

अजमेर (ईएमएस): मांगलियावास थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पूछताछ करने गई पुलिस टीम पर हमला हुआ। घटना में ट्रेनी आरपीएस दीपेंद्र सैनी घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी श्यामलाल उर्फ सावरा को गिरफ्तार कर लिया है। ट्रेनी आरपीएस दीपेंद्र सैनी ने रिपोर्ट में बताया कि २७ मार्च को फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर की गई गलत टिप्पणियों के संबंध में आरोपी से समझाइश करने के लिए पुलिस टीम ग्राम डुमाडा पहुंची। पहले टीम आरोपी गोपाल गुर्जर के घर गई, लेकिन वह वहां नहीं मिला। इसके बाद टीम श्यामलाल के घर पहुंची। श्यामलाल ने कहा कि वह पैंट पहन कर आता है, लेकिन अचानक भाग गया।

पुलिस ने उसका पीछा किया और करीब ५०० मीटर दूर बाड़े में उसे पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान श्यामलाल ने बाड़े में लगे लोहे के गेट को जोर से घुमाया, जिससे दीपेंद्र सैनी का दाहिना हाथ फंस गया और एक अंगुली में गंभीर चोट आई। घायल पुलिसकर्मी ने अपना इलाज करवाकर थाने रिपोर्ट दर्ज करवाई। श्यामलाल उर्फ सावरा के खिलाफ जानबूझकर राजकार्य में बाधा डालने और चोट पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था, लेकिन अब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। मांगलियावास थाने में दर्ज मामले की पीसांगन थाना प्रभारी सरोज चौधरी कर रहे हैं।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग की राजस्थान में रची थी साजिश, पुलिस ने किया खुलासा

श्रीगंगानगर,(ईएमएस): राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में बीती रात पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में घायल हुआ बदमाश आकाश निगम के तार कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े होने के साथ ही मुंबई में फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग मामले से भी जुड़ते नजर आ रहे हैं। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आकाश निगम और उसके सहयोगी शिवा गुर्जर रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की सुपारी लेने में शामिल थे।

बता दें ३१ जनवरी २०२५ की रात मुंबई में रोहित शेट्टी के आवास के बाहर फायरिंग की गई थी। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शूटर आरजू बिश्नोई ने इस वारदात को अंजाम दिया था। जांच में सामने आया कि आकाश और शिवा ने इस हमले की रेकी करने और योजना बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी। आरजू बिश्नोई ने आकाश निगम को श्रीगंगानगर भेजा था, जहां उसे एक और आपराधिक वारदात को अंजाम देने का काम सौंपा था। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार रात सादुलशहर क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान आकाश निगम के वाहन को रोका। पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आकाश निगम के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

बीकानेर रेंज के आईजी ने मामले की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि बदमाश आकाश ने पहले पड़ोसी जिले हनुमानगढ़ में भी रेकी की थी। आकाश निगम लॉरेंस गैंग का नया लेकिन सक्रिय सदस्य है, जो राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत कई राज्यों में आपराधिक गतिविधियों में शामिल है। उसके करीबी सहयोगी शिवा गुर्जर को कोतवाली पुलिस ने कुछ दिन पहले ही गिरफ्तार किया था। आईजी ने कहा कि जांच से साफ हो रहा है कि आकाश निगम रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में शामिल था। आरजू बिश्नोई के निर्देश पर उसे श्रीगंगानगर भेजा गया था। हम पूरे कनेक्शन की तह तक पहुंच रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पुलिस गैंग के पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है और अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच कर रही है। मुंबई पुलिस पहले ही इस फायरिंग मामले में आगरा के दो शूटरों दीपक शर्मा और प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू पंडित को गिरफ्तार कर चुकी है। आकाश निगम की गिरफ्तारी और पूछताछ से रोहित शेट्टी फायरिंग समेत अन्य वारदातों के कई राज खुलने की संभावना है। पुलिस जांच जारी है। आगे और खुलासे होने की संभावना है।

सीएम सैनी करेंगे विकास रैली, 92 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास

सोनीपत,(ईएमएस): हरियाणा सीएम नायब सिंह सैनी रविवार को गोहाना धन्यवाद एवं विकास रैली के दौरान करीब ९२ करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे, करीब २० करोड़ रुपए के कार्यों का उद्घाटन भी किया जाएगा। नई सब्जी मंडी में आयोजित इस रैली को लेकर प्रशासन और बीजेपी संगठन ने व्यापक तैयारियां की हैं। यह रैली इसलिए भी खास है क्योंकि गोहाना में पहली बार बीजेपी की जीत के बाद सीएम यहां आभार जताएंगे। सुबह से ही बदले मौसम ने आयोजकों की चिंता बढ़ा दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक रैली स्थल पर टिन शेड के नीचे मुख्य मंच तैयार किया गया है। भीड़ ज्यादा आने की संभावना को देखते हुए शेड के दोनों ओर टेंट लगाकर बैठने की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है, जिसके चलते सोनीपत रोड से नई सब्जी मंडी तक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। मुख्यमंत्री विकास कार्यों को गति देने के साथ गोहाना में बीजेपी की सियासी पकड़ को और मजबूत करने का संदेश देंगे। रैली की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री एवं गोहाना से विधायक डॉ. अरविंद शर्मा करेंगे। महिलाएं मंगलाचार करते हुए रैली में शामिल होंगी और लाडो लक्ष्मी योजना को लेकर सीएम का आभार जताएंगी। वहीं दूसरी तरफ बदलते मौसम ने आयोजकों की चिंता बढ़ा दी है। रविवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं और ठंडी हवाएं चलने से तापमान में गिरावट आ गई है।

शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य करने बने कानून

नई दिल्ली,(ईएमएस): आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य बनाने के लिए कानून बनाया जाए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मांग उठाई थी। कंग ने कहा था कि आज हमारे समाज में तलाक और घरेलू हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। जब नया रिश्ता जुड़ता है तो लड़की के बारे में बहुत जांच-पड़ताल की जाती है, लेकिन लड़कों को लेकर उतनी जांच-पड़ताल नहीं होती। उनका कहना था कि शादी के समय लोग इस तरह की चीजें छिपा लेते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक

उन्होंने कहा कि सरकार से मांग है कि एक कानून बनाया जाए कि शादी के समय डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच अनिवार्य हो। उन्होंने कहा कि शादी के बाद कई बार सामने आता है कि लड़का गंभीर रूप से बीमार है या फिर वह आपराधिक प्रवृत्ति का है। इससे महिलाओं के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कंग ने कहा कि दूल्हे के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए कि वह मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और डोप टेस्ट का सर्टिफिकेट लड़की वालों के सामने पेश करे और तभी शादी हो। कांग्रेस के उज्ज्वल रमण सिंह ने सरकार से ऑनलाइन कारोबार पर अंकुश लगाने और छोटे एवं मझौले व्यापारियों के हितों के संरक्षण की मांग की है। उन्होंने शून्यकाल को शून्य काल में इस बारे में नियम बनाने और छोटे दुकानदारों और मझौले व्यापारियों का व्यवसाय को बचाने के उपाय करने की सरकार से मांग की। वहीं सपा के वीरेन्द्र सिंह ने किसानों के घरों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने पर बिल बढ़कर आने तथा प्रीपेड मीटर लगाने से उन्हें हो रही कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनकी समस्यायें दूर करने की मांग की।

भारत के सबसे बड़े एयरपोर्ट से अगले 60 दिनों में शुरू होंगी उड़ानें

नई दिल्ली,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के औपचारिक उद्घाटन के साथ ही भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए इस उद्घाटन के बाद अब सभी की निगाहें कमर्शियल ऑपरेशंस शुरू होने पर टिकी हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम की अंतिम मंजूरी मिलते ही यहां से व्यावसायिक उड़ानें पूरी तरह शुरू हो जाएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले ४५ से ६० दिनों के भीतर सभी सुरक्षा मानक पूरे कर लिए जाएंगे और एयरपोर्ट एंट्री पास जारी होने के बाद स्टेकहोल्डर्स अपना काम शुरू कर सकेंगे।

लगभग ६,२०० हेक्टेयर भूमि पर पांच चरणों में विकसित किए जा रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का पहला चरण ११,२०० करोड़ रुपये की लागत से सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर तैयार हुआ है। शुरुआत में यहां से घरेलू उड़ानों का परिचालन होगा, जिसमें दिल्ली और मुंबई जैसे मेट्रो शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद टियर-२ और टियर-३ शहरों के लिए सेवाएं विस्तार लेंगी। जहां तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का सवाल है, इसमें थोड़ा अधिक समय लग सकता है क्योंकि इसके लिए आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग की गहन समीक्षा और मंजूरी अनिवार्य है। हालांकि, इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कनेक्टिविटी के मामले में यह एयरपोर्ट देश के सबसे सुगम हवाई अड्डों में से एक होगा। इसे यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े सड़क मार्गों से जोड़ा गया है। साथ ही रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी पर भी तेजी से काम चल रहा है। एयरपोर्ट के आसपास फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क और सेमीकंडक्टर पार्क जैसी औद्योगिक इकाइयां विकसित की जा रही हैं। इस परियोजना से सीधे तौर पर ५०,००० लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। तकनीकी रूप से यह एयरपोर्ट वैश्विक स्तर का है। पहले चरण में ३,९०० मीटर लंबा रनवे तैयार किया गया है, जो आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और हर मौसम में उड़ान भरने की सुविधा से लैस है।

यहां ४० एकड़ में विमानों की मरम्मत के लिए विशेष केंद्र बनाया गया है। भविष्य में यहां कुल ८ रनवे बनाने की योजना है। एयरपोर्ट का डिजाइन बनारस के घाटों और भारतीय हवेलियों की वास्तुकला से प्रेरित है, जो इसे सांस्कृतिक पहचान भी देता है। फार्म टू ग्लोबल मार्केट मॉडल के तहत यहां से पश्चिमी यूपी के किसानों के उत्पाद और राज्य के करीब १ करोड़ एमएसएमई उद्योगों का सामान सीधे वैश्विक बाजारों तक पहुंच सकेगा।

पैरों में हवाई चप्पल, हाथों में मवेशियों के लिए चारा लिए महिलाएं पहुंची जेवर एयरपोर्ट

नोएडा,(ईएमएस): पीएम नरेंद्र मोदी ने जेवर एयरपोर्ट के लोकार्पण के दौरान कहा कि हमारी कोशिश है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में यात्रा कर सके। पीएम मोदी के लोकार्पण के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के यात्री टर्मिनल बिल्डिंग पर जेवर क्षेत्र से आईं महिआओं ने इसे चरितार्थ करने का प्रयास किया। महिलाओं की टोली हवाई चप्पल पहने सीधे टर्मिनल के गेट पर पहुंची और एक-एक चीज की वहां मौजूद लोगों से जानकारी लेते हुए पूछा की यहां से अयोध्या के लिए जहाज कब जाना शुरू होंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लोकार्पण कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जेवर के अलग-अलग गांव की हवाई चप्पल पहने महिलाएं सीधे एयरपोर्ट पहुंची। महिलाओं के हाथों में मवेशियों के लिए खेतों से चारा बांध कर लाने वाली तिरपाल लगी थी।

एयरपोर्ट टर्मिनल पर पहले से मौजूद लोग महिलाओं की बातों को सुनकर चौक गए। महिलाएं ग्रुप में टर्मिनल पर फोटो खिंचाने के बाद उड़ाने शुरू होते ही अयोध्या जाने की बात करते हुए वापस लौट गईं। लोकार्पण कार्यक्रम में महिला पुलिसकर्मी प्रीति चौधरी की ड्यूटी लगी थी सुबह जैसे ही वह कार्यक्रम स्थल पर ड्यूटी के लिए निकली तो उनकी बेटी ने पूछा कि आप कहां जा रही हो प्रीति चौधरी ने जबाव दिया कि एयरपोर्ट का उद्घाटन करने पीएम मोदी और सीएम योगी आ रहे है, जिसके बाद उनकी बेटी ने दोनों को देखने की जिद की और मां के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंची। प्रीति ने ड्यूटी के साथ-साथ बेटी की भी जिद पूरी की। प्रयागराज के हंडिया निवासी प्रशांत कुमार नोएडा आए हुए थे उन्हें जेवर में पीएम मोदी के एयरपोर्ट लोकार्पण की जानकारी मिली तो कार्यक्रम देखने जेवर पहुंच गए, उन्होंने काले कपड़े पहने हुए थे प्रवेश द्वार पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोक दिया। प्रशांत ने बताया कि उन्हें जानकारी नहीं थी कि काले कपड़ों से प्रवेश नहीं मिलेगा। कार्यक्रम में पहुंचकर भी शामिल नहीं होने का उन्हें बेहद दुख है।

बाबा खरात ने पति को किया बाहर, महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर किया रेप

मुंबई,(ईएमएस): नासिक के स्वयंभू बाबा और ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज हुआ है। सरकारवाड़ा पुलिस थाने में दो नए केस दर्ज किए गए हैं। एक शिकायत में कहा गया है कि खरात ने नेवासा फाटा अहिल्यानगर के एक व्यापारी से २.६ लाख रुपए ठगने का आरोप है। वहीं दूसरा मामला महिला के यौन शोषण का है। आरोप है कि अगस्त २०२४ से दिसंबर २०२४ के बीच अशोक खरात ने महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला का आरोप है कि चार महीने के अंदर अशोक खरात ने चार बार उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में कहा गया है कि पीड़िता की शादी २०१३ में हुई थी। एक बेटी का जन्म हुआ और फिर पति से अनबन हो गई। २०२२ में एक रिश्तेदार ने दंपती को अशोक खरात से मिलवाया। उनकी सलाह के बाद पति-पत्नी साथ रहने लगे।

अगस्त में दंपती खरात से मिलने गया था। खरात ने पति से बाहर इंतजार करने को कहा और इसके बाद महिला को अंदर ले गया। तांबे के बर्तन में कोई नशीला पदार्थ दिया।

पुलिस ने बताया कि खरात ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और धमकी भी दी कि अगर यह बात किसी से बताई तो दैवीय शक्तियां जीवन तबाह कर देंगी। इसके बाद खरात ने कई बार उसे बुलाकर रेप किया और जीवन खराब होने के डर से महिला चुप रही। रेप मामले में खरात की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता सब कुछ बताने की हिम्मत जुटा पाई। महाराष्ट्र में नासिक के स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ पुलिस हेल्पलाइन के जरिए १०० से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गई हैं जिनमें लगभग ७० फीसदी शिकायतकर्ता महिलाएं हैं।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को कहा कि कई पीड़ित, विशेष रूप से महिलाएं, बदनामी के डर, सामाजिक कलंक और आरोपी के राजनीतिक संबंधों के कारण शिकायत देने में संकोच कर रहे थे। इसे हल करने के लिए अधिकारियों ने पीड़ितों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक गोपनीय हेल्पलाइन शुरू की, जिसे काफी प्रतिक्रिया मिली है। खरात के खिलाफ आरोपों में धोखाधड़ी और यौन शोषण दोनों शामिल हैं। पुलिस जांच कर रही है और अधिकारियों ने सभी पीड़ितों से बिना किसी डर के आगे आने का आग्रह किया है। इसके साथ ही खरात के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

नितिन नवीन के इस्तीफे का कार्यक्रम टला, असम रवाना

पटना (ईएमएस): बिहार की राजनीति में आज उस समय अचानक नाटकीय बदलाव आया जब भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के विधायक पद से इस्तीफे का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम टल गया। जानकारी के अनुसार, नितिन नवीन को एक आपातकालीन स्थिति के कारण अचानक असम के डिब्रूगढ़ के लिए रवाना होना पड़ा। इससे पहले यह संभावना जताई जा रही थी कि वे आज सुबह ९ से १० बजे के बीच बिहार विधानसभा की सदस्यता से अपना आधिकारिक त्यागपत्र सौंप देंगे।

इस घटनाक्रम के बीच, बिहार विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार को भी दिल्ली बुलाया गया है। प्रेम कुमार शनिवार रात ही दिल्ली से पटना लौटे थे, लेकिन अब वे पुनः राष्ट्रीय राजधानी के लिए प्रस्थान करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि उन्हें प्रदेश अध्यक्ष द्वारा इस्तीफे की सूचना दी गई थी, जिसके कारण वे पटना आए थे, लेकिन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के असम चले जाने के कारण अब नई तिथि निर्धारित की जाएगी। नितिन नवीन वर्तमान में बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और लगातार पांच बार वहां से विधायक रहे हैं। हाल ही में राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद, संवैधानिक नियमों के तहत उन्हें विधानसभा की सदस्यता छोड़नी होगी। उनके इस्तीफे के बाद बांकीपुर सीट पर उपचुनाव की सुगबुगाहट भी तेज हो गई है।

संवैधानिक प्रक्रिया के इसी क्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देंगे। इस्तीफे की अंतिम तिथि ३० मार्च तय की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, १० अप्रैल को राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हो सकता है। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, नितिन नवीन, उपेंद्र कुशवाहा, शिवेश कुमार और रामनाथ ठाकुर शामिल होंगे।

ये सभी नेता ९ अप्रैल को दिल्ली के लिए रवाना होंगे, जहां अन्य राज्यों से निर्वाचित सदस्यों के साथ वे उच्च सदन की सदस्यता की शपथ लेंगे। नवनिर्वाचित सदस्य शिवेश राम ने पुष्टि की है कि उन्हें समारोह के लिए आधिकारिक सूचना प्राप्त हो चुकी है।

नीतीश ने 32 जिलों में 32 जनसभाओं को संबोधित किया

पटना (ईएमएस): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ३० अप्रैल को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं, जबकि १३ अप्रैल के बाद वे कभी भी मुख्यमंत्री पद छोड़ सकते हैं। मुख्यमंत्री आवास से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। नीतीश कुमार, जो अभी बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं, ने १६ मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में पहले ही जीत हासिल की। नियमों के अनुसार, नीतीश कुमार को संसद के लिए चुने जाने के १४ दिनों के भीतर राज्य विधानमंडल से इस्तीफा देना होता है। इस स्थिति में राज्य विधानसभा या विधान परिषद सदस्य न होने की स्थिति में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से भी इस्तीफा देना होगा। राज्यसभा की सदस्यता को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री ने अपनी समृद्धि यात्रा के ५ चरणों के दौरान इस मामले पर एक भी शब्द नहीं कहा। यह यात्रा २६ मार्च को पटना में समाप्त हुई थी। समृद्धि यात्रा के दौरान, बिहार के मुख्यमंत्री ने ३२ जिलों में ३२ जनसभाओं को संबोधित किया, लेकिन कहीं भी राज्यसभा जाने या मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का जिक्र नहीं किया था। हालांकि, हाल में संपन्न हुए राज्यसभा चुनाव में उन्होंने नामांकन दाखिल किया और पहली बार उच्च सदन के सदस्य के रूप में चुने गए।

भारत में बनेंगे हर साल एक लाख रोबोट

नोएडा (ईएमएस): देश की राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा मे रोबोट फैक्ट्री स्थापित की गई है। नोएडा के १५६ सेक्टर के औद्योगिक क्षेत्र में यह फैक्ट्री रोबोट निर्माण का कार्य कर रही है। इस इंडस्ट्री में हर साल एक लाख रोबोट बनाने का लक्ष्य है। इस फैक्ट्री में कई तरह के रोबोट तैयार किए जाएंगे।

इस काम में लगभग ७०० से अधिक इंजीनियर रोबोट निर्माण के कार्य में लगे हैं। इस कंपनी का नाम एडबर्ड है। इसकी दो फैक्ट्री हैं एक फैक्ट्री का नाम बॉट वेली है। जो लगभग ढाई एकड़ में फैली है। यहां पर रिसर्च और डेवलपमेंट का का काम होता है। इस केंद्र से ४० किलोमीटर दूर १५ एकड़ में बॉट वर्स वर्ष नाम की फैक्ट्री बनी हुई है। जिसकी क्षमता १ लाख रोबोट प्रतिवर्ष बनाने की है।

आइसक्रीम खाई और पैसे मांगने पर हो गया आगबबूला कर दी हत्या

बाराबंकी,(ईएमएस) : उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में एक सनकी अधेड़ ने मामूली विवाद में आइसक्रीम बेचने वाले युवक सिर कलम कर दिया। इतना ही नहीं वारदात के बाद आरोपी सिर को घर ले गया और वहां जल रहे चूल्हे में उसे जलाना शुरू कर दिया। मामला टिकैतनगर थाना क्षेत्र के तराई इलाके का है। जहां घाघरा नदी पार स्थित परसावल गांव के पास दिनदहाड़े इस वारदात को अंजाम दिया गया। मृतक की पहचान बबलू राजभर (२६) के रूप में हुई है, जो बेहटा थाना दरियाबाद क्षेत्र का रहने वाला था। उसने तीन दिन पहले ही साइकिल पर आइसक्रीम बेचने का काम शुरू किया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बबलू राजभर अपने १२ साल के चचेरे भाई नीरज के साथ गांव में बर्फ आइसक्रीम बेचने आया था। बबलू के चार भाई और ४ बहने थीं। टिकैतनगर के लोगों ने बताया कि आइसक्रीम बिक्री के दौरान गांव के रहने वाले शंकर यादव (५०) ने बबलू को रोका और आइसक्रीम मांगी। आइसक्रीम खाने के बाद जब बबलू ने पैसे मांगे तो इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। बताया जा रहा है कि शंकर ने पहले उसे वहां आवाज लगाकर बेचने से मना किया और धमकी दी कि अगर दोबारा आवाज लगाई तो जान से मार देगा।

इसके बावजूद जब बबलू पैसा मांग कर जोर-जोर से आइसक्रीम भी बेचने लगा। इस पर शंकर घर से धारदार हथियार लेकर आया और उसकी गर्दन पर कई वार किए। हमले में बबलू का सिर धड़ से अलग हो गया। वारदात यहीं खत्म नहीं हुई। आरोप है कि हत्या के बाद आरोपी शंकर ने बबलू के सिर को पास घर ले गया। इसके बाद वहां जल रहे चूल्हे में उसे जलाना शुरू कर दिया। पुलिस जब मौके पर पहुंची और आरोपी शंकर को गिरफ्तार कर लिया। इस खौफनाक घटना से इलाके में दहशत फैल गई और मौके पर मौजूद लोग अपनी जान बचाकर भाग खड़े हुए।

स्थानीय लोगों के मुताबिक आरोपी शंकर यादव खेती करता है और उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है उसकी पत्नी और बच्चों ने भी उसे घर से निकाल दिया था और वह खेत में ही रहता था। बताया जा रहा है कि वह दो साल पहले भी जेल जा चुका है। एसपी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वह मानसिक रूप से अस्थिर प्रतीत होता है। मृतक का सिर जला हुआ मिला है और पूरे मामले में जांच की जा रही है।

गुड़हल के फूल से धड़कोना देने पर दूर होती हैं कई बीमारियां, बुरी नजर भी उतरती है

गोंडा,(ईएमएस): गांवों में जब कोई व्यक्ति बीमार होता है, तो उपचार के लिए अक्सर कुछ पारंपरिक तरीके अपनाए जाते हैं। इन्हीं में से एक है अड़हुल यानी गुड़हल के फूल से धड़कोना देना। इस प्रक्रिया में अड़हुल के फूल या उसकी डाली को मरीज के ऊपर घुमाया जाता है या हल्के से स्पर्श कराया जाता है। माना जाता है कि इससे बीमारी दूर होती है या बुरी नजर का असर खत्म हो जाता है। यह एक पुरानी परंपरा है जो पीढ़ियों से चली आ रही है।

ऐसा माना जाता है कि कई बार बीमारी केवल शारीरिक नहीं बल्कि नजर या नकारात्मक ऊर्जा के कारण भी होती है। ऐसे में अड़हुल का फूल धड़कोना देने से मरीज को राहत मिलती है और उसकी तबीयत में सुधार होता है। वैद्य बताते हैं कि आयुर्वेद शास्त्रों में चरक, सुश्रुत और वाग्भट ने जो बातें बताई थी। उस हिसाब से जो आज की स्थिति आप देख रहे हैं मॉडर्न हॉस्पिटल उपलब्ध है और कई टेक्नोलॉजी उपलब्ध है पहले ऐसा नहीं होता था।

इस समय जब किसी की तबीयत खराब होती है तो हम उसे तुरंत अस्पताल पहुंचते हैं या एंबुलेंस

के लिए कॉल करते हैं लेकिन ऐसी पहले कोई सुविधा नहीं थी। पहले जो गांव में वैद्य हुआ करते थे वह माली (फार्मासिस्ट) के साथ में मिलकर इलाज करते थे। यदि छोटी प्रॉब्लम है तो उसकी दवा और जड़ी बूटी देकर ठीक कर देते थे लेकिन प्रॉब्लम बड़ी होती थी और जो उस समय महान वैद्य हुआ करते थे वह घूम-घूम कर पूरे भारत में चिकित्सा देते थे।

संदेश देने के लिए अड़हुल के फूल का इस्तेमाल किया जाता था। अमूमन आप देखते हैं कि जब इसको डाला जाता है तो किसी चौराहे पर ही डाला जाता है। इसके पीछे का सबसे बड़ा रीजन यही है। फिर उसे रास्ते से यदि कोई महान वैद्याचार गुजरते थे तो वह देख लेते थे।

इस गांव में कोई बड़ी संकट है और जाकर वह इलाज करते थे। वैद्य बताते हैं कि वायरस और बैक्टीरिया लाल कलर को देखकर इस पर अटैक करते हैं। इसलिए गांव में यदि किसी को चेचक निकलती है तो अभी भी एक बर्तन में पानी और अड़हुल का फूल डालकर उस व्यक्ति के सिर के ऊपर से सात बार घुमाकर चौराहे पर धड़कोना दिया जाता है।

ऐसा करने से धीरे-धीरे चेचक कम होने लगती है क्योंकि चेचक एक वायरस बीमारी है। चेचक में अड़हुल का फूल खाने के लिए भी कहा जाता है क्योंकि इसमें इम्यूनिटी पावर बूस्ट करने की क्षमता होती है। इसलिए आज भी गांव धड़कोना देने की परंपरा चलती आ रही है। यह एक साइंटिफिक रीजन भी है।

अग्निकांड, मकान में फंसे 4 लोग फायरकर्मियों ने किया रेस्क्यू

पटना(ईएमएस): राजधानी के गांधी मैदान थाना क्षेत्र अंतर्गत दलदली रोड में देर रात एक आवासीय मकान में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना रात करीब २:३० बजे की है, जब प्रेम कुमार नामक व्यक्ति के मकान में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि महज पांच मिनट के भीतर पूरी बिल्डिंग धू-धू कर जलने लगी। आग की तेज लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के घरों के लोग और दुकानदार जान बचाकर बाहर की ओर भागे। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि संकरी गलियां और पतले रास्ते होने के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने करीब ढाई घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया।हालांकि, जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक मकान के भीतर रखा सारा कीमती सामान जलकर राख हो चुका था। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

बिहार बोर्ड में बेटियों का जलवा, सीएम ने दी बधाई

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मैट्रिक की परीक्षा में सफल होने वाले तमाम छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस बार परीक्षा में ८१.७९ प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुये हैं। इसमें छात्राओं की उत्तीर्णता का प्रतिशत ८६.२३ है, जबकि छात्रों की उत्तीर्णता का प्रतिशत ८४.०९ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार मैट्रिक की परीक्षा में दो छात्राओं ने पुष्पांजलि कुमारी और सबरीन परवीन संयुक्त रूप से टॉप किया है, साथ ही कुल मिलाकर सभी छात्राओं का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। मुख्यमंत्री ने छात्राओं के इस प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि इसके लिये छात्राओं के साथ ही उनके अभिभावक भी बधाई के पात्र हैं। छात्राओं की यह उपलब्धि महिला सशक्तीकरण का बड़ा उदाहरण है। बालिकाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वो हर क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों ने भी अच्छी सफलता हासिल की है। सभी सफल छात्र-छात्राओं के उज्जल भविष्य की मैं कामना करता हूं।

पुलिस जीप को ट्रक ने मारी टक्कर, तीन घायल

गोपालगंज: बिहार के गोपालगंज के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बंजारी मोड़ के पास एनएच-२७ पर आज सुबह एक सड़क हादसा हो गया। सूत्रों के मुताबिक एक बेकाबू ट्रक ने गश्ती पर निकली पुलिस टीम की जीप को जोरदार टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर के कारण जीप पलट कर दिनकर, पूर्व प्राचार्य डॉ रमन सिन्हा समेत अन्य गणमान्य गिर गई। बताया जा रहा है कि जीप में बैठे तीन पुलिसकर्मी तारकेश्वर सिंह, मोहम्मद फारूक और सत्येंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और अन्य पुलिसकर्मियों की मदद से सभी घायलों को तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फरार चालक की पहचान कर उसे पकड़ने के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है।

अमेठी में पुलिस ने सपा कार्यकर्ता के घर से 1400 लीटर पेट्रोल-डीजल किया जब्त

अमेठी,(ईएमएस) : यूपी के अमेठी में डीजल-पेट्रोल की कमी की अफवाहों और पेट्रोल पंप पर लग रही भीड़ को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में सपा कार्यकर्ता के घर से भारी मात्रा में तेल बरामद किया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने बरामद तेल को जब्त करते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूरा मामला जनपद अमेठी कोतवाली क्षेत्र के भरेया निधि के पुरवा गांव का है। जहां शनिवार को प्रशासन को सूचना मिली थी की कि किसी घर में बड़ी मात्रा में डीजल और पेट्रोल रखा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने करीब १४०० लीटर डीजल-पेट्रोल बरामद किया है। तेल को चार नीले ड्रम, एक पानी की टंकी और चार छोटे डिब्बों में भरकर अवैध रूप से डंप किया गया था।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर तेल जमा करने वाले दयाराम यादव के खिलाफ विधिक कार्यवाही शुरू कर तेल जब्त कर लिया है।

महाबोधि में फर्जी भिक्षुओं की पहचान कर होगी कार्रवाई

बोधगया (ससे): बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर परिसर में फर्जी भिक्षुओं की बढ़ती समस्या को लेकर अब प्रशासन और संबंधित संस्थाएं पूरी तरह सख्त हो गई हैं। श्रद्धालुओं और पर्यटकों से अवैध रूप से धन वसूलने की घटनाओं ने मंदिर की छवि और सुरक्षा दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसके बाद ठोस कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी गई है। शनिवार को इस मुद्दे पर एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें इंटरनेशनल बुद्धिस्ट काउंसिल, ऑल इंडिया भिक्षु संघ, बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति और बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बीएसपी) के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में सभी पक्षों ने माना कि भिक्षु वेश में ठगी करने वाले लोग न केवल धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचा रहे हैं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं।

बैठक के दौरान आईबीसी के अध्यक्ष भिक्षु नावांग ज्ञयात्सो और सचिव भिक्षु प्रज्ञादीप ने इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए स्पष्ट नीति बनाने की जरूरत बताई। अन्य सदस्यों ने भी सुझाव देते हुए कहा कि मंदिर परिसर में निगरानी और पहचान प्रक्रिया को और मजबूत किया जाए।

इस बैठक में सबसे अहम फैसला यह लिया गया कि फर्जी भिक्षुओं पर नकेल कसने के लिए बीएसपी और बीटीएमसी संयुक्त रूप से अभियान चलाएंगे। सुरक्षा कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएंगे कि वे संदिग्ध लोगों की पहचान करें और उन्हें मंदिर परिसर में प्रवेश से रोकें। इसके साथ ही विभिन्न बौद्ध मठों से यह अपील भी की गई कि वे धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं के बीच पैसे बांटने की परंपरा को बंद करें। अधिकारियों का मानना है कि इस तरह की परंपराएं अनजाने में फर्जी भिक्षुओं को बढ़ावा देती हैं।

बीटीएमसी की ओर से मंदिर परिसर में जागरूकता बढ़ाने के लिए डिस्प्ले बोर्ड भी लगाए जाएंगे, ताकि श्रद्धालु सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत दे सकें। बैठक के बाद अधिकारियों ने मंदिर परिसर का निरीक्षण भी किया और मौके पर मौजूद कुछ संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की। इस दौरान बीटीएमसी की सचिव डॉ. महाश्वेता महारथी, सदस्य डॉ. अरबिंद कुमार सिंह, किरण लामा सहित कई बौद्ध संगठनों के प्रतिनिधि और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन का मानना है कि इस संयुक्त कार्रवाई से मंदिर परिसर की गरिमा और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित की जा सकेगी।

एक से नेशनल हाईवे का सफर होगा महंगा

टूंडला,(ईएमएस): एक अप्रैल से वाहन स्वामियों पर अतिरिक्त टोल टैक्स का बोझ बढ़ जाएगा। नई रेट लिस्ट भी जारी हो गई है। टैक्स में दो से चार प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। नई दरें ३१ मार्च २०२७ तक प्रभावी रहेंगी। मार्च महा खत्म होने वाला है। एक अप्रैल से टोल की नई दरें लागू हो जाएंगी।

जिले में नेशनल हाईवे पर दो टोल प्लाजा हैं। इनमें एक टूंडला के गांव मदावली में और दूसरा सिरसागंज में कठफोरी के पास गुराऊ में है।

भारतीय संस्कृति में लोक कलाओं का बदलता स्वरूप पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार

भागलपुर (ईएमएस) : भागलपुर शहर स्थित एसएम कॉलेज में भारतीय संस्कृति में लोक कलाओं का बदलता स्वरूप विषय पर दो-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. बिमलेन्दु शेखर झा ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि के तौर पर भागलपुर प्रमंडल के आयुक्त अवनीश कुमार सिंह पहुंचे।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कुलपति प्रो. झा ने कहा कि, भारतीय संस्कृति में लोक कलाएँ (फोक आर्ट्स) हमेशा से समाज के जीवन, परंपराओं और मान्यताओं का जीवंत दर्पण रही है। हालांकि समय के साथ इनका स्वरूप लगातार बदलता रहा है। आज के दौर में यह बदलाव और भी तेजी से दिखाई देता है। भारतीय लोक कलाएँ आज परंपरा और आधुनिकता के संगम पर खड़ी हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय लोक कला देश की समृद्ध परंपरा और समाज का जीवंत दस्तावेज है। यह हमारी सांस्कृतिक पहचान है। कुलपति ने कहा कि, पहले मिट्टी के बर्तनों और दीवालों पर भी लोक कलाकृतियाँ ऊकेरी जाती थी। आज के समय में अब यह फैशन बन गया है। अब तो यह परिधानों, पर्स, बैग आदि में भी देखी जा रही है। हालांकि आधुनिकीकरण, शहरीकरण और डिजिटलाइजेशन के कारण इसकी मूल प्रकृति में कमी आई है। गावों में और पौराणिक कथाओं में भी लोक कलाएं काफी प्रचलित थी यहाँ तक की हमारी प्रकृति में भी परिलक्षित होती थी। वीसी ने सेमिनार के विषय वस्तु की काफी सराहना की और आयोजकों को बधाई दिए।

मुख्य अतिथि के तौर पर भागलपुर प्रमंडल के आयुक्त अवनीश कुमार सिंह ने कहा की सेमिनार का विषय काफी समसामयिक और रोचक है। लोक कलाओं को संरक्षित रखने के लिए इसे आम लोगों से जोड़ना होगा। जनता से जुड़ाव जरुरी है। भारत को आज जो विश्व गुरु बनाने का सपना है, उसमें नॉलेज का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि, सेमिनार से निकले निष्कर्ष समाज के लिए काफी उपयोगी साबित होंगे।

एसएम कॉलेज की प्राचार्या व सेमिनार की कन्वेनर प्रो. निशा झा ने सेमिनार का विषय प्रवेश कराया। उन्होंने पारम्परिक संगीत से सबों को अवगत कराया साथ ही लोक संगीत का वर्गीकरण पेश की।

प्राचार्या ने कहा की भारतीय संगीत और सिनेमा पर पाश्चात्य संस्कृति का काफी बुरा प्रभाव देखने को मिल रहा है। लोक संगीत और कला को बढ़ावा देने में सरकार को भी आगे आना होगा। आज कला का स्तर गिर रहा है।

मूर्ति कला खत्म हो रही है। मूर्ति कला से जुड़े कलाकारों को बढ़ावा मिलनी चाहिए। उन्होंने कुलपति से विश्वविद्यालय में विजुअल आर्ट्स का विभाग खोलने की मांग की।

पुष्प वर्षा से अतिथियों का स्वागत किया गया। वहीं धन्यवाद ज्ञापन सेमिनार की आयोजन सचिव ने किया।

सेमिनार के उद्घाटन सत्र में डीएसडब्लू प्रो. अर्चना कुमारी साह, कुलसचिव प्रो. रामाशीष पूर्वे, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी अंकित रंजन, टीएमबीयू के प्रॉक्टर डॉ. मुकेश कुमार सिंह, सीसीडीसी डॉ. एसएन पाण्डेय, कॉलेज इंस्पेक्टर डॉ. रंजना, पीआरओ डॉ. दीपक कुमार दिनकर, पूर्व प्राचार्य डॉ रमन सिन्हा समेत अन्य गणमान्य शिक्षाविद उपस्थित थें।

अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में यूएसए, श्रीलंका, मॉरीशस सहित भारत के कई राज्यों के विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञ और शिक्षाविद ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में भाग ले रहे हैं। एसएम कॉलेज की प्राचार्या व सेमिनार की कन्वेनर प्रो. निशा झा ने आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार के थीम पर विषय प्रवेश कराया।उन्होंने कहा कि सेमिनार का विषय काफी सामयिक और सारगर्भित है।

सेमिनार के पहले प्लेनरी बौद्धिक सत्र में नेपाल के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी के हिन्दी विभाग की एचओडी डॉ. श्वेता दीप्ती ने भारतीय संस्कृति में लोक कला का महत्व विषय पर व्याख्यान दिया। वहीं संस्कार भारती जौनपुर से आयीं डॉ. ज्योति सिन्हा ने भोजपुरी के संदर्भ में भारतीय संस्कृति और लोक गीत, मगध विश्वविद्यालय के डॉ. नीरज कुमार ने भारतीय साहित्य में लोक संस्कृति सिक्किम यूनिवर्सिटी के डॉ. संतोष कुमार ने पूर्वोत्तर भारत में सुषिर वाद्य परम्परा और संस्कृति, प्रयागराज की मधुरानी शुक्ला ने भारतीय लिखा संस्कृति पर अपने विचार रखे।

सेमिनार में सभी संकायों और विषयों के शिक्षक और शोधार्थी भाग ले रहे हैं।

दो दिनों तक चलने वाले सेमिनार में भारतीय संस्कृति और लोक गाथा, भारतीय संस्कृति और लोक गीत, भारतीय संस्कृति और लोक कलाओं पर वैश्विकरण का प्रभाव, भारतीय ज्ञान परम्परा में लोक संगीत और कलाओं का महत्व, लोक कलाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण के अलावे लोक साहित्य, लोक नाट्य आदि उप-विषय वस्तुओं पर विषय विशेषज्ञों द्वारा गहन मंथन होगा। अलग-अलग तकनीकी सत्रों का संचालन किया जा रहा है।

सेमिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं भाग ले रहें हैं। सेमिनार के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन संगीत विभाग की छात्राओं के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के आयोजन में सेमिनार के लिए गठित सभी कमिटी के सदस्यों, शिक्षकों और कर्मियों ने सहयोग किया।

गरीब छात्रों को मुफ्त नीट कोचिंग का अवसर
'पहले आओ, पहले पाओ' आधार पर चयन

रांची (एजेंसी): राज्य के सबसे बड़े चिकित्सा संस्थान रिम्स ने आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी छात्रों के लिए एक सराहनीय पहल की शुरुआत की है। इस योजना के तहत ३० चयनित विद्यार्थियों को मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की पूरी तरह निश्शुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी, जिससे उनके डॉक्टर बनने के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी।

रिम्स प्रबंधन के अनुसार इस योजना के तहत केवल ३० छात्रों का चयन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर तय की गई है, जिससे आवेदन शुरू होते ही छात्रों में उत्साह का माहौल बन गया है। इस पहल का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली छात्रों को अवसर देना है, जो आर्थिक तंगी के कारण महंगी कोचिंग संस्थानों तक नहीं पहुंच पाते।

मेडिकोस देंगे विशेषज्ञ तैयारी का अनुभव

इस कोचिंग कार्यक्रम का संचालन रिम्स के ही मेधावी मेडिकल छात्र-

छात्राएं (मेडिकोस) करेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं का अनुभव रखने वाले ये छात्र चयनित अभ्यर्थियों को विषयों की गहराई, परीक्षा रणनीति और समय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन देंगे। कोचिंग कक्षाएं रिम्स परिसर में नियमित रूप से संचालित होंगी और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण तैयारी का माहौल मिलेगा।

इस योजना का लाभ केवल झारखंड के स्थायी निवासियों को ही मिलेगा। साथ ही अभ्यर्थी का राज्य के सरकारी स्कूल से पढ़ाई करना अनिवार्य रखा गया है।

कोचिंग पूरी तरह निश्शुल्क होगी, हालांकि रहने और भोजन की व्यवस्था छात्रों को स्वयं करनी होगी। इच्छुक छात्र-छात्राएं ६ अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

गरीब छात्रों के लिए बड़ी राहत

राज्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निजी कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता अधिक है, जहां फीस काफी ऊंची होती है। ऐसे में रिम्स की यह पहल उन छात्रों के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आई है, जो संसाधनों की कमी के बावजूद बड़े सपने देखते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस तरह की योजनाओं को लगातार आगे बढ़ाया जाए, तो ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के छात्र भी मेडिकल क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

रिम्स की यह पहल न केवल शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम है, बल्कि यह सामाजिक जिम्मेदारी का भी उदाहरण प्रस्तुत करती है, जो आने वाले समय में कई छात्रों की जिंदगी बदल सकती है।

अब बिना रजिस्ट्रेशन प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे स्किन स्पेशलिस्ट, एसोसिएशन सख्त

रांची (एजेंसी): राज्यभर में बिना रजिस्ट्रेशन के अब स्किन स्पेशलिस्ट प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। इंडियन एसोसिएशन आफ डर्मेटोलॉजिस्ट वेनरोलॉजिस्ट लेप्रोलॉजिस्ट (आईएडीवीएल) ने इसे लेकर सख्ती कर दी है। वहीं रविवार को वेबसाइट ्.ळरव-ैंप्रशहरीज़हरपव.लेा भी लांच कर दिया गया है। जिस पर रजिस्टर्ड डॉक्टरों की पूरी लिस्ट उपलब्ध रहेगी। इतना ही नहीं आम लोग भी खुद से अपने स्किन स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के बारे में जानकारी हासिल कर सकते है।

आईएडीवीएल ने लांच किया वेबसाइट

वेबसाइट पर मेंबर्स के अलावा डॉक्टरों की जानकारी उपलब्ध होगी। इसके अलावा अध्यक्ष से लेकर पदाधिकारियों की भी जानकारी दी गई है। वहीं वेबसाइट पर आनलाइन कंप्लेन का भी आप्शन दिया गया है। जिस पर कोई भी व्यक्ति शिकायत दर्ज करा सकता है। वहीं फर्जी स्किन स्पेशिल्स्ट को लेकर शिकायत सिविल सर्जन के पास भी दर्ज करा सकते है। इसके बाद फर्जी स्किन स्पेशलिस्ट पर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बिना डिग्री वाले कर रहे प्रैक्टिस

डॉ प्रभात ने बताया कि अक्सर देखा जाता है कि कई ऐसे डॉक्टर प्रैक्टिस कर रहे हैं जिनके पास स्किन स्पेशलिस्ट की वैध डिग्री नहीं है। ऐसे फर्जी डॉक्टरों को रोकने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए यह प्लेटफार्म तैयार किया गया है। वेबसाइट के माध्यम से लोग जानकारी हासिल कर सकेंगे कि उनके क्षेत्र में कौन सा डॉक्टर विशेषज्ञ है। अब तक राज्य के १०० स्किन स्पेशलिस्ट ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। जिसकी जानकारी जल्द ही वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। इसके अलावा उन्होंने राज्यभर के स्किन स्पेशलिस्ट डिग्रीधारियों से अपील की है कि वे भी अपना रजिस्ट्रेशन करा लें। ऐसा नहीं करने पर चिन्हित करते हुए सिविल सर्जन से शिकायत की जाएगी।

सख्ती से फर्जी प्रैक्टिस पर रोक

अध्यक्ष डॉ एमबीके सिन्हा ने बताया कि कई डॉक्टर ऐसे है जो एमबीबीएस की डिग्री लेकर स्किन स्पेशलिस्ट की प्रैक्टिस कर रहे है। कुछ ब्यूटी सैलून और पार्लर में भी स्किन ट्रीटमेंट के दावे किए जाते है। लेकिन इसके परिणाम खतरनाक आ रहे है। लोगों को इंफेक्शन हो जा रहा है। कई मामलों में स्थिति गंभीर हो जा रही है। सख्ती से फर्जी प्रैक्टिस करने वालों पर लगाम लगेगी। वहीं हमारे पास डाटा उपलब्ध होगा कि कितने स्किन स्पेशलिस्ट राज्यभर में है जो रजिस्ट्रेशन कराकर प्रैक्टिस कर रहे है।

न्यू देवी मंदिर में जागरण का आयोजन

कतरास (सदे) : प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर अंगारपथरा बीटीसी के समीप स्थित न्यू देवी मंदिर में भव्य जागरण का आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थी। कार्यक्रम से पूर्व मां की ज्योत चौकी देवी मंदिर से जागरण स्थल तक लाई गई। इसके बाद कलाकारों ने मां के भक्ति गीतों से कार्यक्रम की शुरुआत की, जिससे श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। जागरण कार्यक्रम में कतरास की प्रसिद्ध पंकज शर्मा टीम ने अपनी प्रस्तुति दी। इस दौरान गायक पंकज शर्मा, मणिकांत सहाय, गायिका शर्मीली तथा गोविंद ने भक्ति गीतों के माध्यम से मां की महिमा का गुणगान किया। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की। इस अवसर पर वार्ड संख्या ५ की पार्षद निरुपमा देवी सहित कमिटी के सदस्य, महिला एवं पुरुष श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गोड्डा में गणतंत्र मेला महोत्सव 2026 का भव्य उद्घाटन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजा माहौल

गोड्डा (एजेंसी): गोड्डा के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित चतुर्थ राजकीय गणतंत्र मेला महोत्सव २०२६ का रविवार को भव्य उद्घाटन राज्य की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह दो दिवसीय महोत्सव झारखंड की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को दर्शाने का एक

महत्वपूर्ण मंच है।

मंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन लोगों को जोड़ते हैं और स्थानीय कलाकारों को आगे बढ़ने का मौका देते हैं। २९ और ३० मार्च को हो रहे इस महोत्सव में देश के अलग-अलग हिस्सों से कलाकार, गायक, कवि और नर्तक शामिल हो रहे हैं। पहले दिन ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोकनृत्य और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और शहर में उत्साह का माहौल बना हुआ है। उन्होंने बताया कि यह महोत्सव न सिर्फ संस्कृति को बढ़ावा देता है, बल्कि युवाओं, कलाकारों और कारीगरों को भी आगे बढ़ने का अवसर देता है।

मंत्री ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। इस दौरान जनप्रतिनिधि, डीसी, एसपी, अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

31 मार्च अवकाश, इसलिए 30 मार्च को ही निपटेंगे वित्तीय वर्ष के अंतिम भुगतान

रांची (एजेंसी): वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के समापन को लेकर झारखंड सरकार ने राज्य के सभी उपायुक्तों, कोषागार और उप-कोषागार पदाधिकारियों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। कोषागार निदेशालय की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि ३१ मार्च २०२६ को महावीर जयंती के कारण सरकारी अवकाश रहेगा, इसलिए राज्य सरकार के लिए ३० मार्च को ही अंतिम कार्यदिवस माना जाएगा।

निदेशक संध्या गुप्ता ने इस संबंध में सभी विभागों को पत्र भेजकर स्पष्ट किया है कि वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन होने वाले सभी भुगतान, ई-रसीद और कुबेर प्रणाली से जुड़े विपत्र ३० मार्च को निर्धारित समयसीमा के भीतर ही पारित करने की कहा है। यानी ३१ मार्च के दिन के ३:०० बजे तक सभी विभाग अपने विभाग से जुड़ी योजनाओं के विपत्र तैयार कर राशि की निकासी कर सकेंगे।

३० मार्च को कोषागारों में प्राप्त होने वाले सभी विपत्रों का उसी दिन निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो। इसके लिए कोषागार और उप-कोषागार कार्यालयों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है।

इसके साथ ही लंबित बिल, भुगतान आदेश और सरकारी देनदारियों के निपटारे को प्राथमिकता देने को कहा गया है, ताकि वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले सभी विभागों का लेखा-जोखा समय पर पूरा हो सके।

पृष्ठ एक का शेषांश

असम में हेमंत का---

अधिकार, बेहतर आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पाई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न राजनीतिक दलों ने इस समुदाय का केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में आदिवासी समाज के शोषण का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय को बार-बार राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन उनके अधिकारों की अनदेखी की जाती है। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि अब समय बदलाव का है और आदिवासी समाज को अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने झारखण्ड के आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह संघर्ष के बल पर राज्य का निर्माण हुआ, उसी तरह अब असम में भी अधिकारों की लड़ाई लड़ी जाएगी।

हेमंत सोरेन ने आदिवासी समाज की ताकत को रेखांकित करते हुए कहा कि यह समुदाय न केवल सत्ता बनाने बल्कि उसे बदलने की क्षमता भी रखता है। उन्होंने कहा कि अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रहेगा और समाज अपने हक लेकर रहेगा। सोनारी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित सभा में उन्होंने विकास की परिभाषा पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि विकास केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि हर घर तक खुशहाली पहुंचनी चाहिए। उन्होंने युवाओं को अवसर, मजदूरों को सम्मान और स्थानीय समुदाय को अधिकार देने की बात कही। सभा के अंत में उन्होंने जनता से अपील की कि वे झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशियों को विजयी बनाकर बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाएं। इस दौरान बड़ी संख्या में चाय बागान श्रमिक, आदिवासी समुदाय के लोग और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

झारखंड में गैर मान्यता---

जैसी सुविधाओं का पूरा विवरण देना अनिवार्य होगा। प्रशासन का कहना है कि इन मानकों का पालन छात्रों के सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जरूरी है।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई विद्यालय निर्धारित तिथि तक आवेदन नहीं करता है या तय मानकों पर खरा नहीं उतरता है, तो अधिसूचना के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर ऐसे विद्यालयों को बंद भी किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने सभी विद्यालय संचालकों से अपील की है कि वे इस निर्देश को गंभीरता से लें और समय पर आवेदन कर अपने संस्थानों को नियमों के अनुरूप संचालित करें, ताकि विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बंगाल में अगर बीजेपी---

रूप से सशक्त बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी चुनाव से पहले लाभ देने का वादा करती है, लेकिन बाद में योजनाओं को बंद कर देती है।

चुनाव आयोग की प्रक्रिया 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि करीब १.२ करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें उनके समर्थक शामिल हैं। साथ ही, उन्होंने आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादलों को लेकर भी असंतोष जताया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की २२४ सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में २३ और २९ अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना ४ मई को की जाएगी।

अमेरिका-इजराइल ने---

खाड़ी में तैनात है। टूंप प्रशासन ईरान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप और होर्मुज स्ट्रेट पर कब्जे या हमले की योजना बना रहा है। इसके लिए अमेरिका ईरान में कई हफ्तों तक चलने वाले जमीनी वॉर की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट में वाशिंगटन के अज्ञात अधिकारियों के हवाले से बताया कि टूंप किसी भी हमले को मंजूरी देंगे या नहीं, यह अभी अनिश्चित बनी हुई है।

भारत का जग वसंत--

को भी छूट दी है। बता दें गुरुवार को मुंबई में ईरान के कॉन्सुलेट जनरल ने एक पोस्ट में कहा था कि ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने चीन, रूस, भारत, इराक और पाकिस्तान के लिए होर्मुज को खोल दिया है। इसके बाद थाईलैंड और मलेशिया ने भी दावा किया कि उसके लिए भी होर्मुज को खोला गया है। ईरान ने साफ तौर पर कहा है कि इजराइल और अमेरिका और उसके सहयोगियों को यहां से नहीं गुजरने दिया जाएगा। ईरान की संसद ने इस बात का समर्थन किया है कि होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से टोल वसूला जाए। इसको लेकर कानून फाइनल बनाना जाएगा। इसके मुताबिक जहाजों की सुरक्षा के बदले ईरान टोल वसूल सकता है। दूसरे कॉरिडोर में भी जहाजों से एक शुल्क लिया जाता है। जानकारी के मुताबिक कुछ जहजों से शुल्क लिया जाने लगा है। होर्मुज के दोनों ओर जहाजों का जमावड़ा लग गया है। दोनों ओर करीब २००० शिप हरी झंडी मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया के---

अफवाहों और गलत सूचनाओं पर लगाम लगाई जाए। मंत्रियों को निर्देश दिया गया कि वे राज्यों और जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करें। साथ ही, आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल के माध्यम से सटीक जानकारी साझा करने पर जोर दिया गया ताकि जनता तक सही तथ्य पहुंच सकें।

सीमा की सुरक्षा के---

ताकि दुश्मन के ड्रोनों को हवा में ही नाकाम किया जा सके। रणनीतिक योजना के अनुसार, पहले चरण में यह तैनाती पाकिस्तान सीमा पर की जा रही है, जिसके तुरंत बाद दूसरे चरण में चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तैनात बटालियनों को अग्नि प्लाटून से लैस किया जाएगा। यह पूरी कवायद मिशन सुदर्शन चक्र के पूरक के रूप में काम करेगी, जिसका उद्देश्य पूरी भारतीय सीमा को एक अभेद्य एयर डिफेंस कवच प्रदान करना है। सेना अब खुद भी अपनी विशिष्ट जरूरतों के हिसाब से स्वदेशी ड्रोन विकसित कर रही है, जिससे भविष्य के युद्धों में भारत की आत्मनिर्भरता और मारक क्षमता दोनों सुनिश्चित हो सके।

14 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों को लगाया जाएगा एचपीवी टीका, आज से साहिबगंज में अभियान शुरू

रांची (एजेंसी): झारखंड के साहिबगंज जिले के संयुक्त स्वास्थ्य भवन सभागार में शनिवार को सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जिले की १४ वर्ष पूर्ण कर चुकी १४,३९४ बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए रविवार से एचपीवी टीका लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि टीका केवल उन बच्चियों को लगाया जाएगा, जिनकी आयु १५ वर्ष से अधिक नहीं है। जिले के सभी स्कूलों में अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बैठक करके जानकारी दे दी गई है। अभिभावकों से सहमति-पत्र भी लिया जा रहा है, ताकि बच्चियों का टीकाकरण किया जा सके। टीकाकरण में प्रिंसिपल, क्लास टीचर और अभिभावकों की उपस्थिति में ही बच्चियों को वैक्सीन दी जाएगी। पहले चरण में साहिबगंज जिले के आठ सीएचसी में टीकाकरण किया जाएगा। इसके लिए मॉनिटरिंग कमेटी और रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से यह अभियान ३० मार्च से अगले तीन माह तक चलेगा। साहिबगंज नगर परिषद क्षेत्र स्थित पटेल चौक के पास एमसीएच में २९ मार्च २०२६ को सुबह ११ बजे डीसी हेमंत सती समेत अन्य अधिकारियों ने एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ कर दिया।

टीकाकरण का लक्ष्य- सीएचसी बरहेट: १,५५१, सीएचसी बोरियो: २,१८१, सीएचसी पतना: १,०३०, अनुमंडल अस्पताल राजमहल: २,०९४, सीएचसी सदर: २,०३७, सीएचसी तालझारी: ९७९, सीएचसी उधवा: २,२५१, कुल: १४,३९४।

चयनित नवरंग केवट को जय धरती मां फाउंडेशन ने किया सम्मानित

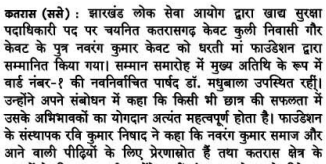

कतरास (सदे) : झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी पद पर चयनित कतरासगढ़ केवट कुली निवासी गौर केवट के पुत्र नवरंग कुमार केवट को धरती मां फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड नंबर-१ की नवनिर्वाचित पार्षद डॉ. मधुबाला उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी छात्र की सफलता में उसके अभिभावकों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। फाउंडेशन के संस्थापक रवि कुमार निषाद ने कहा कि नवरंग कुमार समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं तथा कतरास क्षेत्र के युवाओं के लिए पथप्रदर्शक बनेंगे। वहीं संकल्प एजुकेशन के निदेशक सहदेव महतो ने सफलता को निरंतर परिश्रम का परिणाम बताया। मां तारा संकल्प संस्कृति संवर्धन केंद्र के संस्थापक डॉ. शैलेंद्र कुमार ने कहा कि सही मार्गदर्शन और कठिन मेहनत से ही लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कार्यक्रम में चितरंजन कुमार सिंह, राजकुमार निषाद, पंकज सोनार, रोनित मोदक, आकाश खंडेलवाल, गणेश मोदक, भुवन केवट, बोलाय केवट, कुश केवट, कैलाश केवट, राजेश सिंह, करण केवट, उमेश केवट, दुर्योधन बाउरी, शिवम निषाद, रामजी निषाद सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आवास पुनर्निर्माण पर सियासत तेज, बीजेपी-कांग्रेस में जुबानी जंग जारी

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री आवास के पुनर्निर्माण को लेकर सूबे की सियासत गर्म हो गयी है, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने मुख्यमंत्री आवास के पुनर्निर्माण पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने इसे दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के शीशमहल से तीन गुना ज्यादा खर्च वाला शीशमहल बताया है। वहीं आदित्य साहू के द्वारा दिए गए बयान पर तंज कसते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा का यह रवैया पूरी तरह से दोहरा चरित्र को दर्शाता है। जब उनकी सरकारें सत्ता में होती हैं, तब बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स को विकास का प्रतीक बताया जाता है, लेकिन विपक्ष में आते ही वही काम उन्हें फिजूलखर्ची नजर आने लगता है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री आवास का निर्माण कोई व्यक्तिगत विलासिता का विषय नहीं, बल्कि प्रशासनिक जरूरतों और सुरक्षा मानकों से जुड़ा हुआ मामला है। राज्य के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति के लिए एक व्यवस्थित, सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं से लैस आवास आवश्यक होता है, ताकि शासन-प्रशासन सुचारू रूप से चल सके। राकेश सिन्हा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता के असली मुद्दों महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य ,पैस की किल्लत से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के अनावश्यक विवाद खड़े किए जा रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि यदि भाजपा वास्तव में जनहित के प्रति गंभीर है, तो उसे रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए, न कि हर विकास कार्य में बाधा डालने का प्रयास करना चाहिए।

29000 कॉपियां जांचने के लिए सिर्फ 15 परीक्षक, देर हो सकती है मैट्रिक और इंटर के रिजल्ट में

रांची (एजेंसी): रांची के दो मूल्यांकन केंद्रों पर राजनीति विज्ञान की लगभग २९ हजार कॉपियों की जांच हो रही है, जिन्हें जांचने के लिए केवल १८ परीक्षक हैं। इनमें से तीन प्रधान परीक्षक हैं, जो कॉपियों की जांच नहीं करते हैं।

इस प्रकार २९ हजार कॉपियों के लिए केवल १५ परीक्षक ही उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर रहे हैं। एक परीक्षक एक दिन में लगभग ४० कॉपियों की जांच करता है। ऐसे में सभी कॉपियों के मूल्यांकन में लगभग एक महीना और लग सकता है। इसका

मतलब यह है कि कॉपियों का मूल्यांकन कार्य अप्रैल के अंत तक ही पूरा हो पाएगा, जबकि अप्रैल महीने तक रिजल्ट जारी करने की बात कही गई है। पॉलिटिकल साइंस की २९ हजार कॉपियों में से अब तक लगभग सात हजार कॉपियों की ही जांच हुई है। इनमें मारवाड़ी प्लस टू विद्यालय में लगभग १६ हजार और संत अन्ना इंटर कॉलेज में लगभग १३ हजार कॉपियां हैं।

समाजशास्त्र विषय की कॉपियों के मूल्यांकन के लिए भी आवश्यक संख्या में शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। इंटर स्तर पर इस विषय को पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगभग एक लाख है, लेकिन प्लस टू विद्यालयों में इस विषय के पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं।

ऐसे में केवल इंटर कॉलेज के शिक्षक ही उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण शिक्षकों की कमी है।

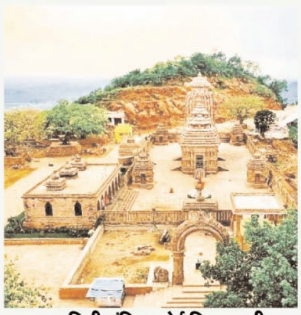

तारा-तारिणी मंदिर :सोई किस्मत भी जाग जाती है

उड़ीसा में तारा-तारिणी मंदिर में कहते हैं सोई किस्मत भी जाग जाती है। बहरामपुर से लगभग 30 किमी दूर कुमारी पहाड़ पर ऋषिकुल्या नदी के किनारे, एक छोटी पहाड़ी पर, जुड़वा देवियों तारा और तारिणी का मंदिर स्थित है। पौराणिक कथाओं की मानें तो कहा जाता है कि यहां मां सती के स्तन गिरे थे, जिसके बाद यहां मां तारा और तारिणी की स्थापना हुई। इस मंदिर की गिनती देश के चार बड़े आदि शक्ति पीठों और तंत्र पीठों में होती है। स्थानीय मान्यता है कि अगर आप शत्रुओं से परेशान हैं या किसी तंत्र के प्रभाव में हैं, तो यहां आकर विशेष अनुष्ठान करने से सारी परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

तारा-तारिणी मंदिर सिर्फ हिंदुओं की आस्था का प्रतीक नहीं है, माना जाता है कि बौद्ध धर्म के लोग मां तारा को अपनी देवी मानते हैं और मंदिर के निर्माण में उनकी भी सहभागिता रही थी। इसी कारण है कि मां तारा को बौद्ध तारा के नाम भी जाना जाता है।

मंदिर के स्थापत्य की बात करें तो मंदिर का मुख्य द्वार देखने में काफी रंगीन है, जिस पर पारंपरिक रेखा शैली से जीवंत दिखने वाली प्रतिमाओं को उकेरा गया है। मंदिर में नक्काशीदार पैनल लगे हैं। मुख्य गर्भगृह में दो पत्थर से बनी प्रतिमाएं हैं जिन्हें मां तारा और तारिणी के रूप में पूजा जाता है। मां की प्रतिमा हमेशा गहनों से लदी रहती है और हर दिन उनका भव्य शृंगार किया जाता है।

अंगूठा बता देता है आपके अंदर का राज

सभी को भविष्य में क्या छिपा है यह राज जानने की जिज्ञासा होती है। जन्मकुंडली के साथ ही हाथ की रेखाएं देखकर भी भविष्य के राज जाने जा सकते हैं। हस्तरेखा विज्ञान में अंगूठे को चरित्र का आइना कहा जाता है। आप इसे देखकर व्यक्ति के बारे में कई गुप्त बातें जान सकते हैं। व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, बचत, काम वासना और रोगों का पता भी अंगूठे से लग जाता है।

अंगूठा लंबा

जिनका अंगूठा लंबा होता है वह बुद्धिमान और उदार होते हैं। ऐसे व्यक्ति शौकीन भी खूब होते हैं। अगर अंगूठा तर्जनी उंगली के दूसरे पोर तक पहुंच रहा है तो व्यक्ति नेक होता है और कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता।

अंगूठा छोटा

अंगूठा छोटा होना अच्छा नहीं माना जाता। ऐसे लोगों के उधार और कर्ज देने से बचना चाहिए क्योंकि पैसा डूबने का डर रहता है। इन्हें जीवन में कई बार हानि उठानी पड़ती और पारिवारिक जीवन में भी उथल-पुथल मचा रहता है।

अंगूठा अधिक चौड़ा

अगर अंगूठा अधिक चौड़ा हो तो व्यक्ति खर्चीले स्वभाव का होता है। ऐसे लोग अक्सर कोई न कोई बुरी लत अपना लेते हैं।

कम खुलने वाला अंगूठा

कम खुलने वाला अंगूठा हस्तरेखा विज्ञान में अच्छा नहीं माना गया है। ऐसे लोगों के हर काम में बाधा आती रहती है और सफलता देर से मिलती है। ऐसे लोग चाहकर भी कमाई के अनुसार बचत नहीं कर पाते हैं।

ऊपर मोटा और गोल हो तो

अगर अंगूठा नीचे पतला और ऊपर मोटा और गोल हो तो ऐसा व्यक्ति शंकालु होते और इन्हे भी अपने काम में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन हाथ भारी हो तो उन्नति करते हैं।

अंगूठा हो लंबा पतला तो

अंगूठा पतला और लंबा हो तो व्यक्ति शांत स्वभाव का होता है। ऐसे व्यक्ति अपने काम वासना पर नियंत्रण रखने में कुशल होते हैं। इन्हें व्यवहारकुशल भी माना जाता है। ऐसे लोग भावुक भी खूब होते हैं।

ऐसे लोग धनी होते हैं

जिनका अंगूठा ज्यादा खुलता है ऐसे लोग धनी होते हैं। अपने व्यक्तित्व के कारण इन्हें समाज में खूब सम्मान मिलता है।

करणी माता मंदिर: यहां 25,000 से ज्यादा हैं चूहे

बीकानेर में स्थित करणी माता मंदिर एक ऐसा मंदिर है जहां हजारों चूहे खुलेआम घूमते हैं और इन्हीं चूहों का जूठा प्रसाद सबसे पवित्र माना जाता है। मंदिर के अंदर करीब 25 हजार से ज्यादा चूहे रहते हैं, जिन्हें स्थानीय लोग प्यार से काबा कहते हैं। ये चूहे मंदिर के फर्श, दीवारों और हर कोने में आराम से घूमते नजर आते हैं। कई बार तो ये भक्तों के पैरों के ऊपर से भी गुजर जाते हैं। मान्यता है कि अगर कोई चूहा आपके पैर के ऊपर से गुजर जाए, तो इसे बहुत शुभ संकेत माना जाता है। इस मंदिर में आने वाले श्रद्धालु दूध, मिठाई और अनाज चूहों को खिलाते हैं। खास बात यह है कि जब चूहे इन चीजों को खा लेते हैं, तो वही बचा हुआ भोजन भक्त प्रसाद के रूप में भी ले जाते हैं। लोगों का विश्वास है कि इस प्रसाद को खाने से देवी की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। इस मंदिर की कहानी भी बेहद रोचक है।

मान्यता के अनुसार, करणी माता को देवी दुर्गा का अवतार माना जाता है। कहा जाता है कि एक बार उनके सौतेले बेटे लक्ष्मण की पानी में डूबने से मृत्यु हो गई। तब करणी माता ने मृत्यु के देवता यमराज से प्रार्थना की कि उनके बेटे को वापस जीवित कर दिया जाए। पहले तो यमराज ने मना कर दिया, लेकिन करणी माता की भक्ति और इच्छाशक्ति से प्रभावित होकर उन्होंने लक्ष्मण समेत सभी नर बच्चों को चूहे के रूप में पुनर्जन्म दे दिया, तभी से यह माना जाता है कि इस मंदिर में रहने वाले चूहे करणी माता के वंशजों के ही रूप हैं। मंदिर से जुड़ी एक और मान्यता है कि यहां अगर आपको सफेद चूहा दिख जाए तो इसे बहुत शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि सफेद चूहे खुद करणी माता और उनके बेटों का प्रतीक हैं। इसलिए भक्त उन्हें देखने की बड़ी कोशिश करते हैं। इस भव्य मंदिर का निर्माण बीकानेर के राजा महाराजा गंगा सिंह ने 20वीं सदी की शुरुआत में करवाया था। मंदिर संगमरमर से बना हुआ है और इसके दरवाजे चांदी के बने हैं, जिन पर देवी से जुड़ी कहानियों की सुंदर नक्काशी की गई है।

-माना जाता है कि मंदिर में 25,000 से ज्यादा चूहे हैं, जिन्हें 'काबा' के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर में मिलने वाले प्रसाद का भोग भी चूहों को लगाया जाता है। जो प्रसाद आंशिक रूप से चूहों ने खा लिया हो उसे पवित्र माना जाता है।

करणी माता मंदिर का इतिहास और वास्तुकला

करणी माता मंदिर की वास्तुकला मुगल शैलीयह मंदिर अपने नाम के अनुरूप ही आकर्षक, जिज्ञासु और मनमोहक है। इसमें संगमरमर की नक्काशी और चांदी के दरवाजे हैं। कई लोगों का दावा है कि गुरुवार को यहां करणी माता का प्रकाश हुआ था। चैत्र शुक्ल नवमी, 1595. इसके समर्पण के बाद से, यहाँ करणी माता की पूजा की जाती है। बीकानेर और उसके आस-पास के क्षेत्रों के लोगों का मानना ??है कि करणी माता देवी दुर्गा का अवतार हैं।

करणी माता एक महिला योद्धा थीं चारण जाति की, उनका बचपन का नाम रिघुबाई था। विवाह के बाद, माता ने सांसारिक मोह-माया से विमुख होकर स्वयं को तप और जनसेवा में समर्पित कर दिया। ऐतिहासिक रूप से, माता का जन्म 1387 एडी और लगभग 100 वर्षों तक जीवित रहे 150 साल.

करणी माता मंदिर का इतिहास निश्चित रूप से सत्यापित नहीं है; मंदिर के बारे में कई पारंपरिक विवरण बताए और सुनाए जाते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि राजा जय सिंह ने इसे बनवाया था, जबकि अन्य कहते हैं महाराजा गंगा सिंह इसे बनाया गया; यह व्यापक रूप से माना जाता है कि उन्होंने इसे राजपूत शैली के रूप में बनाया था 15वीं से 20वीं शताब्दी.

बीकानेर में करणी माता मंदिर का महत्व

करणी माता मंदिर अपने समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। बीकानेर स्थित यह मंदिर चूहों के साथ अपने अनोखे रिश्ते के लिए भी जाना जाता है। जैसा कि पहले कहा गया है, यह मंदिर करणी माता को समर्पित है, जो एक पूजनीय व्यक्ति हैं और माना जाता है कि वे भगवान शिव का अवतार हैं। माँ दुर्गा. इस मंदिर के सुंदर इतिहास और धार्मिक महत्व के कारण हर साल हजारों तीर्थयात्री यहां आते हैं।

करणी माता मंदिर आश्रय स्थल हजारों काले और भूरे चूहेये चूहे मंदिर के परिसर में रहते हैं और अपनी इच्छानुसार इधर-उधर घूमते रहते हैं। इन चूहों को 'काबा' कहा जाता है और इन्हे करणी माता की संतान कहा जाता है। मंदिर में इन चूहों को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुँचाना घोर पाप माना जाता है। यहां तक ??कि भक्तों को भी अपने पैरों को घसीटते हुए चलने की सलाह दी जाती है, ताकि अनजाने में भी किसी चूहे को चोट न लगे। मंदिर में कुछ सफेद चूहे भी दिखाई देते हैं, जिनका दर्शन अत्यंत शुभ माना जाता है।

ऐसा माना जाता है कि सफेद चूहे करणी माता और उनके पुत्र का प्रतीक हैं। चूहों के बचे हुए प्रसाद से जुड़ी एक और अनोखी परंपरा मंदिर में है। मंदिर में देवी को चढ़ाया गया भोजन सबसे पहले चूहों को दिया जाता है, तथा बचा हुआ प्रसाद भक्तों को दे दिया जाता है।

आश्चर्य की बात है कि इस प्रसाद को खाने के बाद किसी के भी बीमार होने की कोई खबर नहीं है। भक्तजन इस प्रसाद को देवी का आशीर्वाद मानकर अत्यंत श्रद्धा से ग्रहण करते हैं।

अगर आपके भी बेडरूम में रखी हैं ये चीजें तो तुरंत बाहर करें, सेहत और रिश्तों को करता है कमजोर

वास्तु मान्यताओं के अनुसार अगर बेडरूम में कुछ गलत या अनुपयुक्त चीजें रख दी जाएं, तो इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। आइए जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार बेडरूम में किन चीजों को रखने से बचना चाहिए।

वास्तु शास्त्र में घर की बनावट, दिशा और वस्तुओं को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि घर में मौजूद हर चीज वहां की ऊर्जा को प्रभावित करती है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार अगर बेडरूम में कुछ गलत या अनुपयुक्त चीजें रख दी जाएं, तो इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। इसका असर व्यक्ति की नींद, मानसिक स्थिति और परिवार के माहौल पर भी पड़ सकता है। कई बार बेडरूम में रखी छोटी-छोटी चीजें भी तनाव का कारण बन जाती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि कमरे में केवल वही चीजें रखें जो सकारात्मकता और शांति का वातावरण बनाएं। आइए जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार बेडरूम में किन चीजों को रखने से बचना चाहिए।

अत्यधिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

वास्तु शास्त्र के अनुसार बेडरूम में जरूरत से ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखना उचित नहीं माना जाता। जैसे टीवी, कंप्यूटर, लैपटॉप या अन्य गैजेट्स। माना जाता है कि इनसे निकलने वाली तरंगें व्यक्ति की नींद और मानसिक शांति को प्रभावित कर सकती हैं।

टूटी या खराब वस्तुएं

बेडरूम में टूटी हुई घड़ी, खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान या टूटे हुए फर्नीचर रखना भी शुभ नहीं माना जाता। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसी चीजें नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं और घर के वातावरण पर असर डाल सकती हैं।

कांटेदार पौधे

वास्तु के अनुसार कैक्टस जैसे कांटेदार पौधों को बेडरूम में नहीं रखना चाहिए। माना जाता है कि ऐसे पौधे घर में तनाव और नकारात्मकता को बढ़ा सकते हैं। खासकर पति-पत्नी के रिश्तों में भी इसका असर पड़ सकता है। अगर आप कमरे में पौधे रखना चाहते हैं, तो ऐसे पौधों का चयन करें जो सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं।

देवी-देवताओं की तस्वीरें या मूर्तियां

कई लोग बेडरूम में देवी-देवताओं की तस्वीर या मूर्ति लगा देते हैं। हालांकि वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा करना सही नहीं माना जाता। पूजा-पाठ के लिए घर में अलग स्थान होना चाहिए। बेडरूम को विश्राम और निजी जीवन का स्थान माना जाता है, इसलिए ऐसा करने से बचें।

गमले में लगाएं ड्रैगन फ्रूट, बस अपनाएं ये ट्रिक्स और पाएं जबरदस्त पैदावार

घर की छतों या बालकनियों पर फल उगाने का चलन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, और इस लिस्ट में ड्रैगन फ्रूट एक खास पसंदीदा फल बनकर उभरा है। यह कैक्टस परिवार का एक पौधा है जिसे बहुत कम पानी और कम देखभाल के साथ आसानी से उगाया जा सकता है। सही तरीकों को अपनाकर, आप घर पर ही ताजे और सेहतमंद ड्रैगन फ्रूट का आनंद ले सकते हैं।

सही पौधा और गमला चुने

ड्रैगन फ्रूट उगाने के लिए, आप किसी नर्सरी से इसकी कटिंग या एक छोटा पौधा खरीद सकते हैं। इसे लगाने के लिए एक बड़ा और मजबूत गमला चुनें और यह सुनिश्चित करें कि उसमें पानी निकलने की अच्छी व्यवस्था हो। कम से कम 15-20 इंच वाला गमला इसके लिए सबसे अच्छा रहता है, क्योंकि यह पौधा तेजी से फैलता है।

मिट्टी को सही तरीके से तैयार करना

इस पौधे के लिए ऐसी मिट्टी जरूरी है जिसमें से पानी आसानी से निकल जाए। मिट्टी का मिश्रण तैयार करने के लिए, 50% बगीचे की मिट्टी, 30% रेत और 20% गोबर की खाद को आपस में मिलाएं। यह मिश्रण सुनिश्चित करता है कि पौधे को पर्याप्त पोषक तत्व मिलें और साथ ही मिट्टी में पानी जमा न हो-जिससे इसकी जड़ें सड़ने से बची रहती हैं।

पौधा लगाने का सही तरीका

कटिंग को मिट्टी में लगभग 2-3 इंच गहरा दबाकर लगाएं और उसमें हल्का पानी दें। गमले को ऐसी जगह पर रखें जहां उसे रोजाना 5-6 घंटे सीधी धूप मिल सके। लेकिन ड्रैगन फ्रूट का पौधा एक बेल की तरह बढ़ता है, इसलिए इसे सहारा देने के लिए लकड़ी या धातु का एक खंभा लगाना बहुत जरूरी है।

पानी देना और देखभाल

ड्रैगन फ्रूट के पौधों को बहुत ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती, हफ्ते में एक या दो बार पानी देना ही आमतौर पर काफी होता है। गर्मियों के महीनों में, आप पानी की मात्रा थोड़ी बढ़ा सकते हैं, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि मिट्टी में पानी जमा न होने पाए। महीने में एक बार जैविक खाद डालने से पौधे का विकास तेजी से होता है।

फूल आने और फल लगने की प्रक्रिया

ड्रैगन फ्रूट का पौधा 8-10 महीनों में बड़ा होने लगता है और आमतौर पर 1-2 साल के भीतर इसमें फल लगने शुरू हो जाते हैं। इसमें बड़े-बड़े सफेद फूल आते हैं जो रात के समय खिलते हैं, और बाद में यही फूल फल में बदल जाते हैं। फूल आने के समय हल्की खाद और सही मात्रा में पानी देने से फलों की अच्छी पैदावार सुनिश्चित होती है।

कटाई का समय

फल लगने के 30 से 50 दिनों के बाद ड्रैगन फ्रूट पककर कटाई के लिए तैयार हो जाता है। जब फल का रंग गहरा गुलाबी या लाल हो जाए, तब उसे तोड़ लें। एक बार पौधा अच्छी तरह जम जाने के बाद, यह साल में कई बार फल दे सकता है।

एसी-कूलर का बिजली बिल होगा आधा, घर में लगाएं ये कूलिंग प्लांट

गर्मी के मौसम में घर को ठंडा रखना बड़ी चुनौती बन जाता है। एसी और कूलर चलाने से बिजली का बिल भी तेजी से बढ़ जाता है। ऐसे में घर के अंदर कुछ खास कूलिंग प्लांट लगाने से प्राकृतिक तरीके से तापमान कम किया जा सकता है। ये पौधे हवा को शुद्ध करते हैं, नमी बनाए रखते हैं और कमरे को ठंडा महसूस कराने में मदद करते हैं। खास बात यह है कि इन्हें घर के अंदर या बालकनी में आसानी से उगाया जा सकता है। अगर आप भी बिना ज्यादा बिजली खर्च किए घर को ठंडा रखना चाहते हैं, तो इन 5 कूलिंग प्लांट को जरूर लगाएं।

एलोवेरा प्लांट

एलोवेरा गर्मियों के लिए सबसे फायदेमंद पौधों में से एक माना जाता है। यह पौधा हवा से गर्मी और टॉक्सिन को कम करने में मदद करता है। एलोवेरा रात में भी ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे कमरे की हवा फ्रेश और ठंडी महसूस होती है। इसे खिड़की के पास या बालकनी में रखना सबसे अच्छा होता है।

स्नेक प्लांट

स्नेक प्लांट को 'मदर-इन-लॉ टंग' भी कहा जाता है। यह पौधा बहुत कम पानी में भी आसानी से बढ़ जाता है और घर की हवा को साफ रखने में मदद करता है। इसकी खासियत यह है कि यह दिन और रात दोनों समय ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे कमरे का वातावरण ठंडा और आरामदायक बनता है।

मनी प्लांट

मनी प्लांट सिर्फ सजावट के लिए ही नहीं, बल्कि घर को ठंडा रखने में भी मददगार है। इसकी हरी पत्तियां कमरे में नमी बनाए रखती हैं और गर्म हवा को संतुलित करती हैं। इसे पानी या मिट्टी दोनों में आसानी से उगाया जा सकता है।

एरेका पाम

एरेका पाम एक नेचुरल ह्यूमिडिफायर की तरह काम करता है। यह हवा में नमी बनाए रखता है, जिससे कमरे का तापमान संतुलित रहता है। बड़े कमरे या लिविंग एरिया में इसे रखना सबसे अच्छा माना जाता है।

पीस लिली

पीस लिली न केवल घर की सुंदरता बढ़ाती है बल्कि हवा को भी शुद्ध करती है। यह पौधा वातावरण में मौजूद कई हानिकारक तत्वों को हटाता है और घर के अंदर ठंडा और फ्रेश माहौल बनाने में मदद करता है।

घर में रखी पुरानी चीजों से सजाएं अपना घर, बिना खर्च मिलेगा नया लुक

हर कोई चाहता है कि उसका घर सुंदर और सबसे अलग दिखे, लेकिन अक्सर हमें लगता है कि घर को नया लुक देने के लिए बहुत सारे पैसों की जरूरत होगी। सच तो यह है कि घर की सजावट महंगी चीजों से नहीं बल्कि आपकी क्रिएटिविटी और समझ से होती है। हमारे घर में कई ऐसी पुरानी चीजें होती हैं जिन्हें हम बेकार समझकर फेंक देते हैं, जबकि उन्हीं चीजों का सही इस्तेमाल आपके घर की खूबसूरती को कई गुना बढ़ा सकता है। थोड़ी सी मेहनत और रचनात्मक सोच से आप बिना पैसे खर्च किए भी अपने घर को नया और आकर्षक लुक दे सकती हैं। अगर आप भी इस फेस्टिव सीजन में अपने घर का मेकओवर करना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए बेहद काम का है। यहां हम आपको 3 ऐसी पुरानी चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप आसानी से दोबारा इस्तेमाल करके घर की सजावट कर सकती हैं।

कांच की पुरानी बोतलें बनेंगी शानदार फूलदान

अक्सर सॉस, जैम या कोल्ड ड्रिंक की कांच की बोतलें खाली होने के बाद हम फेंक देते हैं, जबकि इन्हें खूबसूरत फूलदान में बदला जा सकता है। पुरानी बोतलों को सजाकर आप घर के किसी भी कोने को आकर्षक बना सकती हैं।

कैसे सजाएं

बोतल को अच्छी तरह साफ कर लें। उस पर ऊन, जूट की रस्सी या रंगीन धागा लपेट सकते हैं। चाहें तो पेंट से छोटे-छोटे डिजाइन बना दें। गले में सुंदर रिबन या लेस बांध दें। नया लुक : इन बोतलों में मनी प्लांट या छोटे फूल लगाकर आप खिड़की, डाइनिंग टेबल या शेल्फ पर रख सकती हैं। इससे कमरा मॉडर्न और फ्रेश दिखाई देता है।

पुरानी साड़ियों या दुपट्टों से बनाएं कुशन कवर

अलमारी में कई ऐसी साड़ियां या दुपट्टे होते हैं जिन्हें हम अब नहीं पहनते, लेकिन उनका कपड़ा बहुत सुंदर होता है। इनका इस्तेमाल करके आप अपने घर के लिए शानदार कुशन कवर बना सकती हैं।

मकड़ी के जाल से छुटकारा घर में साफ-सफाई के साथ अपनाएं ये आसान उपाय

घर में मकड़ियों और उनके जाल का होना अक्सर परेशान कर देता है। कभी-कभी एक दिन पहले साफ किए गए कोने में अगले ही दिन फिर जाल दिखाई देने लगते हैं। हालांकि ज्यादातर मकड़ियां सीधे नुकसान नहीं करतीं, लेकिन उनकी मौजूदगी घर में असहज माहौल पैदा कर सकती है। आइए जानते हैं कि कैसे घर को मकड़ियों और उनके जाल से हमेशा के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है।

क्यों मकड़ियां घर में आती हैं?

मकड़ियां गर्म और सुरक्षित वातावरण पसंद करती हैं। घर के कोने, खिड़कियां और दरवाजे उनके लिए शिकार और रहने की आदर्श जगह बन जाते हैं। रिसर्च बताती है कि मकड़ियां गंध, सतह की बनावट और आसपास के बदलाव के आधार पर अपने आसपास का माहौल समझती हैं। ऐसे में अगर इन चीजों को असहज बनाया जाए, तो मकड़ियां उन जगहों से दूर रहती हैं।

पिपरमिंट ऑयल से रोकथाम

सबसे आसान और प्रभावी तरीका है पिपरमिंट ऑयल का इस्तेमाल। जर्नल ऑफ इकोनॉमिक एंटोमोलॉजी के अनुसार, इसकी तेज खुशबू मकड़ियों के सेंसर को प्रभावित करती है और उन्हें दिशा पहचानने और शिकार ढूंढने में परेशानी होती है। पानी में 10-15 बूंद पिपरमिंट ऑयल मिलाएं। स्प्रे बोतल में डालकर घर के कोनों, खिड़कियों और दरवाजों के आसपास छिड़कें।

सफेद सिरका

सफेद सिरका भी मकड़ियों को दूर रखने में मददगार है। इसमें मौजूद एसिटिक एसिड मकड़ियों के लिए तेज गंध पैदा करता है। पानी में सिरका मिलाकर स्प्रे बनाएं। अक्सर जाल बनने वाले कोनों और दरारों में इसका स्प्रे करें।

नींबू और संतरे के छिलके

जर्नल ऑफ टॉक्सोलॉजी की स्टडी के अनुसार, नींबू और संतरे के छिलके में मौजूद लिमोनीन नामक तत्व मकड़ियों को पसंद नहीं आता। खिड़कियों, दरवाजों और दीवारों के किनारों पर साइट्रस छिलके रगड़ें। यह मकड़ियों को दूर रखने का प्राकृतिक और सुरक्षित उपाय है।

देवदार (सीडरवुड)

सीडरवुड यानी देवदार की लकड़ी से बने उत्पाद भी मकड़ियों को दूर रखते हैं। इनमें मौजूद प्राकृतिक तेल मकड़ियों के लिए असहज माहौल बनाते हैं। घर के स्टोर रूम, अलमारी या बेसमेंट में सीडरवुड ब्लॉक या चिप्स रखें।

घर की नियमित सफाई

सबसे जरूरी उपाय है साफ-सफाई। धूल-मिट्टी और ज्यादा सामान जमा होने से मकड़ियों को छिपने और जाले बनाने की जगह मिल जाती है।

क्या करें

नियमित रूप से वैक्यूम क्लीनिंग करें। ड्रॉकोनों, दराज और अलमारियों की सफाई करें। अनावश्यक सामान हटाएं। मकड़ियों और उनके जाल से छुटकारा पाने के लिए घरेलू उपाय + नियमित सफाई सबसे प्रभावी तरीका है। पिपरमिंट ऑयल, सफेद सिरका, साइट्रस छिलके और सीडरवुड के इस्तेमाल से घर को मकड़ियों के लिए असहज और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

साबुन के छोटे-टुकड़े आपके घर के कई बड़े कामों को बना सकते हैं आसान

साबुन के बचे हुए टुकड़ों को फेंकने के बजाय उनका स्मार्ट इस्तेमाल कर घर की कई समस्याएं सुलझाई जा सकती हैं। ये टुकड़े जाम हुई वैन और दरवाजों की चरमराहट को ठीक करने के साथ-साथ कपड़ों को महकाने और सिलाई चॉक के विकल्प के रूप में भी काम आ सकते हैं।

जब हम नहाते हैं तो साबुन का इस्तेमाल जरूर करते हैं। अक्सर साबुन घिसकर छोटे हो जाते हैं, तो इनका इस्तेमाल करना भी काफी मुश्किल हो जाता है। अगर आपके बाथरूम के रैक पर साबुन के छोटे-छोटे टुकड़े रखे हैं, तो इनको फेंके नहीं। साबुन के यह छोटे-टुकड़े आपके घर के कई बड़े कामों को आसान बना सकते हैं। चाहे किचन की सफाई हो या फिर कपड़ों की देखभाल। यदि आपके पास घर में साबुन के छोटे-छोटे टुकड़े पड़े हैं, तो इन्हें वेस्ट समझने के बजाय इकट्ठा करके रख लें। आइए आपको इस लेख में बताते हैं साबुन के स्मार्ट रियूज तरीके बताने जा रहे हैं।

दरवाजे के कब्जे या बैग की वैन को ठीक करना

अगर आपकी पुरानी जैकेट, बैग या जींस की वैन फंसने लगे, तो काफी जोर लगाने पर भी नहीं खुलती है। इसके लिए साबुन का टुकड़ा बेहद काम आ सकता है। इसके लिए आप सूखी वैन के दांतों पर साबुन के टुकड़े को धीरे-धीरे रगड़ें और वैन को दो-तीन बार ऊपर-नीचे करें। बता दें कि, साबुन लुब्रिकेंट का काम करता है, जिससे वैन मक्खन की तरह चलने लगती है।

इसके अलावा, आपके घर के दरवाजे या खिड़कियां के कब्जे में काफी आवाज आ रही है, तो उन पर गीला साबुन रगड़ दें। इसके इस्तेमाल से कुछ ही देर में आवाज तुरंत बंद हो जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कुर्दिस्तान के राष्ट्रपति आवास पर ड्रोन अटैक: अमेरिका ने बताया कायरतापूर्ण हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया का पुरा इलाका इन दिनों बारूद के ढेर पर बैठा हुआ

है। ताजा मामला इराक के कुर्दिस्तान से आया है, जहां राष्ट्रपति के आवास को निशाना बनाकर एक बड़ा ड्रोन हमला किया गया। इस हमले ने न सिर्फ कुर्दिस्तान बल्कि अंतरराष्ट्रीय गलियारों में भी हड़कंप मचा दिया है। घटना के बाद से अमेरिका बेहद तल्ख तेवर में नजर आ रहा है। वहीं, ईरान भी चुप नहीं है। दोनों देशों के बीच का पुराना विवाद एक बार फिर सामने आ गया है। जैसे ही राष्ट्रपति आवास पर हमले की खबर आई, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बिना देर किए एक बयान जारी किया। अमेरिका ने हमले को कायरतापूर्ण आतंकवादी कृत्य बताते हुए इसकी कड़े शब्दों में निंदा की है। अमेरिका ने साफ लफ्जों में कहा है कि वह कुर्दिस्तान और इराक की संप्रभुता और सुरक्षा के साथ मजबूती से खड़ा है। अमेरिका ने इराकी प्रशासन से मांग की है कि इस साजिश के पीछे जो भी चेहरे हैं, उन्हें बेनकाब कर सख्त से सख्त सजा दी जाए।

ब्रिटेन के डर्बी में अनियंत्रित कार ने पैदल जा रहे लोगों को रौंदा; कई की हालत गंभीर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के डर्बी शहर में शनिवार की शाम एक बड़ी घटना हुआ। यहां शहर के बीचों-बीच एक कार ने कई पैदल यात्रियों को रौंदा दिया। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं। इनमें से कुछ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को पहले मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया और फिर उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना रात करीब 9-30 बजे फायर गेट इलाके में हुई। इस घटना में एक काले रंग की सुजुकी स्विफ्ट कार शामिल थी। डर्बीशायर पुलिस ने बताया कि अधिकारियों ने तुरंत उस गाड़ी को रोक लिया जिस पर शक था। पुलिस ने कार चला रहे 30 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। वह व्यक्ति अभी पुलिस की हिरासत में है। पुलिस ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि अब जनता के लिए कोई खतरा नहीं है। हालांकि, जांच जारी रहने तक लोगों को उस इलाके से दूर रहने के लिए कहा गया है। सुरक्षा के लिहाज से फायर गेट को कर्जन स्ट्रीट और वीपसाइड के जंक्शन से लेकर फोर्ड स्ट्रीट तक बंद कर दिया गया है। पुलिस उन लोगों की तलाश कर रही है जिन्होंने घटना के समय डर्बी में काले रंग की सुजुकी स्विफ्ट देखी थी। पुलिस ने ऐसे लोगों से सामने आने और जानकारी देने की अपील की है। स्थानीय सांसद कैथरीन एटकिसन ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि वह इस गंभीर घटना की खबर सुनकर बहुत हैरान हैं। उन्होंने घायलों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और आपातकालीन सेवाओं के काम की तारीफ की। उन्होंने लोगों से पुलिस की सलाह मानने और किसी भी तरह की जानकारी अधिकारियों के साथ साझा करने का अनुरोध किया है। फिलहाल पुलिस इस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

ट्रक से 12 टन किटकैट चॉकलेट बार चोरी, इटली से पोलैंड में नहीं पहुंचा माल

ज्यूरिख, एजेंसी। यूरोप में पिछले हफ्ते 12 टन किटकैट चॉकलेट बार गायब हो गए। स्विस फूड कंपनी नेस्ले ने शनिवार को बताया कि चॉकलेट ले जा रहा ट्रक चोरी हो गया। किटकैट ने कहा कि उसका ट्रक 4,13,793 चॉकलेट बार लेकर मध्य इटली से यूरोप में आपूर्ति के लिए निकला था। लेकिन यह ट्रक पोलैंड में अपने तय अंतिम गंतव्य तक नहीं पहुंचा। ट्रक और उसमें मौजूद सामान अभी तक नहीं मिला है। किटकैट को नेस्ले बनाती है। एक अलग बयान में किटकैट ने कहा कि गायब हुए चॉकलेट बार को एक खास बैच कोड के जरिये ट्रैक किया जा सकता है। जो भी व्यक्ति इन चोरी हुई चॉकलेट के बैच नंबर को स्कैन करेगा।

इस्राइली राडार केंद्र और हवाई अड्डे पर ईरान का हमला; एक और फलस्तीनी कैदी की मौत

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया का युद्धक्षेत्र दिन-ब-दिन और भयानक होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से क्षेत्र में आग का तूफान है। दूसरी ओर ईरान ने भी खाड़ी देशों मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इस्राइल में भयंकर और सटीक हमला कर चारों तरफ धुंआ-धुंआ कर रखा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 30वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल काबू से बाहर है।

तेहरान के उत्तर भाग में हाल ही में कई बड़े धमाके सुने गए। पहाड़ी इलाके से धुआं उठता देखा गया है, हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं कि किस लक्ष्य को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, कराज शहर में भी कई धमाके सुने गए। यह क्षेत्र सैन्य प्रतिष्ठानों के लिए जाना जाता है, लेकिन कुछ नागरिक स्थल भी प्रभावित हुए होने की आशंका है। संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनकी वायु सुरक्षा बल मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे का सक्रिय रूप से मुकाबला

कर रही हैं। देशभर में जो आवाजें सुनाई दे रही हैं, वे सक्रिय सुरक्षा ऑपरेशन की कार्रवाई हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस्राइल ने ईरानी मिसाइल को सफलतापूर्वक रोकने की खबर सामने आई है। चैनल 12 के अनुसार, इजरायली सैन्य बलों ने मिसाइल को इंटरसेप्ट किया, जिसके कारण दक्षिण इस्राइल के नेगेव और डेड सी क्षेत्रों में एयर रैप्ट की चेतावनी बज उठी। ईरान ने इस्राइली राडार केंद्र और हवाई अड्डे को हमले में निशाना बनाया ईरानी प्रेस टीवी ने शनिवार को इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ईरानी सेना और तेहरान के मध्यपूर्वी सहयोगियों द्वारा किए गए हमलों के विभिन्न ठिकानों की जानकारी दी। टीवी ने बताया कि ड्रूज़्ह्ट ने ‘लॉन्ग-रेंज और मीडियम-रेंज टोस और तरल ईंधन वाले सिस्टम और हमलावर ड्रोन का इस्तेमाल करके इस्राइल और अन्य स्थानों में इस्राइली-अमेरिकी विरोधी उद्योगों को निशाना बनाया। ड्रूज़्ह्ट ने दावा किया कि उसने एक अमेरिकी रूक्ष ड्रोन को मार गिराया और एक ख-16 लड़ाकू विमान को निशाना बनाया।

इस्राइली हिरासत में एक और फलस्तीनी कैदी की मौत: फलस्तीनी कैदियों और रिहा किए गए कैदियों के मामलों की संस्था और फलस्तीनी कैदी समाज ने बताया कि 8 जनवरी को गिरफ्तार किए गए मारवान फाथी हरज़ुल्ह्ह की इस्राइल के मेगिद्दो जेल में मौत हो गई। हरज़ुल्ह्ह उन 100 से अधिक फलस्तीनी कैदियों में शामिल हैं, जो अक्तूबर 2024 से इस्राइली जेलों और हिरासत केंद्रों में मारे गए हैं।

हमलों से टूटी ईरान की कमर

रजा पहलवी ने ट्रंप को कहा शुक्रिया, बोले- होगा सत्ता का परिवर्तन

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने

कहा है कि ईरान के मौजूदा शासन को पूरी तरह से खत्म करना होगा। उनके अनुसार, सत्ता का यह बदलाव बहुत ही व्यवस्थित तरीके से होगा। पहलवी ने यह बात अमेरिका के टेक्सास में आयोजित कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस के दौरान कही है। पहलवी ने ईरान के शासन को कमजोर करने के लिए अमेरिकी सैन्य अभियानों की जमकर तारीफ की। उन्होंने मिडनाइट हैमर और एपिक फ्यूरी जैसे अभियानों का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों की वजह से ईरान की सत्ता पर काबिज लोग बहुत कमजोर हो गए हैं। पहलवी के मुताबिक, इन सैन्य कार्रवाइयों में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके कई करीबी साथी मारे गए हैं। इसके अलावा, ईरान की 80 प्रतिशत से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों का भंडार और परमाणु ठिकाने भी नष्ट हो गए हैं। उन्होंने इन कार्रवाइयों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सेना का आभार जताया। पहलवी ने कहा कि ट्रंप के मजबूत इरादों और अमेरिकी सैनिकों की बहादुरी ने लाखों ईरानियों को एक मौका दिया है। अब वे दशकों से चले आ रहे दमन और अस्थिरता को खत्म करने के लिए लड़ सकते हैं। पहलवी ने चेतावनी दी कि अगर मौजूदा शासन का थोड़ा भी हिस्सा बचा रह गया, तो खतरा कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जो लोग 47 साल से अराजकता फैला रहे हैं, उन पर शांति या सुधार के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता। उनके अनुसार, आतंकवादी कभी शांति नहीं ला सकते। अगर उन्हें सत्ता में रहने दिया गया, तो वे केवल और ज्यादा तबाही और अस्थिरता ही लाएंगे। भविष्य की योजना के बारे में बताते हुए पहलवी ने कहा कि वह देश के भीतर और बाहर रहने वाले ईरानियों की मांग पर लोकतांत्रिक बदलाव का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। उनकी टीम ने ईरान प्रॉस्पेरिटी प्रोजेक्ट नाम से एक विस्तृत योजना तैयार की है। यह योजना शासन गिरने के बाद के पहले 100 दिनों और देश के लंबे समय तक पुनर्निर्माण के लिए एक रोडमैप की तरह काम करेगी। वह अपना समर्थन जारी रखे। उन्होंने वाशिंगटन से कहा कि वे इस गिरते हुए शासन को कोई जीवनदान न दें। अमेरिका को चाहिए कि वह ईरानी लोगों के लिए रास्ता साफ करे ताकि वे अपना काम पूरा कर सकें। वह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में तनाव बहुत ज्यादा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्रीय युद्ध का खतरा बना हुआ है।

हमारी कार्रवाई से और तेज होगा आईडीएफ का पतन

सैनिकों की कमी से जूझ रहे इस्राइल को ईरान की खुली धमकी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जंग का दायरा खतरनाक स्तर तक फैल चुका है। अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बीच ईरान भी आक्रामक रुख अपनाए हुए है। ऐसे में बड़ा सवाल है, क्या यह संघर्ष और भयानक होने वाला है? क्या वाकई में इस्राइल सेना की कमी से जूझ रहा है? और क्या ईरान की रणनीति हालात को पूरी तरह बदल सकती है? पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयानक होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से क्षेत्र में आग का तूफान है। दूसरी ओर ईरान ने भी खाड़ी देशों मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इस्राइल में भयंकर और सटीक हमला कर चारों तरफ धुंआ-धुंआ कर रखा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 30वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल काबू से बाहर है। इसी बीच अब ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर

गालिबाफ ने इस्राइल को कड़ी चेतावनी देते हुए बड़ा बयान दिया है। शनिवार को गालिबाफ ने कहा कि इस्राइल के खिलाफ ईरान की जवाबी कार्रवाई उसकी सेना के पतन को और तेज कर देगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि इस्राइल अपनी सेना की आंतरिक कमजोरियों को छिपाने के लिए तनाव बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान के औद्योगिक ठिकानों पर हमले करके इस्राइल अपने लोगों और सरकार का भरोसा वापस लाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन ऐसा करना उसके लिए उल्टा साबित होगा।

अपने बयान में गालिबाफ ने इस्राइल के सेना के प्रमुख एयाल जमीर के हालिया बयान का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि ईरान की प्रतिक्रिया केवल जवाबी नहीं होगी, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति के तहत होगी, जो इस्राइल की रक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को निशाना बनाएगी। बता दें कि गालिबाफ का यह बयान इस्राइल की सेना के प्रमुख एयाल जमीर की हालिया चेतावनी के बाद आया है। इस्राइली सरकार को बताया कि सेना पर भारी दबाव है और अगर जल्द कदम नहीं उठाए गए, तो इस्राइली सेना अंदर से टूट सकती है।

इतना ही नहीं जारी संघर्ष के बीच इस्राइली सेना प्रमुख ने एयाल जमीर ने सरकार से नए भर्ती कानून, रिजर्व ड्यूटी से जुड़े नियम और अनिवार्य सैन्य सेवा की अवधि बढ़ाने की मांग की है। गौरतलब है कि 2023 अक्तूबर के बाद शुरू हुए गाजा युद्ध के कारण इस्राइल की सेना पर लगातार दबाव बढ़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सेना इस समय करीब 12,000 सैनिकों की कमी से जूझ रही है। दूसरी ओर करीब 80000 अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स युवा सेना में भर्ती के योग्य हैं।

तल्खी बढ़ने की आशंका के बीच करीब आए भारत-बांग्लादेश; खालिदा जिया से अलग तारिक रहमान का रुख

ढाका, एजेंसी। भारत-बांग्लादेश के संबंधों में सुधार दिख रहा है। नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने एक तरफ जहां जनसंहार दिवस पर पाकिस्तान को लताड़ा है, वहीं हालिया विवादों को खत्म करते हुए अपने देश में आईपीएल के प्रसारण पर लगी रोक को हटा दिया है। तारिक रहमान का ये रुख पूरी तरह उनकी मां खालिदा जिया के उलट हैं।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के 18 महीने के कार्यकाल में भारत से रिश्तों में आई तल्खी इसी साल फरवरी महीने में आम चुनाव के नतीजे आने के बाद और बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी। कारण था पाकिस्तान का करीबी और भारत से दूरी बनाए रखने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की जीत। हालांकि पूर्वानुमानों और आशंकाओं के उलट भारत और बांग्लादेश के बीच दूरी की जगह करीबी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की जनसंहार दिवस पर पाकिस्तान को खरी-खरी, आईपीएल प्रसारण पर लगा प्रतिबंध हटना और विदेश मंत्री खलील उर रहमान का भारत दौरा तय होना बता रहा है कि बांग्लादेश अंतरिम सरकार के दौरान ठंडे पड़े द्विपक्षीय रिश्तों में गर्माहट लाना चाहता है। खासकर पीएम तारिक का 1971 में पाकिस्तानी सेना के कत्लेआम पर अपनी ही पार्टी से अलग रुख अपनाना चर्चा का विषय बना हुआ है। गौरतलब है कि रहमान ने इस संगठित हत्याकांड का प्रतिरोध नहीं करने पर तत्कालीन

पाकिस्तान सरकार की भूमिका पर सवाल उठाया। इतना ही नहीं नरसंहार दिवस के जरिये वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता के मूल्य और महत्व समझाने पर जोर भी दिया। दरअसल सत्ता में आने के बाद जब शेख हसीना सरकार ने जनसंहार की जांच शुरू की तब बीएनपी ने इसे राजनीति प्रेरित बताते हुए इसका विरोध किया था। तब बीएनपी की कमान वर्तमान पीएम तारिक की दिवंगत मां और पूर्व पीएम खालिदा जिया के हाथों में थी। इतना ही नहीं 1991 से 1996, 2001 से 2006 तक पीएम रहने के दौरान खालिदा ने भारत पर पाकिस्तान को तरजीह दी। बांग्लादेश की जमीन के दुरुपयोग की भारत की चिंता को भी दूर करने की कोशिश की गई है। माह की शुरुआत में बांग्लादेश डायरेक्टर जनरल ऑफ फोर्सेज इंटेलिजेंस मेजर जनरल राशिद चौधरी की रॉ प्रमुख पराग जैन और अपने समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल आर. एस. रमन के साथ अहम बैठक हुई थी।

फिलहाल संबंधों में सुधार की इस कड़ी में सबकी निगाहें 7 अप्रैल को भारत दौरे पर आ रहे बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलील उर रहमान पर है। इस दौरे से पूर्व दोनों देशों के बीच राजनयिक स्तर की तल्खी खत्म हो चुकी है। बीजा सेवाएं शुरू हो गई हैं। पश्चिम एशिया संकट के दौरान भारत ने बांग्लादेश को ऊर्जा संकट से निपटने में मदद की है। ऐसे में रहमान के भारत दौरे में दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान सहित कई मामले में आगे बढ़ने पर सहमति बन सकती है।

दरअसल बांग्लादेश के पास भारत से अपने ऐतिहासिक, आर्थिक और भौगोलिक संबंधों का विकल्प नहीं है। अंतरिम सरकार के दौरान भारत विरोधी गतिविधि की कीमत बांग्लादेश कई मोर्चे पर भुगत चुका है। फिर दोनों देशों के बीच गंगा नदी संधि की मियाद भी इस साल दिसंबर में खत्म हो रही है। ऐसे में संकेत है कि बांग्लादेश शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग से पहले अपने आर्थिक हित को तरजीह देना चाहता है।

● अमेरिका में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा

युद्ध में सब कुछ हो रहा तबाह: तेहरान यूनिवर्सिटी पर हमले के बाद तनाव

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिका और इस्राइल से जुड़े विश्वविद्यालयों को लेकर बड़ा और सख्त बयान जारी किया है। आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में स्थित अमेरिकी और इस्राइली विश्वविद्यालय अब वैध निशाना बन सकते हैं। ईरानी सरकारी मीडिया आईआरआईबी के अनुसार, ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइल ने हाल के दिनों में ईरान के शैक्षणिक संस्थानों और सांस्कृतिक ढांचे को निशाना बनाया है। अपने बयान में दावा किया कि तेहरान स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी का वजीफा भी एक ऐसा केंद्र है जो कथित तौर पर हथियार विकास से जुड़ा है। आईआरजीसी ने इन विश्वविद्यालयों के छात्रों, शिक्षकों

और आसपास रहने वाले लोगों को भी चेतावनी दी है। संगठन ने सलाह दी है कि लोग इन परिसरों से कम से कम एक किलोमीटर की दूरी बनाए रखें, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही आईआरजीसी ने अमेरिका से मांग की है कि वह 30 मार्च (तेहरान समय) तक ईरानी विश्वविद्यालयों पर हमलों की निंदा करे, अन्यथा जवाबी कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा और संस्कृति पर हमला ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने भी अमेरिका और इस्राइल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश जानबूझकर ईरान के वैज्ञानिक ढांचे और सांस्कृतिक विरासत को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान की यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी का उदाहरण देते हुए कहा कि पिछले 30 दिनों में कई शैक्षणिक और शोध संस्थानों पर हमले हुए हैं। खिलाफ चलाए जा रहे सैन्य अभियान का असली उद्देश्य उसके वैज्ञानिक और बौद्धिक ढांचे को कमजोर करना है। वहीं, परमाणु कार्यक्रम को लेकर दिए जा रहे तर्कों को उसने झूठा बहाना करार दिया।

नरक में स्वागत: अमेरिकी सैनिकों की तैनाती पर ईरानी मीडिया की चेतावनी; लिखा- जो भी ईरान आएगा ताबूत में लौटेगा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य बलों की बढ़ती तैनाती के बीच, ईरानी अंग्रेजी अखबार तेहरान टाइम्स ने वॉशिंगटन को चेतावनी भरा संदेश दिया है। अखबार ने शनिवार के अंक के पहले पृष्ठ पर बड़े अक्षरों में लिखा वेलकम टू हेल और चेतावा कि जो भी अमेरिकी सैनिक इरानी क्षेत्र में प्रवेश करेंगे, वे सिर्फ ताबूत में लौटेंगे। अखबार की चेतावनी के ठीक समय पर लगभग 3,500 अमेरिकी मरीन सैनिक पश्चिम एशिया में अमेरिका के सेंट्रल कमांड क्षेत्र में तैनात किए गए। मरीन सैनिक त्रिपोली के जरिए जापान से रवाना किए गए, जो अमेरिका के सबसे बड़े अम्फीबियस असॉल्ट जहाजों में से एक है। यह कदम पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य शक्ति बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह तैनाती खर्ग द्वीप को कब्जे में लेने के लिए अमेरिकी ऑपरेशन की तैयारी हो सकती है। यह द्वीप रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और इसी महीने पहले भी ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत इसका निशाना बनाया गया था। अमेरिकी बलों ने अब तक 11,000 से अधिक लड़ाकू उड़ानों को

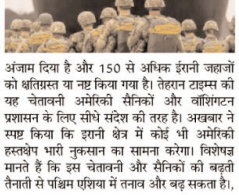

अंजाम दिया है और 150 से अधिक ईरानी जहाजों को क्षतिग्रस्त या नष्ट किया गया है। तेहरान टाइम्स की यह चेतावनी अमेरिकी सैनिकों और वॉशिंगटन प्रशासन के लिए सीधे संदेश की तरह है। अखबार ने स्पष्ट किया कि इरानी क्षेत्र में कोई भी अमेरिकी हस्तक्षेप भारी नुकसान का सामना करेगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस चेतावनी और सैनिकों की बढ़ती तैनाती से पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ सकता है।

ईरान का बहरीन के एल्युमिनियम प्लांट पर हमला

दो कर्मचारी घायल; आईआरजीसी ने ली जिम्मेदारी

मनामा, एजेंसी। बहरीन की प्रमुख औद्योगिक कंपनी एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) ने रविवार को पुष्टि की कि उसके औद्योगिक संयंत्र को शनिवार को हुए हमले में निशाना बनाया गया। इस घटना में कंपनी के दो कर्मचारियों को मामूली चोटें आई हैं। बहरीन न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कंपनी ने अपने बयान में कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और घायल कर्मचारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई है। कंपनी ने यह भी बताया कि फिलहाल प्लांट को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही, संचालन को सामान्य बनाए रखने और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। अल्बा के बयान में कहा गया कंपनी के कर्मचारियों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है और इस हमले में हमारे दो कर्मचारी घायल हुए हैं। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि जैसे-जैसे नई जानकारी सामने आएगी, उसे साझा किया जाएगा। इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाया। आईआरजीसी के बयान में कहा गया कि उसकी एयरोस्पेस और नौसेना बलों ने मिसाइल और ड्रोन के जरिए एक संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में, श्व के अमीरात ग्लोबल एल्युमिनियम और बहरीन के एल्युमिनियम बहरीन प्लांट को टारगेट किया गया। आरोप लगाया कि ये औद्योगिक इकाइयां अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस उद्योग से जुड़ी हैं। संगठन के अनुसार, ये संयंत्र अमेरिकी सैन्य उत्पादन को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देते हैं। ईरान ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई उसके औद्योगिक ढांचे पर हुए कथित अमेरिकी-जायोनीहमलों के जवाब में की गई है।

चेतावनी दी है कि उसकी जवाबी कार्रवाई आगे और भी तेज हो सकती है। इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ सकता है। पश्चिम एशिया में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति के बीच, इस तरह के हमले क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। हाल के दिनों में कई देशों में रणनीतिक ढांचों पर हमलों की खबरें सामने आई हैं, जिससे हालात और संवेदनशील हो गए हैं।

गावस्कर बोले- आईपीएल से हटने पर कड़ी सजा जरूरी

2 साल का बैन असरदार नहीं; इंग्लिश बैटर डकेट ने नाम वापस लिया

बेंगलुरु (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल से हटने पर प्लेयर्स पर कड़ी सजा लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मौजूदा 2 साल का बैन प्रभावी नहीं है, इसलिए ऐसी सजा होनी चाहिए जिसका खिलाड़ियों पर सीधा असर पड़े। यह बयान इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट के हटने के बाद आया है। डकेट को दिल्ली कैपिटल्स ने 2 करोड़ रुपए में खरीदा था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर पर ध्यान देने की बात कहकर टूर्नामेंट से दूरी बना ली।

इस तरह के मामले लगातार सामने आ रहे - गावस्कर ने कहा कि डकेट का फैसला समझा जा सकता है। वे इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट पर फोकस करना चाहते हैं। आईपीएल में बार-बार इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं, जिससे लीग की योजना प्रभावित होती है।

बीमारी भी नहीं तोड़ सकी अनाई वांगसू का हौसला, 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' में जीता गोल्ड

रायपुर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश की 21 साल की वेटलिफ्टर अनाई वांगसू को पहले 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' 2026 में हिस्सा लेने से कुछ दिन पहले पेट की पुरानी समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। उन्हें कमजोरी दूर करने और ताकत पाने के लिए आईवी फ्लूइड्स (नसों के जरिए तरल पदार्थ) दिए गए। हालांकि, बीमारी भी उनका हौसला नहीं तोड़ सकी। छत्तीसगढ़ में महिलाओं के 58 किलो वर्ग में अनाई ने गोल्ड मेडल जीता है। अनाई वांगसू 2019 से पेट की समस्या से जूझ रही हैं, जिसमें अचानक कमजोरी, थकान और डिहाइड्रेशन हो जाता है। वेटलिफ्टिंग जैसे खेल में ताकत और संतुलन बहुत जरूरी होते हैं। 'साई मीडिया' से बातचीत में अनाई ने कहा, 'मैंने पहले ब्रॉन्ज और सिल्वर मेडल जीते थे। परिवार के लोग हर बार पूछते थे कि मैं गोल्ड कब जीतूंगी। अब मैं गोल्ड जीतकर खुश हूं और परिवार भी बहुत खुश है।' अनाई ने पहले यूथ नेशनल गेम्स में दो ब्रॉन्ज मेडल और अलग-अलग 'खेलो इंडिया गेम्स' में सिल्वर मेडल जीते थे, लेकिन गोल्ड हमेशा उनसे दूर रहा। पिछले साल राजस्थान में आयोजित 'ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी नेशनल गेम्स' में वे सिर्फ एक लिफ्ट से गोल्ड से चूक गई थीं। उस पल का दर्द आज भी उनके जहन में ताजा है।

आईपीएल के शुरुआती मैच में बने कई रिकॉर्ड

● आरसीबी का आईपीएल में सबसे तेज 200+ रनचेज ● ईशान के 3000 रन पूरे ● कोहली की एक वेन्यू में सबसे ज्यादा फिफ्टी

बेंगलुरु (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल का सबसे तेज रनचेज करके 19वें सीजन में जीत से शुरुआत की। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 6 विकेट से हरा दिया। आरसीबी ने 202 रन का लक्ष्य सिर्फ 15.4 ओवर में हासिल कर लिया। शानदार को विराट कोहली ने नाबाद 69 रन की पारी खेली। वे एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाले बैटर बन गए। हैदराबाद के कप्तान ईशान ने 80 रन बनाए। उन्होंने 3000 आईपीएल रन भी पूरे किए।

आरसीबी का आईपीएल में सबसे तेज 200+ रनचेज - आरसीबी ने आईपीएल इतिहास का सबसे तेज 200+ रन चेज पूरा किया। टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 203 रन का लक्ष्य सिर्फ 15.4 ओवर में हासिल किया। दूसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) हैं। आरआर ने 2025 में गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 212/2 का लक्ष्य 15.5 ओवर में हासिल किया था।

कोहली की एक वेन्यू में सबसे ज्यादा हाफ सेंचुरी - विराट कोहली ने एक ही वेन्यू पर सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में उन्होंने 28 बार पचास रन बनाए हैं।

- **एसआरएच ने आरसीबी के खिलाफ 7वीं बार 200+ रन बनाए** - सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 7वीं बार 200 से ज्यादा रन बनाए। उनसे आगे मुंबई इंडियंस है। टीम ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 8 बार 200 से ज्यादा रन बनाए हैं।
- **ईशान ने बतौर कप्तान डेब्यू में 80 रन बनाए** - ईशान किशन ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाए। इस पारी के साथ वह आईपीएल में कप्तानी डेब्यू पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सेजू सैमसन और श्रेयस अय्यर जैसे प्लेयर्स की लिस्ट शामिल हो गए। ईशान तीसरे ऐसे बल्लेबाज बने, जिन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कप्तानी करते हुए डेब्यू मैच में 50 से ज्यादा रन बनाए। उनसे पहले मनीष पांडे और डेविड वॉर्नर ऐसा कर चुके हैं।
- **ईशान के 2180 बॉल पर 3000 आईपीएल रन पूरे** - ईशान किशन ने सिर्फ 2180 गेंदों में 3000 आईपीएल रन पूरे किए। वे सबसे तेज 3 हजार रन बनाने वाले प्लेयर्स में छठे स्थान पर पहुंच गए। टॉप पर ऋषभ पंत हैं, जिन्होंने 2028 बॉल पर यह कारनामा किया था।

वापस यहां आकर अच्छा लग रहा है, मैं अपना 120 प्रतिशत देना चाहता हूं: कोहली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम को जीत दिलाई। कोहली ने 38 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए। कोहली ने इस पारी के बाद कहा कि वह टीम के लिए 120 प्रतिशत देना चाहते हैं और बिना तैयारी के खेलने नहीं उतरते हैं। कोहली अब भारत के लिए सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं और टी20 में वह सिर्फ आईपीएल ही खेल रहे हैं। अपनी पारी को लेकर कोहली ने कहा, वापस यहां आकर अच्छा लग रहा है। आखिरी मैच मैंने पिछले साल आईपीएल फाइनल खेला था, लेकिन हाल ही में वनडे सीरीज में जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे मुझे लय हासिल करने में मदद मिली। मैं वह शॉट्स नहीं खेल रहा था जो आम तौर पर नहीं खेलता। मुझे पता है कि मैं लय में हूं और मैंने फिटनेस पर भी काफी मेहनत की है तो प्रदर्शन अच्छा ही रहेगा। हमारे पास अच्छी शुरुआत का मौका था और हमने वही किया।

ब्रेक से मिला फायदा - सिर्फ एक ही प्रारूप खेलने के बारे में पूछने पर कोहली ने कहा, पिछले 15 साल से जिस तरह का कार्यक्रम रहा है और हमने जितनी क्रिकेट खेली है, मेरे लिए तैयारी की कमी के बजाय जरूरत से ज्यादा खेलने की थकान का जोखिम अधिक रहा है। इसलिए इन ब्रेक से तरोताजा होकर लौटने में काफी मदद मिली। जब भी मैं खेलने आता हूं तो 120 प्रतिशत देने की कोशिश रहती है। कभी तैयारी के बिना नहीं आता। अतिरिक्त विश्राम से मुझे मानसिक रूप से तरोताजा होने में मदद मिली।

सबालेंका ने गॉफ को हराकर, मियामी ओपन महिला सिंगल्स का खिताब जीता

मियामी (एजेंसी)। सबालेंका ने मियामी ओपन महिला सिंगल्स का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने फाइनल में कोको गॉफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा और तीन सेट तक चला। इस जीत के साथ सबालेंका ने सनशाइन डबल पूरा कर लिया, जो टेनिस में बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

सनशाइन डबल पूरा कर रचा इतिहास

सबालेंका 2022 में इंगा स्वातिक के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले Steffi Graf, Kim Clijsters, Victoria Azarenka और स्वियाटेक यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। इस तरह सबालेंका सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं।

फाइनल मैच का हाल - सबालेंका ने मैच की शुरुआत शानदार तरीके से की और पहला सेट 38 मिनट में 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में गॉफ ने शानदार वापसी की और 6-4 से सेट जीतकर मैच बराबरी पर ला दिया। लेकिन तीसरे सेट में सबालेंका ने दमदार खेल दिखाया और शानदार सर्विस और विनर्स की मदद से मैच अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में उनको सर्विस गॉफ पर भारी पड़ी।

बैक-टू-बैक मियामी खिताब - इस जीत के साथ सबालेंका ने मियामी ओपन का खिताब लगातार दूसरी बार जीता। इससे पहले Ashleigh Barty ने 2019 और 2021 में यह कारनामा किया था, जबकि Serena Williams ने 2013 से 2015 तक लगातार खिताब जीते थे। अब सबालेंका भी लगातार मियामी खिताब जीतने वाली खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं।

- **करियर का 24वां डब्ल्यूटीए सिंगल्स टाइटल** - यह सबालेंका के करियर का 24वां डब्ल्यूटीए सिंगल्स टाइटल है और कुल मिलाकर उनका 30वां खिताब है। इसमें चार ग्रैंड स्लैम सिंगल्स, दो ग्रैंड स्लैम डबल्स और कई डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल शामिल हैं।
- **नंबर-1 के रूप में जारी रहेगा दबदबा** - सबालेंका अब वर्ल्ड नंबर-1 के रूप में करेंगी। वह लगातार लंबे समय से नंबर-1 रैंक पर बनी हुई हैं और उनका प्रदर्शन बता रहा है कि आने वाले टूर्नामेंट में भी वह खिताब की मजबूत दावेदार रहेंगी। मियामी में यह जीत उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक मानी जा रही है।

आरसीबी-एसआरएच हार के बाद ईशान किशन का चौंकाने वाला बयान

मजा आया, खासकर विराट भाई की बल्लेबाजी देखकर

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के ओपनिंग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट से हरा दिया। 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने 15.4 ओवर में ही मैच जीत लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट कोहली ने 38 रन की पारी खेली, जबकि पल्लीकल ने 26 गेंदों में 61 रन बनाकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

ईशान किशन ने बताई हार की वजह - मैच के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन ने हार की वजह पावरप्ले में विकेट गिरना बताया। स्काः की टीम पावरप्ले में 29 रन पर 3 विकेट गंवा बैठी थी, जिससे टीम पर दबाव आ गया। हालांकि ईशान किशन ने 38 गेंदों में 80 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को 201 रन तक पहुंचाया, लेकिन लगातार विकेट गिरने की वजह से टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी।

पिच और मैच कंडीशन पर क्या बोले किशन - ईशान किशन ने कहा कि शुरुआत के 3-4 ओवर में पिच थोड़ी मुश्किल थी, लेकिन बाद में बल्लेबाजी आसान हो गई। उन्होंने माना कि टीम को अगली बार शॉट सिलेक्शन और गेंदबाजी एरिया पर ज्यादा ध्यान देना होगा। किशन ने कहा कि यह टूर्नामेंट का पहला मैच था, इसलिए गलतियां हुईं, लेकिन टीम इससे सीखकर आगे बेहतर प्रदर्शन करेगी।

- **'विराट भाई को जल्दी आउट करना जरूरी था'** - ईशान किशन ने मैच के बाद कहा कि विराट कोहली का विकेट जल्दी लेना बहुत जरूरी था, क्योंकि अगर वह टिक जाते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने आरसीबी के बल्लेबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि जिस तरह उन्होंने रन चेज किया, वह काबिल-ए-तारीफ है और खासकर विराट की बल्लेबाजी देखना उन्हें अच्छा लगा।
- **जैकब डफी ने डेब्यू मैच में मचाया धमाल** - आरसीबी के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने अपने डेब्यू मैच में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने चोटिल जोश हेजलवुड की जगह खेलते हुए शुरुआती स्पेल में 3 विकेट लेकर स्काः को बैकफुट पर धकेल दिया। डफी ने कहा कि इस तरह टीम के लिए योगदान देना उनके लिए शानदार शुरुआत है।

मन की बात में पीएम मोदी ने रणजी चैंपियन जम्मू-कश्मीर को सराहा

विश्वकप विजेता भारतीय टीम की सफलता पर गर्व जताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में खेलों में मिली सफलता का जिक्र किया। उन्होंने टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम करने वाली भारतीय टीम और रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर टीम के बारे में बात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 132वें एपिसोड में टी20 विश्व कप की विजेता भारतीय टीम की सफलता पर गर्व जताया। वहीं, पहला रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली जम्मू-कश्मीर की टीम को भी सराहा। भारत ने इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका को हराकर लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था।

पीएम बोले- टीम की सफलता से पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ी - पीएम मोदी ने भारतीय टीम को मिली इस जीत पर 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा, मेरे प्यारे देशवासियों देशभर के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह महीना जोश और उत्साह से भर देने वाला रहा है। जब भारत ने टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक जीत दर्ज की तो देश में हर तरफ खुशी की लहर दौड़ गई। अपनी टीम की इस शानदार सफलता पर हम सभी को बहुत गर्व है।

जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक जीत का किया जिक्र - प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर की ऐतिसाहिक जीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, पिछले महीने के आखिर में कर्नाटक के हुबली में एक बहुत ही रोचक मुकाबला देखने को मिला। इस मुकाबले को जीतकर जम्मू-कश्मीर की क्रिकेट टीम ने रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया। सबसे खुशी की बात है कि

करीब सात दशकों के लंबे इंतजार के बाद इस टीम ने अपना पहला रणजी खिताब हासिल किया। यह अभूतपूर्व सफलता खिलाड़ियों के कई बरसों के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। टीम के कप्तान पारस डोगरा ने अद्भुत कौशल दिखाया। अपने नेतृत्व से इस जीत में उन्होंने अहम योगदान दिया।

आकिब नबी के प्रदर्शन को सराहा - पीएम मोदी ने कहा, आज देश में कश्मीर के युवा गेंदबाज आकिब नबी के प्रदर्शन की भी चर्चा हो रही है, जिन्होंने रणजी सीजन में 60 विकेट लिए हैं। इस जीत से टीम के खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के लोग बहुत रोमांचित हैं। क्रिकेट के मैदान में इस शानदार प्रदर्शन के बाद वहां के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और बढ़ गया है। आने वाले समय में यह कई युवाओं को खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने आगे कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों में खेलों को लेकर गजब का जज्बा रहा है। मुझे खुशी है कि अब यह बड़े खेल आयोजनों का हब भी बनता जा रहा है। खेल इंडिया शीतकालीन खेल के लिए गुलमर्ग तो पहले ही अपनी पहचान बना चुका है। फुटबॉल जैसे खेल भी यहां के युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। मुझे आशा है कि आने वाले समय में जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों की जीत का यह सिलसिला यूं ही जारी रहेगा।

स्काश और एथलेटिक्स को लेकर क्या बोले पीएम - पीएम मोदी ने कहा, स्काश खिलाड़ी बेटी अनाहत सिंह ने स्काश ऑन फायर का बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। सिर्फ 17 साल की उम्र में उन्होंने ये सफलता हासिल की इसके साथ ही वे पीएसए विश्व रैंकिंग में शीर्ष 20 में जगह बनाने वाली सबसे कम उम्र की एशियाई महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली एथलीट गुलवीर सिंह ने कुछ ही हफ्ते पहले न्यूयॉर्क सिटी हॉफ मैराथन में तीसरा स्थान हासिल कर इतिहास रच डाला। वे एक घंटे से कम समय में हॉफ मैराथन को पूरा करने वाले पहले भारतीय एथलीट बने। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे अस्मिता एथलेटिक्स लीग की जानकारी भी मिली है। इसमें आठ मार्च को महिला दिवस के अवसर पर कई खेल इवेंट्स का शानदार आयोजन किया गया। लीग में करीब दो लाख बेटियों ने भागीदारी की।

सीएसके-आरआर मैच में अपनी पूर्व टीमों के खिलाफ खेलेंगे सैमसन और जडेजा

गुवाहाटी (एजेंसी)। पिछले एक दशक से अधिक राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान रहे संजू सैमसन अब आईपीएल के मैच में सोमवार को उसी टीम के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की जर्सी में नजर आएंगे जबकि चेन्नई टीम का हिस्सा रहे रविंद्र जडेजा अब रॉयल्स के लिये खेलने जा रहे हैं। पिछले दस साल से अधिक समय से सैमसन रॉयल्स टीम के कप्तान और स्टार बल्लेबाज रहे हैं। उनकी कप्तानी में रॉयल्स 2022 में फाइनल तक पहुंची थी। जिस तरह से चेन्नई की पहचान महेंद्र सिंह धोनी हैं, वैसे ही रॉयल्स की पहचान सैमसन बन गए थे लेकिन इस सत्र से पहले हुई अदला बदली में अब जडेजा रॉयल्स के लिए खेलेंगे और भारत की टी20 विश्व कप जीत के नायक रहे सैमसन चेन्नई टीम का हिस्सा होंगे।

सैमसन ने टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी तीन मैचों में 50 से अधिक रन बनाकर भारत की खिताबी जीत में सूत्रधार की भूमिका निभाई। वह चेन्नई के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरुआत करेंगे और टीम के कोर नेतृत्व का भी हिस्सा होंगे चूंकि धोनी फिटनेस कारणों से कम से कम दो सप्ताह नहीं खेल पाएंगे। धोनी टीम के साथ गुवाहाटी नहीं आए हैं और उनकी गैर मौजूदगी में सैमसन तथा गायकवाड़ पर

नजरें रहेंगी।

धोनी की गैर मौजूदगी में 20 साल के बाएं हाथ के स्पिनर हरफनमौला प्रशांत वीर को मौका मिल सकता है जिन्होंने घरेलू टी20 मैचों में प्रभावित किया। उनके अलावा 14 .2 करोड़ रुपए में खरीदे गए कार्तिक शर्मा भी फोकस में होंगे जो घरेलू सर्किट में छक्के लगाने के अपने हुनर के लिए जाने जाते हैं। चेन्नई की बल्लेबाजी मजबूत लग रही है चूंकि डेवाल्ड ब्रेविस अब परिपक्व हो चले हैं जबकि शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी तेजी से निखरते जा रहे हैं। गेंदबाजी में नूर अहमद, अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद जिम्मेदारी संभालेंगे।

रॉयल्स के लिए सैमसन का जाना एक युग का अंक है और रियान पराग की कप्तानी में एक नये दौर की शुरूआत है जो अपने घरेलू मैदान से कप्तानी की शुरूआत करेंगे। जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढ़ा है। उनकी बल्लेबाजी का दारोमदार यशस्वी जायसवाल पर रहेगा। उनके साथ युवा वैभव सूर्यवंशी और फॉर्म में चल रहे शिमरोन हेटमायेर हैं।

रॉयल्स के लिए चिंता का सबब उसकी गेंदबाजी है। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं लेकिन जोफा आर्चर की अगुवाई में तेज गेंदबाजों को निरंतरता पर काम करना होगा। स्पिन का जिम्मा जडेजा और रवि बिश्नोई संभालेंगे। पिछले सत्र में चेन्नई आखिरी स्थान पर और रॉयल्स नौवें स्थान पर रही थी।

टीमें

- **राजस्थान रॉयल्स** - रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, तुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन ओराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।
- **चेन्नई सुपर किंग्स** - रूतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल वाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

समय - शाम 7.30 बजे से।